शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा की जनाक्रोश यात्रा 11 मई को हुब्बल्ली में होगी संपन्न: एन. रविकुमार @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 06 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-124

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से कहा

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है रूस

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में पूर्ण समर्थन की घोषणा की। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को कानून के दायरे में लाने के लिए भारत सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र रक्षा और सुरक्षा अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। उसी क्रम में आज भी प्रधानमंत्री ने देश के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मंत्रणा की। पाकिस्तान के खिलाफ घेरेबंदी सख्त करते हुए भारत सरकार ने चेनाब और सलाल बांध से पाकिस्तान को जा रहा पानी पूरी तरह बंद कर दिया। इस कार्रवाई से भारतीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से सेंधा नमक की खरीद का बड़ा सौदा भी रद्द कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूस के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री के बीच हुई बातचीत की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने कहा, पुतिन ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए नरसंहार में मारे गए लोगों के प्रति शोक जताते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही है। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने का वादा किया। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुतिन को

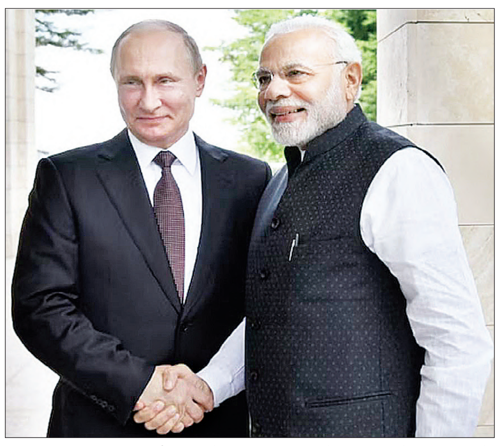

शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण स्वीकार

आतंकियों और षडयंत्रकारियों पर एक्शन जरूरी है

प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा सचिव से की खास मंत्रणा

बगलिहार और सलाल डैम से चेनाब का पानी बंद

झेलम के किशनगंगा डैम से भी शीघ्र रुकेगा पानी

कर लिया है। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत का समय काफी अहम है। अभी पिछले ही दिनों पाकिस्तान रूस के सामने गिड़गिड़ाया था लेकिन रूस पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। मॉस्को में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने रूस से तनाव को कम करने में मदद मांगी थी। लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ और रूस ने आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को समर्थन दिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जरूर जाहिर की, लेकिन उन्होंने भारत के प्रति समर्थन जताया था। इस मामले में भारत को पूरी दुनिया से समर्थन मिल रहा है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के एक ही दिन बाद हुई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच यह अहम मुलाकात चल रही है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में यह अहम बैठक हुई थी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें अरब सागर में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की समग्र स्थिति से अवगत कराया था। पहलगाम हमले के बाद से लगातार शीर्ष स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। हमले के फौरन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसले लिए गए थे। केंद्र सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ सरकार की ओ से की गई किसी भी कार्रवाई के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया था। सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों को उजागर किया गया।

▶10पर

पहलगाम पहुंचीं पूर्व सीएम जताई हार्दिक संवेदना

अर्से बाद महबूबा ने अमित शाह से बात की

पहलगाम, 05 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में आतंकी हमले के 13 दिन बीत चुके हैं। इस हमले में 27 निर्दोष नागरिकों की जान गई थी। जम्मू कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना आतंकियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चला रही है। इस बीच जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती आज पहलगाम पहुंची। महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की। उन्होंने कहा कई सालों के बाद पहली बार मैंने अमित शाह से बात की।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैंने उन 27 लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन दिनों हमें युवा पुरुषों और महिलाओं, व्यापारियों से कई फोन कॉल आए, जिन्होंने बताया कि वे ख़तरे में हैं और डरे हुए हैं। इसलिए कई सालों के बाद पहली बार, मैंने अमित शाह से बात की और जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया। अमित ने कई सलाह मानी और कई अच्छे सलाह दिए और दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा भी दिया। पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए लोगों का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा, संदेश यह है कि पहलगाम के लोग बहुत दुखी हैं। वे दुखी हैं। वे चिंतित हैं क्योंकि यहां पकड़-धकड़ सबसे ज़्यादा है। हालांकि यहां के लोगों ने यथासंभव मदद करने की कोशिश की, लोगों को अस्पताल पहुंचाया, ▶10पर

खुफिया तंत्र ने सतर्क किया 14 आतंकियों की सूची जारी

श्रीनगर और जम्मू की जेलों पर आतंकी हमले का खतरा

जम्मू, 05 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की जेलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि आतंकी जेलों पर हमला कर सकते हैं, खासकर श्रीनगर की सेंट्रल जेल और जम्मू की कोट बलवाल जेल पर खतरा मंडरा रहा है। खुफिया एजेंसियों ने 14 आतंकियों की लिस्ट भी जारी की है, जिनके जम्मू कश्मीर में सक्रिय होने को लेकर सतर्क किया गया है। जम्मू और कश्मीर जोन की इन जेलों में कई बड़े आतंकी और स्लीपर सेल के सदस्य बंद हैं, जो आतंकियों को लॉजिस्टिक मदद, ठिकाना और उनकी आवाजाही में सहायता देते हैं। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए हिंदुओं के नरसंहार के मामले की जांच जारी है, जिसमें इस आतंकी हमले का अंदेशा जताया गया है और अलर्ट जारी कर दिया गया है।

खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू और कश्मीर की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। रविवार 4 मई को सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) के डायरेक्टर जनरल ने श्रीनगर में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। सीआईएसएफ ने अक्टूबर 2023 में सीआरपीएफ से जम्मू-कश्मीर की जेलों की सुरक्षा का जिम्मा लिया था। बैठक में जेलों की सुरक्षा का जायजा लिया गया और किसी भी तरह की चूक रोकने के लिए कदम उठाए गए। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई टली

चीफ जस्टिस ने सुनवाई से खुद को अलग किया

रिटायर होने जा रहे इसलिए हटे संजीव खन्ना

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई टल गई। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। तमाम चर्चाओं और आकलनों के बरक्स आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा है कि संजीव खन्ना रिटायर होने जा रहे हैं, इसलिए उन्होंने खुद को इस विवादास्पद केस से अलग कर लिया है। वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में आज ही सुनवाई होनी थी लेकिन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के केस से अलग होने के निर्णय से अब इस पर 15 मई को सुनवाई होगी। तब तक बीआर गवई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हो जाएंगे।

वक्फ मामले में 16-17 अप्रैल को कोर्ट ने सुनवाई की थी और कानून के कई प्रावधानों के लेकर सवाल खड़े किए थे। 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने जवाब देने के लिए समय मांगा था और यह भी कहा था कि अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार आपत्ति वाले प्रावधानों को लागू नहीं करेगी। इस मामले में पहले सरकार ने जवाब दाखिल किया था। इसके बाद विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों समेत ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हलफनामा दाखिल किया। आज मामले की सुनवाई होनी थी लेकिन सुनवाई टल गई। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

सीबीआई के नए निदेशक के नाम पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नए निदेशक के नाम पर मंथन के लिए प्रधानमंत्री आवास में बैठक हुई है। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल हुए। यह बैठक मौजूदा सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के दो साल के कार्यकाल के 25 मई को समाप्त होने से पहले हुई है। सीबीआई निदेशक की नियुक्ति केंद्र सरकार की तरफ से तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। सीबीआई के डायरेक्टर की नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) करती है। इस उच्च-स्तरीय समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा के विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। यह समिति सीबीआई के डायरेक्टर के पद के लिए किसी एक नाम पर मुहर लगाती है। यह समिति साथ में बैठकर सीबीआई के डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए नाम पर चर्चा करती है और फिर सरकार ▶10पर

जस्टिस वर्मा के घर से नोटों की बरामदगी का मामला

जांच कमेटी ने मुख्य न्यायाधीश को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से मिले नोटों के जखीरे की जांच रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी गई। जांच में क्या पाया गया, इस बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तक से मना कर दिया था।

जांच कमेटी ने 25 मार्च 2025 से अपनी जांच शुरू की और एक महीने सात दिन में, यानि 3 मई 2025 को अपनी रिपोर्ट पूरी कर ली। इस रिपोर्ट को 4 मई 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को सौंप दिया गया।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यों वाली जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थीं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिया राज्यों को जरूरी निर्देश

युद्धकालीन सतर्कता का अभ्यास कराने को कहा

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

युद्ध के समय बरती जाने वाली नागरिकीय सतर्कताओं को लेकर गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को मॉक-ड्रिल (अभ्यास) कराने को कहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस मॉक ड्रिल में हवाई हमले (एयर रेड) चेतावनी सायरन को सक्रिय किया जाएगा। आम नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षित किया जाएगा कि अगर किसी तरह का हमला हो जाए, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित रखें। ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। यानी जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे। महत्वपूर्ण कारखानों और ठिकानों को छिपाने की जल्दी व्यवस्था की जाएगी। निकासी योजना को अपडेट किया जाएगा और उसका अभ्यास (रिहर्सल) भी कराया जाएगा।

इससे पहले, रविवार को फिरोजपुर छावनी इलाके में 30 मिनट का ब्लैकआउट अभ्यास किया गया, जिसमें रात 9 बजे से 9:30 बजे तक सभी लाइटें बंद रहीं। अगर किसी वाहन की लाइट जलती

पाई गई तो उसे बंद करवाया गया। पुलिस पूरी तरह अलर्ट पर रही और हर चौराहे पर तैनाती की गई। फिरोजपुर छावनी थाने के एसएचओ गुरजंत सिंह ने यह जानकारी दी।

गृह मंत्रालय ने यह निर्देश ऐसे समय में दिए हैं, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और भारत पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस आतंकी हमले में 27 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे।

इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, पाकिस्तानी उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करना, अटारी चेक पोस्ट को बंद करना और सभी श्रेणियों में डाक सेवाओं को बंद करने जैसे फैसले शामिल हैं।

आतंकी हमले के बाद सरकार ने सशस्त्र बलों को छूट दी है कि वह अपने समय और तरीके से फैसला ले सकते हैं। इस हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और विपक्षी दलों ने भी इस हमले के दोषियों के खिलाफ सरकार की किसी भी कार्रवाई के लिए अपना समर्थन दिया है।

आतंकवादी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंध की जानकारी दी गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान की सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आगमन और पारगमन पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार प्रवाह प्रभावी रूप से रुक गया है।

शेयर मार्केट

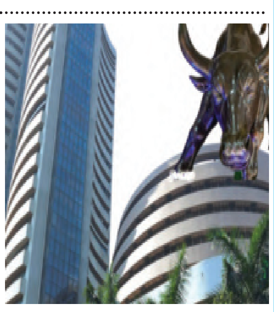

बीएसई : 80,796.84
+294.85 +0.37%
एनएसई :24,461.15
114.45 (0.47%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 24°

कार्टून कॉर्नर

जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 के दूसरे दिन

मिडटाउन और बेंगलूरु साउथ टीम के बीच हुए मैच में बेंगलूरु साउथ बनी विजेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु स्थित जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में आयोजित जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 के दूसरे दिन का शुभारंभ पावन नवकार महामंत्र के स्मरण के साथ किया गया। देशभर से आई 24 टीमों को विभिन्न ग्राउंड्स में विभाजित किया गया, जहाँ हर ग्राउंड पर दो-दो टीमों के बीच क्रमशः मुकाबले खेले गए। मुंबई जॉन बनाम हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें मुंबई जॉन टीम ने जीत दर्ज की। कोलकाता और बेंगलूरु टीम के बीच मुकाबला भी इसी ग्राउंड पर खेला गया, जिसमें कोलकाता टीम विजयी रही। दीपक जैन को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्हें जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लूनिया द्वारा रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। इंदौर टीम ने उमंग और उत्साह के साथ अपना पहला मैच खेला।

मुंबई और बेंगलूरु टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें मुंबई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। कशिश जैन को मैन ऑफ द मैच चुना गया और उन्हें रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। वापी और नासिक टीम के बीच खेले गए मुकाबले में नासिक टीम ने 14 रनों से शानदार जीत दर्ज की। पाली और उदयपुर टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें पाली टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

चेन्नई 11 और उदयपुर टीम आमने-सामने रहीं, जिसमें उदयपुर टीम ने बाजी मारी और मानव जैन को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। हैदराबाद और पुणे टीम के बीच खेले गए मुकाबले में पुणे टीम विजयी रही।

शानदार प्रदर्शन के लिए ऋषभ बम्बोरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया और उन्हें रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। मिडटाउन और बेंगलूरु साउथ टीम के बीच हुए मैच में बेंगलूरु साउथ टीम ने जीत हासिल की और मैन ऑफ द मैच का खिताब भी अपने नाम किया। मैन ऑफ द मैच खिलाड़ियों को एपेक्स स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल, राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं चैप्टर प्रतिनिधियों द्वारा रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। दिन भर के जोशीले मुकाबलों के बाद भी खिलाड़ियों में ऊर्जा और उमंग बरकरार रही।

आयोजक जीतो बेंगलूरु चैप्टर द्वारा खिलाड़ियों के मनोरंजन हेतु भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध स्टैंड-अप कॉमेडियन अरविंद सुंदर ने अपने चुटीले हास्य से सभी को हँसी से लोटपोट कर दिया। इसके पश्चात 'सोल जैम रुहानी बैंड' ने अपनी मधुर गिटार धुनों और गीतों से संगीतमय माहौल बना दिया, जिससे खिलाड़ियों के चेहरों पर ताजगी और जोश साफ झलक रहा था। जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 का यह आयोजन सिर्फ खेल का मंच नहीं, बल्कि एकता, अनुशासन और आनंद का उत्सव है। दूसरे दिन के शानदार प्रदर्शन और मनोरंजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जीतो खेलों की दुनिया में भी अपनी विशेष पहचान बना रहा है।

जीतो स्पोर्ट्स एपेक्स से स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल, जीतो चैप्टर बेंगलूरु साउथ चेयरमैन रणजीत सोलंकी, नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति बनाते हुए खिलाड़ियों में उत्साह बनाये रखा। बेंगलूरु साउथ संयोजक चेतन बोहरा सह-संयोजक श्रेयांश राखेचा, प्रोजेक्ट संयोजक सफल सकारिया और बेंगलूरु नॉर्थ से संयोजक शेखर जैन सह- संयोजक नितेश गांधी, प्रोजेक्ट संयोजक सतीश पोरवाड़ टीम ने संपूर्ण व्यवस्था के साथ- साथ सभी टीमों में सामंजस्य बरकरार रखा। बेंगलूरु साउथ महामंत्री नितिन लुनिया व नॉर्थ महामंत्री विजय सिंघवी ने संचालन व धन्यवाद का क्रमवार दायित्व निर्वहन किया।

संकलेचा अध्यक्ष व चोपड़ा कोषाध्यक्ष नियुक्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के बैनर तले संचालित मारवाड़ी युवा मंच के हुब्बली शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें अंकुश संकलेचा को अध्यक्ष, अजय ओस्तवाल को कार्यदर्शी, आकाश चोपड़ा को कोषध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। मंच के निवर्तमान अध्यक्ष अमर वैष्णव ने बताया की हुब्बली की नविन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया है। यह कार्यकारिणी कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा के नेतृत्व में अपना कार्यभार संभालेगी।

मंच के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच एक गैर-लाभकारी स्वैच्छिक युवा संगठन है। जिसकी स्थापना 10 अक्टूबर 1977 को असम राज्य के गुवाहाटी में हुई थी। यह दुनिया के सबसे बड़े मारवाड़ी समुदाय के संगठनों में से एक है। इसका प्राथमिक लक्ष्य युवा मारवाड़ी लोगों को उनके समुदाय, समाज जाति और संस्कृति से स्वतंत्र और देश में बड़े पैमाने पर योगदान देने में सहायता करना है।

मंच के नवमनोनीत अध्यक्ष अंकुश संकलेचा ने बताया कि आने वाले समय में मंच की राष्ट्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा दिए गए कार्यो को बढ़ चढ़ कर किये जायेंगे। जिसमें अमृतधारा योजना के तहत पानी के प्याऊ की स्थपना सहित रक्तदान महादान शिविर, कैंसर जांच एवं जागरूकता सहित अन्य सामाजिक कार्य शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश सेवा मण्डल ने मौज-मस्ती के संग मनाया होलिकोत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सेवा मण्डल का होलिकोत्सव रविवार की शाम गांधी नगर स्थित वैष्णव समाज भवन में अत्यंत उल्लासमय वातावरण में मस्ती भरे तरानों और मनोहारी नृत्य प्रस्तुतियों के साथ मौज-मस्ती से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मण्डल के सदस्य सपरिवार सम्मिलित हुए। स्नेह मिलन समारोह में सदस्यों ने सपरिवार गीत-संगीत व नृत्य के माहौल में खूब मौज, मस्ती व धमाल किया। मंडल के अध्यक्ष के.के. दूबे ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक एम.डी.सिंह तथा मंडल के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अध्यक्ष के.के. दुबे ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभी पधारे हुए अतिथियों, सदस्यों, महिलाओं व बच्चों का स्वागत करते हुए

मण्डल द्वारा किये गये सेवा कार्यों में सहयोग देने के लिए समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं दानदाताओं के योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि एम.डी.सिंह, विशिष्ट अतिथि हमजा हुसैन, उ.प्र.सेवा मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गर्ग तथा ऊषा शर्मा का सेवा मंडल की ओर से पदाधिकारियों ने सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को आपस में मिल-जुलकर रहना चाहिए। स्थानीय लोगों के साथ आपसी प्रेम व सद्भाव के साथ सामंजस्य बना कर रखें और जरूरतमंदों की मदद भी करें। इससे पूर्व समारोह के आरंभ में पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में मारे गये 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों तथा हाल ही में दिवंगत हुए अभिषेक द्विवेदी (उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के पूर्व अध्यक्ष इन्द्रदत्त द्विवेदी के कनिष्ठ पुत्र) के शोक में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात स्नेह मिलन समारोह शुरू हुआ। होलिकोत्सव में महिलाओं, युवाओं व बच्चों सहित सभी लोगों ने गीत-संगीत व नृत्य आदि के मनमोहक कार्यक्रमों का जमकर आनन्द लिया। प्रवीण मिश्रा एवं साथियों ने सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों की एक से बढ़कर एक सुमधुर प्रस्तुति देकर सबको गुनगुनाने और झूमने पर मजबूर कर दिया। नन्दिनी श्रीनिवास, श्रीदेवी एवं अश्वनी कुमार ने मनमोहक अभिनय प्रस्तुति दी। मंडल की ओर से समारोह में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर नरेन्द्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौरसिया, एन.के. गुप्ता, छोटेलाल चौरसिया, सूरज गोयल, प्रमोद जैन, प्रमोद गुप्ता, जितेन्द्र गुप्ता, विवेक गोयल, नवीन गोविल, पूर्व सचिव योगेश मित्तल सहित समस्त कार्यकारिणी एवं समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने किया और अन्त में सचिव वी. के. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुलदेवी महालक्ष्मी रथ यात्रा का हरियाणा भवन में स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज की कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी रथ यात्रा, जो अग्रोहा से शुरू हुई और पूरे भारतवर्ष में भ्रमण करते हुए हरियाणा अग्रोहा में कुलदेवी के विशाल मंदिर निर्माण की भी जानकारी उपलब्ध करवा रही है, रविवार को हरलूर रोड स्थित हरियाणा भवन पहुंची।

हरियाणा भवन के सभी ट्रस्टी गण एवं सभी अतिथि लोगों ने पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हरियाणा भवन के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने हरियाणा भवन की तरफ से महालक्ष्मी मंदिर अग्रोहा के लिए पांच लाख की धनराशि का सहयोग प्रदान किया। जवाहर मित्तल ने भी 5 लाख की घोषणा की।

उपस्थित समाज बंधुओं ने भी श्री अग्रेशन फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा स्थापित की गई हुंडी में अपना सहयोग प्रदान किया।

उपाध्यक्ष सुभाष बंसल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व अध्यक्ष किशन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मदन लाल अग्रवाल एवं राजेश अग्रवाल ने उपस्थित होकर सभी से आह्वान किया कि हमारी कुलदेवी महालक्ष्मी का मंदिर अग्रोहा में बन रहा है। हम सभी समाज बंधुओं को अपनी श्रद्धा से सहयोग करना चाहिए। इस अवसर पर सुरेश कुमार मोदी, राजेंद्र गोयल, दीपक कुमार गोयल, सतीश गोयल, कृष्ण मित्तल, सोमनाथ बंसल एवं अन्य अतिथि लोगों ने सुंदर आयोजन के लिए सराहना की।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज ने जल सेवा शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा बढ़ती गर्मी को देखते हुए रविवार को अध्यक्ष विकाश बालोडिया की अगुवाई में शहर के वीवी पुरम में ठंडे पानी की जलसेवा शुरू की गई।

विशेष रूप से इस गर्मी में आने जाने वाले राहगीरों को ठंडा जल पीने से राहत मिलेगी। इस पहल को साकार करने के लिए विजय बांका ने सराहनीय सहयोग दिया। पिंटू अग्रवाल ने व्यवस्था के साथ प्रतिदिन गर्मी में मटकों में ठंडा जल उपलब्ध कराने के सेवा की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर विमल सारोगी, सुभाष भगेरिया, मनोज पोद्दार, संदीप पोद्दार, तरुण चांदगोठिया, राकेश जिंदल, अभिमन्यु छापोलिया और रिंकेश बारोलिया सहित समाज के कई गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर इस नेक कार्य के लिए आभार प्रकट किया।

कर्नाटक अपराधियों का राज्य बनता जा रहा है: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कर्नाटक एक आपराधिक राज्य बनता जा रहा है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय ''जगन्नाथ भवन'' में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा पहले हम लोग दक्षिण में बैठकर बिहार में हर दिन हो रहे अपराधों पर बात करते थे। अब बिहार में शांति है और कर्नाटक में हर दिन हत्याएं हो रही हैं। कर्नाटक में राज्य सरकार जीवित है या मर चुकी है, इस बारे में संदेह सिर्फ हमारे राज्य के लोगों के साथ नहीं है। हम जिस भी राज्य में जाएं, वे पूछते हैं, आपके राज्य का क्या हुआ? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जब भी सिद्धरामैया की सरकार सत्ता में आएगी, कर्नाटक राज्य में अपराधियों का शासन होगा। 2013 में सिद्धरामैया की सरकार थी। उस दिन अपराधियों का बोलबाला था। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवादियों,

असामाजिक तत्वों और रुद्रेश की हत्या सहित विभिन्न मामलों में गिरफ्तार लोगों के मामले वापस ले लिए गए, जो पीएफआई और केएफडी जैसे विभिन्न नामों से काम कर रहे थे।

हुब्बल्ली में एक पुलिस स्टेशन को जलाने की घटना हुई। उन्होंने मैसूरु के एक पुलिस स्टेशन में घुसपैठ की। उन्होंने पुलिस को पीटा। सिद्धरामैया ने कैबिनेट बैठक में 43 ऐसे मामलों को वापस लेने का प्रस्ताव रखा। सिद्धरामैया ने राज्य में असामाजिक तत्वों और आतंकवादियों को सड़कों पर छोड़ने का काम किया है। जिन लोगों को जेल में होना चाहिए था, उन्हें सड़कों पर छोड़ दिया गया। उन्हें क्रोध में भटकने के लिए छोड़ दिया गया है। उन्होंने अपराध को बढ़ावा देने के लिए भी उनकी आलोचना की। परिणामस्वरूप, हमने उनकी पिछली सरकार में 23 हिंदू युवाओं और कार्यकर्ताओं को खो दिया। एनआईए ने अमित शाह को पत्र लिखा, जिसके बाद रुद्रेश मामले और प्रवीण नेट्टारू मामले की जांच शुरू हुई। उन्होंने बताया कि एनआईए जांच के माध्यम से राज्य में उन लोगों को पकड़ा गया है जिन्होंने विभिन्न देशों से संपर्क बनाए रखा था, विभिन्न देशों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा विभिन्न राज्यों में हत्याएं की थीं और फरार हो गए थे। मेंगलूरु, मैसूरु, पुत्तूर और सुल्लिया जैसे क्षेत्रों में आतंकवादियों और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों को पकड़ा गया। वे अब जेल में हैं। परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार को एक मजबूत आधार प्राप्त हुआ है। हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार के पास सही सबूत, पर्याप्त जानकारी और सही मामले नहीं थे। प्रवीण नेट्टारू मामले में पीएफआई की संलिप्तता उजागर हुई थी। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया। पीएफआई कार्यकर्ता कहां गए? वे अभी भी कार्यरत हैं। वे सभी राजनीतिक संगठन एसडीपीआई में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया की मिलीभगत के कारण ही वहां के सभी अपराधी फिर से हत्या में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि सिद्धरामैया ने मामला वापस ले लिया है। उन्होंने राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल बाहर निकालने की मांग वाली एक याचिका पर हस्ताक्षर करके अभियान की शुरुआत की तथा राज्य की कांग्रेस सरकार को पाकिस्तानी नागरिकों को बाहर निकालने का निर्देश देने की मांग की।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *छगनमल हिरावत 68 सुपुत्र जसकरण हिरावत, रतननगर निवासी बेंगलूरु प्रवासी को गुरुदेव की अनुमति प्राप्त कर डॉ. मुनि श्री पुलकित कुमार जी के मुखारविंद से पूर्ण चेतन अवस्था में रविवार को सुबह 9 बजकर 21 मिनट पर तिविहार संथारे का प्रत्याख्यान करवाया गया। संथारा साधक ने बहुत ही उच्च मनोबल एवं प्रवर्द्धमान भावों के साथ पारिवारिक सदस्यों की उपस्थिति और सहमति तथा तेरापंथी सभा के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों की साक्षी में संथारा ग्रहण किया। इस अवसर पर सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, सुशील भंसाली की उपस्थिति रही। मुनि ने साधक को आध्यात्मिक संबल प्रदान करते हुए कहा कि संथारा एक श्रेष्ठतम तप है एवं यह सिद्ध-बुद्ध का आभास है। यह आध्यात्मिक उत्कृष्टता को प्राप्त करने का मृत्युंजयी प्रयास है।*

खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से लड़के की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक दुखद घटना में, 9वीं कक्षा पूरी कर चुका और 10वीं कक्षा में प्रवेश की तैयारी कर रहा एक छात्र धर्मस्थल के जोदुस्थान में अपने घर के पास खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से मर गया। मृतक की पहचान प्रथम (16) के रूप में हुई है, जो गोविंदा गौड़ा का बेटा है, जो धर्मस्थल में एक निजी फर्म में काम करता है। रविवार दोपहर को प्रथम ने अपने घर के पास खेलते समय सीने में दर्द की शिकायत की। उसे तुरंत उजीरे के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। धर्मस्थल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा की जनाक्रोश यात्रा 11 मई को हुब्बल्ली में होगी संपन्न: एन. रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ महंगाई, गारंटी योजनाओं के लिए धन के दुरुपयोग और मुस्लिम तुष्टिकरण के मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शुरू की गई 'जनाक्रोश यात्रा' 11 मई को हुब्बल्ली में संपन्न होगी। कर्नाटक विधान परिषद में एमएलसी और विपक्ष के सचेतक एन. रविकुमार ने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर कर्नाटक सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी, लेकिन 'जनाक्रोश यात्रा' का औपचारिक समापन हुब्बल्ली में होगा। यात्रा की शुरुआत मैसूरु से हुई। उन्होंने कहा, हुब्बल्ली के मूरुसावीर मठ मैदान में शाम 4 बजे एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री, विपक्ष के नेता और वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। कर्नाटक के केंद्रीय मंत्री भाग लेंगे, लेकिन हम समापन समारोह में अन्य केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं की भागीदारी की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। कर्नाटक में विरोध रैली शुरू करने के कारणों पर विस्तार से बताते हुए रविकुमार ने कहा कि जब से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व

वाली सरकार सत्ता में आई है, तब से महंगाई एक नियमित घटना बन गई है। आज तक, लगभग 50 उत्पादों और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि की गई है। ऐसा लगता है जैसे उनके (कांग्रेस) पास मूल्य वृद्धि और कर की सूची से छूटे उत्पादों को खोजने के लिए एक शोध दल है। यह दावा करते हुए कि वे किसानों और दलितों के लिए हैं, सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार ने उनके विकास के लिए निर्धारित धन को डायवर्ट करके और पिछली भाजपा सरकार द्वारा उनके लिए शुरू की गई योजनाओं को बंद करके उन्हें धोखा दिया है। मुस्लिम तुष्टिकरण अपने चरम पर पहुंच गया है। यह सरकार न केवल हिंदू विरोधी है, बल्कि विकास विरोधी भी है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में, सिद्धरामैया एक असफल मुख्यमंत्री हैं, जो हर क्षेत्र में विफल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के तहत, कानून और व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, राज्य प्रायोजित हत्याएं की जा रही हैं, और कर्नाटक आतंकवादियों का स्लीपर सेल बन गया है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद से ईंधन और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि पर, रविकुमार ने इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के लिए जिम्मेदार ठहराया, लेकिन कहा कि इस तरह से एकत्र धन का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली कार्यक्रम से पहले, 7 मई को कोलार में, 8 मई को तुमकुरु और चित्रदुर्ग में, 9 मई को बल्लारी और विजयनगर में और 10 मई को चिक्कबल्लापुर में 'जनआक्रोश यात्रा' आयोजित की जाएगी। विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से सभी विकास कार्य प्रभावित हुए हैं और उनके निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कोई नई निविदा नहीं बुलाई गई है। उन्होंने कहा, जनआक्रोश यात्रा के माध्यम से, हम इस बात पर प्रकाश डाल रहे हैं कि वर्तमान सरकार द्वारा शुरू की गई मूल्य वृद्धि के कारण आम आदमी किस तरह से प्रभावित हुआ है। विरोध रैलियों में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ सरकार के खिलाफ लोगों के गुस्से को दर्शाती है। बेलाड ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार स्वीकृत परियोजनाओं पर काम शुरू करने में अपनी विफलता के लिए केंद्र को दोषी ठहराने की कोशिश कर रही है। नियम यह है कि राज्य सरकार को काम शुरू करना चाहिए, धन का उपयोग दिखाना चाहिए और फिर केंद्र से प्रतिपूर्ति का दावा करना चाहिए। हालांकि, कांग्रेस नेता स्वीकृत परियोजनाओं के लिए धन का कोई उपयोग दिखाए बिना सिर्फ केंद्र को दोषी ठहरा रहे थे।

कर्नाटक 42,000 करोड़ रुपये की बेंगलूरु सुरंग सड़क परियोजना के लिए तैयार: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक सरकार बेंगलूरु में अपनी महत्वाकांक्षी सुरंग सड़क परियोजना पर आगे बढ़ रही है, जिसके लिए जल्द ही निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। शहर के पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण गलियारों में फैली 60 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग सड़क का उद्देश्य सतही स्थान को संरक्षित करते हुए प्रमुख धमनी सड़कों को जोड़कर बेंगलूरु के यातायात को कम करना है। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने इस परियोजना के लिए 42,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं, जिसमें हेब्बाल से सिल्क बोर्ड तक एनएच-7 पर सुरंगों के लिए 17,780 करोड़ रुपये शामिल हैं, जो एक कुख्यात यातायात चोक पॉइंट है। एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर काम चल रहा है, जिसमें सरकार वित्तीय गारंटी के रूप में 19,000 करोड़ रुपये भी प्रदान कर रही है। राज्य ने एनएच-7 को एनएच-14 से जोड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएएचएआई) के साथ सहयोग का प्रस्ताव दिया है, और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से वित्तीय सहायता का अनुरोध किया है।

हालांकि, भूमि अधिग्रहण एक प्रमुख बाधा बनी हुई है। बेंगलूरु विकास और शहरी नियोजन का काम भी देखने वाले शिवकुमार ने कहा हमने सेना से जमीन मांगी है और निजी मालिकों और मेट्रो से भी संपत्ति हासिल करने की प्रक्रिया में हैं। इस बीच, शिवकुमार ने कृष्णा नदी पर अलमट्टी बांध (लाल बहादुर शास्त्री बांध) की ऊंचाई 519 मीटर से बढ़ाकर 524 मीटर करने की कर्नाटक की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कानूनी परामर्श चल रहा है और हमें दो दिनों के भीतर रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। उन्होंने दोहराया कि सरकार पड़ोसी राज्यों की आपत्तियों के बावजूद आगे बढ़ेगी। ऊपरी कृष्णा नदी परियोजना का हिस्सा अलमट्टी बांध लंबे समय से अंतरराज्यीय जल विवादों का स्रोत रहा है। कर्नाटक के पक्ष में कानूनी फैसले के बाद, सीएम सिद्धरामैया ने हाल ही में कर्नाटक को 173 टीएमसी पानी के दूसरे न्यायाधिकरण के आवंटन को लागू करने के लिए गजट अधिसूचना की आवश्यकता पर जोर दिया। यह मुद्दा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री द्वारा बुलाई गई चार तटीय राज्यों की 7 मई की बैठक में उठाया जाएगा। भगवान राम के बारे में राहुल गांधी की कथित टिप्पणी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें इस टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं है और वे इसकी समीक्षा करने के बाद इस पर जवाब देंगे। उन्होंने मांड्या और रामनगर जिलों में चन्नारायपटना और आसपास के क्षेत्रों का दौरा करने की योजना की भी पुष्टि की, जहां स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ लंबित जलापूर्ति परियोजनाओं और किसानों के सहयोग की समीक्षा की जाएगी।

सोनू निगम मामले में सरकार हस्तक्षेप नहीं करेगी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ लोगों के खिलाफ बयान देकर आक्रोश का कारण बने गायक सोनू निगम के खिलाफ पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि सरकार इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सोनू निगम के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जो सरकार की ओर से कोई बयान हो। उन्होंने कहा कि स्थानीय पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करेगी। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि छह-सात लोग और हो सकते हैं, और केंद्र सरकार ने उनके प्रत्यावर्तन की तिथि बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस तदनुसार कार्रवाई करेगी। मेंगलूरु में सुहास शेट्टी की हत्या के विदेशी संबंधों के आरोपों की

जांच की जाएगी। हर कोई अलग-अलग तरह का बयान दे रहा है। जांच पूरी होने के बाद जानकारी उपलब्ध होगी। सुपारी किसने दी? उन्होंने कितना दिया? इसकी जांच की जाएगी। ऐसे मामलों पर अटकलें लगाना असंभव है। भाजपा विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के पीछे कई कारण हैं। इसमें नफरत की राजनीति ठीक नहीं है। मुझे नहीं मालूम कि उन्होंने क्या बयान दिया। पुलिस ने विधायक के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले काफी जांच पड़ताल की है। उन्होंने कहा कि उनके बयान में कानून के तत्व शामिल हो सकते हैं। सुहास शेट्टी के खिलाफ राउडीशीटर से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यदि ऐसा है तो उसे 'राउडी शीटर' कहा जाएगा। परमेश्वर ने पूछा कि भाजपा इस पर आपत्ति क्यों कर रही है? परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सुहास शेट्टी की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर मिल रही धमकी भरी पोस्टों के संबंध में उन्होंने एडीजीपी को कार्रवाई करने के निर्देश पहले ही दे दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को हुब्बल्ली में खेल परिसर का निर्माण पांच महीने में पूरा करने का दिया निर्देश

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने अधिकारियों को हुब्बल्ली में 180 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अंतरराष्ट्रीय मानक के खेल परिसर के निर्माण से संबंधित सभी कार्य पांच महीने में पूरा करने का निर्देश दिया है।

जोशी ने सोमवार को हुब्बल्ली के लोहिया नगर में खेल परिसर के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ महापौर रमन्ना बदीगर, उप महापौर दुर्गम्मा बिजावद, विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड और नगर आयुक्त रुद्रेश घाली भी मौजूद थे।

प्रहलाद जोशी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी योजना के अधिकारियों ने हालांकि अगले दो महीने में काम पूरा करने का वादा किया था,

लेकिन उन्होंने अधिकारियों को पांच महीने का समय देने को कहा था, लेकिन उस अवधि के भीतर सभी काम पूरे करने को कहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानक का खेल परिसर झारखंड के खेल गांव से प्रेरित है। हालांकि, खेल परिसर का रखरखाव एक बड़ी चुनौती है। मैंने और विधायक अरविंद बेलाड ने खेल परिसर के रखरखाव के मुद्दे पर विभिन्न कंपनियों से बात की है।

हम ऐसी कंपनी चुनने की योजना बना रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में विशेषज्ञता रखती हो। जल्द ही एक कंपनी तय की जाएगी। जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग लेने वाले क्षेत्र के खिलाड़ियों को ये सुविधाएं मुफ्त में दी जाएंगी। वे अन्य खिलाड़ियों के लिए भी मामूली शुल्क पर सुविधाएं प्रदान करने पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे दोनों शहरों में 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से शुरू किए गए स्मार्ट सिटी कार्य के कार्यान्वयन से निराश हैं। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही प्रगति समीक्षा बैठक बुलाएंगे। उन्होंने कहा मैंने स्मार्ट सिटी योजना के तहत टोलनाकेरे, महात्मा गांधी पार्क, ग्रीन मोबिलिटी कॉरिडोर और सड़कों सहित विभिन्न परियोजनाओं पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। कर्नाटक सरकार के अधिकारियों की उदासीनता, जिनके पास कार्य को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी है, इस दयनीय स्थिति का कारण है।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी योजना के तहत काम को लागू करने की अंतिम तिथि 31 मार्च है, लेकिन कई परियोजनाओं को पूरा करने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि वे कर्नाटक सरकार से इस उद्देश्य के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को जारी रखने का अनुरोध करेंगे।

बेलगावी हवाई अड्डे पर स्थानीय चरवाहों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगाई जाएगी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कडोली गांव की चरवाहा महिलाओं द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प जल्द ही सांबरा स्थित बेलगावी हवाई अड्डे पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। यह निर्णय वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम द्वारा कडोली गांव में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा संचालित शिल्प केंद्र का दौरा करने के बाद लिया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल शिंदे ने कहा कि उत्पादों में कडोली महिलाओं द्वारा बनाए गए पारंपरिक उत्पाद जैसे हैंडबैग, शॉल और टोपी, और कोस्टर, माउस पैड और टेबल टॉप स्टेशनरी जैसे अभिनव उत्पाद शामिल हैं। उन्होंने कहा एयरपोर्ट स्टॉल से हर महीने 2 लाख रुपये तक की कमाई हो रही है। अगर स्थानीय हस्तशिल्पी उस राशि में 10 प्रतिशत हिस्सा भी कमा लेते हैं, तो यह एक अच्छी शुरुआत होगी। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत स्थानीय स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर उनकी

महिला सदस्यों को कला, विपणन और वित्त प्रबंधन का प्रशिक्षण देगी। उन्होंने कहा हम जिले के सभी स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों को संजीवनी - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन - कर्नाटक के तहत अपनी उपज बेचने के लिए एक ऑनलाइन मंच प्रदान करने का भी प्रयास करेंगे। शिंदे उन वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल थे जिन्होंने कडोली शिल्प केंद्र का दौरा किया, उनके साथ उपायुक्त मोहम्मद रोशन और पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर एस. गुलेड भी थे। उन्होंने महिलाओं, उनके प्रशिक्षकों और मुख्य संरक्षक जी. एन. गोपीकृष्ण से बातचीत की। उन्होंने भेड़ के ऊन, फेल्ट और वनस्पति से बने चमड़े से बने विभिन्न उत्पादों को देखा। अधिकारियों ने कडाकोल गांव के एक युवक शिवराज पुजेरी के कौशल की सराहना की, जिसने तलवों के साथ और बिना तलवों के फेल्ट जूते बनाने की कला में महारत हासिल की है। उन्होंने उनसे पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग आकार के जूते बनाने का आग्रह किया। रोशन ने महिलाओं से अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और अपने बाजार का विस्तार करने को कहा। उन्होंने उनके प्रयास में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। डॉ. गुलेड ने महिलाओं से अपने उत्पादों में उत्कृष्टता लाने और उनकी समग्र गुणवत्ता और दीर्घायु में सुधार करने के लिए अतिरिक्त कौशल हासिल करने का आग्रह किया। स्थानीय समुदाय के नेता नीलकंठ मामा ने अधिकारियों से समुदाय की सुरक्षा के लिए सामुदायिक चरागाह भूमि को संरक्षित करने और भेड़ों का टीकाकरण करने जैसे दीर्घकालिक कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से स्थानीय युवाओं को पैरा-पशु चिकित्सक के रूप में प्रशिक्षित करने का आग्रह किया, ताकि वे पशु महामारी की पहचान करने, प्रभावित झुंडों को अलग करने, उनके उपचार में पशु चिकित्सकों की सहायता करने और बाकी को टीका लगाने में मदद कर सकें।

बेलगावी स्थित एनजीओ महेश फाउंडेशन के सह-संस्थापक महेश जाधव ने एयरपोर्ट स्टॉल स्थापित करने में जिला परिषद के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट स्टॉल में स्थानीय ऊन और फेल्ट उत्पादों को पेश करना एक अच्छा विचार है क्योंकि इससे महिला कारीगरों को सशक्त बनाया जा सकेगा। फाउंडेशन की महिला स्वयंसेवक हमेशा एयरपोर्ट में प्रदर्शित किए जाने वाले विभिन्न हस्तशिल्प और अन्य स्थानीय उत्पादों की तलाश में रहती हैं। हमारे एनजीओ द्वारा प्रवर्तित एसएचजी अब कनाबर्गी में फाउंडेशन मुख्यालय में एक शिल्प आउटलेट चला रहे हैं। वे बेलगावी जिला परिषद परिसर में अक्का कैफे भी चला रहे हैं।

सुहास शेट्टी हत्याकांड

विहिप, बजरंग दल के चिक्कमगलूरु बंद में आंशिक बंद रहा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने सोमवार सुबह दस से अधिक हिंदुत्व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जब उन्होंने चिक्कमगलूरु के हनुमंथप्पा सर्किल पर विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया। यह विरोध प्रदर्शन मेंगलूरु में सुहास शेट्टी की हत्या के बाद विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल द्वारा दिए गए बंद का हिस्सा था।

चिक्कमगलूरु शहर में आंशिक बंद देखा गया, जिसमें कई दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहने का विकल्प चुना। एमजी रोड, मार्केट रोड और आईजी रोड सहित प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र सुबह 10 बजे के बाद भी बंद रहे, हालांकि आवासीय क्षेत्रों में छोटी दुकानें खुली रहीं। जिले के अन्य हिस्सों में भी बंद में भागीदारी देखी गई, जिसमें मुदिगेरे, कोट्टीगेहरा, कोप्पा, श्रृंगेरी, कलसा और एनआर पुरा में दुकानें बंद होने की खबरें आईं। हालांकि, आवश्यक सेवाएं

निर्बाध रूप से जारी रहीं- बसें और ऑटो-रिक्शा हमेशा की तरह चलती रहीं और सरकारी कार्यालय और कॉलेज खुले रहे। कदुर, अज्जमपुरा और तारिकेरे तालुकों में बंद को बहुत कम या कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जिला प्रशासन ने जबरन बंद के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चिक्कमगलूरु की डिप्टी कमिश्नर मीना नागराज ने मीडिया को बताया कि कुछ संगठनों ने सोशल मीडिया पर बंद की घोषणा की थी, लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस ने कोई आधिकारिक अनुमति नहीं दी थी। यह विरोध सुहास शेट्टी की हत्या के बाद शुरू हुआ था, जिसकी 1 मई को मेंगलूरु में बाजपे बस स्टैंड के पास हत्या कर दी गई थी। सुहास 2022 में सूरथकल में 23 वर्षीय मोहम्मद फाजिल की हत्या का मुख्य आरोपी था। एचपीसीएल बुलेट टैंकर में अस्थायी क्लीनर फाजिल की 28 जुलाई, 2022 को हत्या कर दी गई थी, जो उस साल 26 जुलाई को भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू की हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था। उस समय, मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने कहा था कि सुहास और पांच अन्य ने तीन दिनों में फाजिल की हत्या की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य नेट्टारू की मौत का बदला लेने के लिए किसी की हत्या करना था।

शुभ लाभ DAILY — खबरें जो सोच बदल दे

कर्नाटक में एससी का आंतरिक आरक्षण सर्वेक्षण शुरू

सीएम सिद्धरामैया ने जानकारी साझा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए राज्यव्यापी आंतरिक आरक्षण सर्वेक्षण शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य मौजूदा आरक्षण संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए व्यापक और वैज्ञानिक डेटा एकत्र करना है।

तीन चरणों वाला सर्वेक्षण सोमवार से शुरू हुआ और अपने पहले चरण में 17 मई तक जारी रहेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि यह सामान्य जाति जनगणना नहीं है, बल्कि विशेष रूप से एससी समुदायों के लिए एक केंद्रित पहल है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण 1 अगस्त, 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप और सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया जा रहा है।

सिद्धरामैया ने कहा पहले चरण में शिक्षक 5 मई से 17 मई तक हर घर में जाकर डेटा एकत्र करेंगे। दूसरे चरण में 19 मई से 21 मई तक विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहां पहले चरण में छूटे लोग जानकारी दे सकते हैं। तीसरे चरण में 19 मई से 22 मई तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्व-घोषणा की अनुमति होगी। सरकार ने पूरी कवायद के लिए अनुमानित 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 65,000 शिक्षकों को नियुक्त किया गया है, जिसमें 10 से 12 शिक्षकों के प्रत्येक समूह की देखरेख एक पर्यवेक्षक करेगा। कुल 57,000 शिक्षकों को विशेष रूप से शिक्षा विभाग से चुना गया है। सर्वेक्षणकर्ता डेटा रिकॉर्ड करने के लिए विशेष रूप से विकसित मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे। वे मतदाता पहचान पत्र में सूचीबद्ध पते के आधार पर घरों का दौरा करेंगे और अनुसूचित जाति के घरों के प्रत्येक सदस्य का विवरण रिकॉर्ड करेंगे। अनिवार्य क्षेत्रों में जाति और उप-जाति की जानकारी शामिल है। सीएम ने कहा हमने सभी गणनाकर्ताओं को पहचान पत्र जारी किए हैं। वैज्ञानिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग करके सर्वेक्षण किया जाएगा।

सिद्धरामैया ने यह भी कहा कि 2011 की जनगणना का उपयोग पहले के सदाशिव आयोग द्वारा एससी समुदायों की आबादी निर्धारित करने के लिए किया गया था। हालांकि, आदि द्रविड़, आदि कर्नाटक और आदि आंध्र जैसे विभिन्न एससी उपसमूहों के लिए आंतरिक आरक्षण की सीमा निर्धारित करने के लिए अब सटीक, अद्यतन और वैज्ञानिक डेटा की आवश्यकता है। संविधान के अनुच्छेद 341 में कर्नाटक में एससी श्रेणी के तहत 101 जातियों को सूचीबद्ध किया गया है। सर्वेक्षण का उद्देश्य इन समूहों के बीच आंतरिक आरक्षण लाभों के वैज्ञानिक वर्गीकरण और न्यायसंगत वितरण में मदद करना है।

सीएम ने अनुसूचित जातियों के सर्वेक्षण में सहयोग की अपील की

इसी बीच मुख्यमंत्री ने समुदायों से जानकारी प्रदान करके सहयोग करने की अपील की है। अनुसूचित जातियों के समग्र सर्वेक्षण-2025 पर विधानसभा के सभाकक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार कांग्रेस पार्टी के चुनाव घो-षणापत्र में की गई घोषणा के अनुसार आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज से हमने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत अनुसूचित जाति सूची में 101 जातियों को मान्यता दी गई है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष 1 अगस्त को अपने फैसले में कहा था कि राज्य सरकारों के पास इन जातियों के बीच आरक्षण को वैज्ञानिक तरीके से वर्गीकृत करने का अधिकार है। इस संदर्भ में हमारी सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। आयोग ने पहले ही एक अंतरिम रिपोर्ट जारी कर दी है और कहा है कि पर्याप्त डेटा संग्रह की आवश्यकता है। कई सामुदायिक संगठनों ने भी यही राय व्यक्त की है। इससे पहले सदाशिव आयोग ने 2011 की जनगणना के आधार पर अनुसूचित जाति समुदायों की जनसंख्या की पहचान की थी। यह स्पष्ट नहीं है कि आदि द्रविड़, आदि कर्नाटक और आदि आंध्र समुदायों में कौन और कितने लोग हैं।

वामहस्त और दक्षिणहस्त समुदाय सामान्यतः आदि कर्नाटक, आदि द्रविड़ और आदि आंध्र श्रेणियों का उपयोग करते हैं। भ्रम को दूर करने के लिए, मूल जाति का सही पता लगाने के लिए आज से 17 मई तक घर-घर सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि अनुसूचित जातियों की सभी उपजातियों को एक साथ सर्वेक्षण में भाग लेना चाहिए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने मुख्यमंत्री को आंतरिक आरक्षण लागू करने की प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी। दशकों पुरानी मांग पूरी होने का समय अब निकट आ गया है। इस तरह के सर्वेक्षण आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पहले ही आयोजित किये जा चुके हैं और विधानसभा में प्रस्तुत किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा, हम विधान सौधा में नागमोहन दास रिपोर्ट भी पेश करेंगे।

पहलगाम आतंकी हमला

देश के लोगों को प्रधानमंत्री के फैसले का पालन करना चाहिए: देवेगौड़ा

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य एच.डी. देवेगौड़ा ने कहा है कि हमारे देश के 150 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री के निर्णयों का एकतरफा पालन करना चाहिए। हेलीकॉप्टर से हासन तालुक के द्यपालपुर गांव पहुंचने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम एकजुट होंगे तभी पहलगाम जैसी त्रासदी नहीं घटेगी।

प्रधानमंत्री ने कश्मीर मुद्दे पर बहुत कठोर कार्रवाई की है। देश के सभी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर एकता दिखाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री तब तक हर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं जब तक कि 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या करने वाले आतंकवादियों का पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता। मैंने अपने अनुभव के आधार पर इस मामले पर अपनी राय व्यक्त की है। यह एक नाजुक मामला है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि इस मामले में जो भी कार्रवाई होगी, मैं, मेरी पार्टी और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी का पूरा समर्थन है। भविष्य में जो भी कार्रवाई की जाए, पूरे देश को, चाहे वह किसी भी पार्टी से संबद्ध हो, उसका समर्थन करना चाहिए। ऐसा अपराध दोबारा नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उन्हें सबक सिखाने की कसम खाई है। हम उनके पीछे खड़े हैं। इससे पहले कांग्रेस नेताओं ने अपनी सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि कुछ असहमतियों के बाद उन्होंने एक बार फिर इस मुद्दे पर एकता जताई है। गौड़ा हेलीकॉप्टर से हासन तालुक के दयपालपुर गांव पहुंचे। श्री अंजनेयस्वामी मंदिर के उद्घाटन समारोह और महाकुंभभिषेक में भाग लिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना समेत अन्य उप-स्थित थे।

तटीय क्षेत्र में ऐसी स्थिति विकसित हो रही है, जहां जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि तटीय क्षेत्र में ऐसी स्थिति विकसित हो रही है, जहां जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं हैं। अगर पुलिस की कार्रवाई और सरकार का रवैया इसी तरह जारी रहा तो भाजपा सरकार का जनहित संघर्ष और भी तेज हो जाएगा। बेलटांगडी के विधायक हरीश पूंजा द्वारा टेक्कारू गोप-ालकृष्ण मंदिर और ब्रह्म कलश-ोत्सव के बारे में दिए गए भावनात्मक भाषण को लेकर दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विजयेंद्र ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स पर सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार किसकी तरफ है। देश के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले हिन्दू चिंता और संकट का सामना कर रहे हैं। मेंगलूरु के हमारे हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी के मामले ने दक्षिण कन्नड़ जिले के लोगों को झकझोर दिया है, और राज्य के लोग सांप्रदायिक ताकतों के उत्पीड़न से चिंतित हैं। इस बीच, एक अन्य हिंदू कार्यकर्ता भरत कुमेलु पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी जान को खतरा बताने का आरोप लगाया गया है। केवल कांग्रेस सरकार ही अपनी नैतिक जिम्मेदारी पूरी किए बिना काम कर रही है। विजयेंद्र ने सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा है कि कानून-व्यवस्था को नियंत्रण में लाने के लिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही है और अदृश्य प्रभावशाली हाथ गृह विभाग को पूरी तरह निष्क्रिय बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जैसा कि सुहास की हत्या और उसके बाद मिली धमकियों के मामलों से स्पष्ट है।

बेंगलूरु पुलिस ने गायक सोनू निगम को पूछताछ के लिए बुलाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकप्रिय गायक सोनू निगम के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद, अवलाहल्ली पुलिस ने सोमवार को उन्हें पूछताछ के लिए उनके सामने पेश होने का नोटिस जारी किया। सोनू निगम पर 25 अप्रैल को बेंगलूरु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में एक संगीत समारोह के दौरान आपत्तिजनक बयान देने के लिए मामला दर्ज किया गया था, जब दर्शकों के एक समूह ने उनसे कन्नड़ गाने गाने की मांग की थी। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक सी.के. बाबा ने कहा सोनू निगम ने मांग की तुलना हाल ही में पहलगाम हमले से की, जिसका कोई संबंध नहीं था, जिससे कर्नाटक के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची। कन्नड़ कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर अवलाहल्ली पुलिस ने सोनू निगम पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 351 और 352 के तहत आरोप लगाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक पुलिस इंस्पेक्टर को मामले की जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। कॉलेज प्रबंधन को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। बाबा ने कहा कि घटना की सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर ली गई है और जांच के तहत उसका सत्यापन किया जा रहा है। भविष्य में विवादों से बचने के लिए पुलिस ऐसे आयोजनों के लिए क्या करें और क्या न करें की सूची देने पर भी विचार कर रही है।

सुहास शेट्टी की हत्या के लिए विदेशी फंडिंग?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के लिए विदेश से पैसा आने का संदेह है और पुलिस ने इस संबंध में जांच तेज कर दी है। मेंगलूरु के बाजपे पुलिस स्टेशन ने पहले ही काफी जानकारी एकत्र कर ली है और अब गिरफ्तार किए गए 8 आरोपियों के विभिन्न बैंक खातों की जांच कर रही है।

सुहास शेट्टी की हत्या के पीछे वित्तीय मदद होने का संदेह जताया गया है, साथ ही कई अज्ञात हाथों के शामिल होने का भी संदेह है। मारे गए फाजिल के भाई आदिल ने रुपये का भुगतान किया।

आरोपी को 5 लाख रुपये दिया गया। संदेह है कि आरोपियों को सुपारी के बदले में दिए गए धन के अलावा विभिन्न स्रोतों से धन प्राप्त हुआ था।

पुलिस जांच से पता चला है कि सब कुछ पहले से तय था, जिसमें यह भी शामिल था कि सुहास शेट्टी की हत्या के बाद आरोपी कैसे भागेंगे और पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें कैसे जमानत मिलेगी। पुलिस को पता चला है कि आरोपी ने तीन महीने पहले हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या का स्केच बनाया था और आदिल ने पिछले साल जनवरी में एसपीएएन टीम को तीन लाख रुपये दिए थे। इस प्रकार, इस बारे में विवरण उपलब्ध हो गया है कि कैसे हत्यारों ने उस पैसे से एक पिकअप वाहन और एक शिफ्ट कार किराए पर ली और उन वाहनों का उपयोग करके सुहास शेट्टी की हत्या की साजिश रची। हत्यारों ने सुहास शेट्टी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चिक्कमगलूरु के दो हिंदू युवकों को काम पर रखा था और उनसे जानकारी हासिल की थी कि सुहास शेट्टी घर से कब निकलेगा और कहां जाएगा। पुलिस को जानकारी मिली है कि ये दोनों युवक सुहास शेट्टी पर नजर रख रहे थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हत्या के दौरान वह किसी भी कारण से भाग न जाए।

सुहास शेट्टी को भागने से रोकने के लिए हत्यारों ने उनकी कार को बीच सड़क पर टक्कर मार दी, तलवारों से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी और भाग गए। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों ने आदिल द्वारा दिए गए पैसों से एक पार्टी भी आयोजित की थी।

इस मामले में मेंगलूरु पुलिस पहले ही 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है और विशेष टीमें फरार मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ कथित सांप्रदायिक घृणास्पद भाषण के लिए मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भतरबैलू के टेककारू में श्री गोपालकृष्ण मंदिर में भ्रामकलाशोत्सव कार्यक्रम में आयोजित एक धार्मिक सभा के दौरान गांव के मुसलमानों के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक और सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ भाषण देने के आरोप में बेल्टांगडी विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

स्थानीय मुस्लिम नेता एस एम एस इब्राहिम मुसलियार ने उप्पिनंगडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इसके बाद, पुलिस ने विधायक के भाषण के वीडियो फुटेज की जांच की और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया।

नाबालिग बलात्कार-हत्या मामला : आरोपी का 20 दिन बाद अंतिम संस्कार किया गया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए बिहार के प्रवासी मजदूर रितेश कुमार का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

उसने 5 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की थी और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस मुठभेड़ में वह मारा गया था। घटना के 20 दिन बाद सीआईडी और राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया।

13 अप्रैल को रितेश कुमार ने पांच साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की और बाद में एक निर्माणाधीन इमारत के शौचालय में उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद लोगों में काफी गुस्सा था और व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। दबाव में आकर अशोकनगर पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी और शाम तक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के बारे में और जानकारी जुटाने के दौरान पुलिस उसे उस शेड में ले गई, जहां वह छिपा हुआ था। इस दौरान आर-ोपी ने पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश की। दो बार गोली चलाने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद वह भागने की कोशिश करता रहा।

पुलिस को मजबूरन गोली चलानी पड़ी, जिससे आरोपी की मौत हो गई। इस बीच, हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई जिसमें अनुरोध किया गया कि आरोपी के शव का अंतिम संस्कार न किया जाए, क्योंकि इससे सबूत नष्ट हो सकते हैं। नतीजतन, मुठभेड़ में मारे गए रितेश के शव को केएमसी आरआई शवगृह के कोल्ड स्टोरेज में रखा गया।

जब शव सड़ने लगा, तो सीआईडी पुलिस ने केएमसी आरआई को पत्र लिखकर शव को कब्जे में लेने का अनुरोध किया, जिसमें कहा गया कि शव सड़ रहा है।

उन्होंने अदालत को बताया कि शव की खराब होती हालत के कारण उसे दफनाने की जरूरत है। जांच कर रही अदालत ने हाल ही में अंतिम संस्कार की अनुमति दी। उसने आदेश दिया कि शव को दफनाया जाए।

शवगृह में रखे शव को सीआईडी एएसपी वेंकटेश की मौजूदगी में शहर के बाहरी इलाके में स्थित बिदनाला कब्रिस्तान ले जाया गया, जहां इस प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। नगर निगम के कर्मचारियों ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार किया, जिसमें सीआईडी एसी वेंकटेश, सिटी तहसीलदार कलनगौड़ा और एसीपी शिवप्रकाश नायक मौजूद थे। आरोपी के परिवार का पता लगाने के लिए पुलिस द्वारा व्यापक प्रयासों के बावजूद, उन्हें कथित तौर पर कोई परिणाम नहीं मिला है।

रिपोर्ट बताती है कि बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में तलाशी ली गई है, लेकिन परिवार के सदस्यों का पता नहीं चल पाया है।

नतीजतन, यह बताया गया है कि पुलिस ने खुद ही अंतिम संस्कार किया।

राज्य सरकार निष्क्रिय रही तो केंद्र, एनआईए हस्तक्षेप करेंगे: सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय जल संसाधन और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि अगर राज्य सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में निष्क्रिय है तो एनआईए और केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। अगर आप खुद ऐसा नहीं कर सकते तो केंद्र को पत्र लिखें। फिर दस मिनट में सब कुछ नियंत्रण में आ जाएगा। रविवार को तालुक के कुंदूर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग कार्य का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को यह भूल जाना चाहिए कि वह बेताज बादशाह हैं और पुलिस को स्वतंत्र रूप से काम करने देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस को असामाजिक तत्वों, बदमाशों और उन्हें जान से मारने की धमकी देने वालों को गिरफ्तार करने की पूरी छूट दी जानी चाहिए, जबकि उन्हें यह कहकर संरक्षण दिया जाना चाहिए कि वे उन्हें गिरफ्तार करेंगे। सोमन्ना ने कहा हमें देश के लिए खतरनाक लोगों के प्रति नरम नहीं होना चाहिए। हमें किसी और के घर में आग लगने पर खुश होना बंद कर देना चाहिए। बाद में, वह आग आपके घर तक भी फैल जाएगी। हमें इसे ध्यान में रखना चाहिए और काम करना चाहिए।

पानी बंद होने के बाद अब पैदल कर चेनाब पार

जम्मू, 05 मई (ब्यूरो)।
भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित करने के बाद अब पाकिस्तान को बूंद बूंद पानी के लिए तरसाना शुरू कर दिया है।

चेनाब नदी के सलाल प्रोजेक्ट द्वारा नदी का पानी रोक दिए जाने के कारण अखनूर चेनाब नदी का जलस्तर काफी कम हो गया है। यह इतिहास में अब तक मापी गई सबसे कम जल मात्रा है। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुछ स्थानों पर स्थानीय लोग पैदल ही चेनाब दरिया पार कर रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में पानी की आवाजाही रुक गई है।

सिंधु जल संधि स्थगित करने के क्रम में भारत ने चेनाब दरिया के सभी बांधों से पानी को रोक कर पानी को पाकिस्तान में बहने से रोक दिया है। भारत सरकार ने सिंधु जल संधि तोड़ने के करीब 10 दिनों के भीतर यह कदम उठाया है।

इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत को चेनाब नदी से मिलने वाले पानी में भारी कटौती हो सकती है। दशकों पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित करने के बाद भारत ने चेनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के गेट भी बंद कर दिए हैं। चेनाब का पानी रोकने का सीधा असर पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत पर देखा जा रहा है, जहां नदी के जलस्तर में भारी गिरावट आई है।

चेनाब पर बगलिहार बांध को रन आफ द रिवर हाईड्रो पावर प्लांट के तहत बनाया गया था। यानी इस बांध से पानी के बहाव को अभी तक रोका नहीं जा रहा था। पानी के बहाव को बाधित किए बिना बिजली पैदा की जा रही थी। संधि जल संधि के तहत जिन छह नदियों का जिक्र है उसमें चेनाब भी शामिल है। यह पश्चिमी नदी है और संधि के मुताबिक इस नदी के पानी का इस्तेमाल भारत पन बिजली उत्पादन के लिए कर सकता है।

इस वाटर अटैक के बाद भारत ने इसी सिंधु जल संधि को लेकर और बड़ा कदम उठाया है। उसने सिंधु जल संधि की नदी पर बन रहे किशनगंगा-रतले जल विद्युत परियोजना से जुड़े विवाद पर वर्ल्ड बैंक में चल रही सुनवाई को भी स्थगित करने को कहा है। इसको लेकर भारत जल्द ही इसको लेकर एक अनुरोध पत्र तटस्थ विशेषज्ञ को भेजने वाला है। इसकी एक प्रति वर्ल्ड बैंक को भी दी जाएगी।

भारत ने कहा है कि उसने खुद को सिंधु जल संधि से अलग कर लिया है। ऐसे में अब विवाद से जुड़ी तटस्थ विशेषज्ञ की विवाद समाधान प्रक्रिया को भी अब रोक दिया जाए। इस पर सुनवाई का कोई अर्थ नहीं रह गया है।

नए आपराधिक कानूनों से

ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी: शाह

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी।

श्री शाह ने सोमवार को यहां दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्-सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ राष्ट्रीय राजधानी में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के निदेशक सहित गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी। गृह मंत्री ने नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की ज़िम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 60 और 90 दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया की पूरी तथा निरंतर निगरानी होनी चाहिए और इस समयसीमा का कड़ाई से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जघन्य अपराधों के मामलों में वर्तमान दोषसिद्धि दर को कम से कम 20 प्रतिशत बढ़ाए जाने के प्रयास किए जाएं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ई-समन को सीधे अदालत से ही प्रेषित किया जाना चाहिए और इनकी प्रति स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियोजन निदेशालय में नियुक्ति की प्रक्रिया में तेज़ी लानी चाहिए और किसी भी मामले में अपील के बारे में निर्णय अभियोजन निदेशालय द्वारा ही लिया जाए।

पुंछ में आईईडी बरामदगी से हमलों की आशंका थमी

11वीं रात भी पाकिस्तानी सेना बरसाती रही गोलियां

जम्मू, 05 मई (ब्यूरो)।
सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पहलगाम के बाद पुंछ में आतंकवादी बड़े हमले की फिराक में थे। समय रहते जवानों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। सुरक्षाबलों ने सोमवार को पुंछ से 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े जब्त किए है।

इसके बाद इलाके में भारतीय सेना का आपरेशन जारी है। दूसरी ओर पाक सेना द्वारा लगातार 11वीं रात एलओसी के लगभग सभी सेक्टरों में की जा रही गोलीबारी का भारतीयपक्ष द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने का पर्दाफाश करते हुए 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े बरामद किए हैं। जवानों को यह सफलता पुंछ के सूरनकोट में मारहोट गांव में मिली है। सुरक्षा बलों का कहना है कि यह आतंकियों के छिपने की जगह है।

इस्तेमाल के लिये तैयार पांचों आईईडी (जिनका वजन आधा किलोग्राम से पांच किलोग्राम के बीच था) को मौके पर ही

नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। इससे सीमावर्ती जिले में विस्फोट करने की आतंकवादियों की साजिश विफल हो गई।

रविवार देर शाम सुरनकोट के मरहोटे इलाके के सुरंथल में सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। दो आईईडी स्टील की बाल्टियों में रखे हुए पाए गए, जबकि तीन अन्य को टिफिन बॉक्स में पैक किया गया था। इसके अलावा, ठिकाने से दो वायरलेस सेट, यूरिया के पांच पैकेट, पांच लीटर का एक गैस सिलेंडर, एक दूरबीन, तीन ऊनी टोपियां, तीन कंबल और कुछ पतलून और बर्तन बरामद किए गए हैं।

इस बीच पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर में एलओसी के पास आठ अग्रिम सेक्टरों में बिना उकसावे के गोलीबारी की और संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव के बीच नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी की यह लगातार 11वीं रात है। 4 और 5 मई की रात को, पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू कश्मीर में कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के विपरीत इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना ने तुरंत और आनुपातिक रूप से जवाब दिया। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल पर्वतमाला के दक्षिण में पांच सीमावर्ती जिलों जम्मू, राजौरी और पुंछ तथा कश्मीर घाटी में बारामुला और कुपवाड़ा जिलों में रात भर गोलीबारी की।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामुला जिलों में नियंत्रण रेखा के पास कई चौकियों पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू करने के बाद, पाकिस्तान ने तेजी से पुंछ सेक्टर और उसके बाद जम्मू क्षेत्र के अखनूर सेक्टर में संघर्ष विराम संधि का उल्लंघन किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित रखे गए निर्णयों पर सभी उच्च न्यायालयों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने वर्षों तक निर्णय सुरक्षित रखने के बाद भी फैसला न सुनाए जाने पर सोमवार को आपत्ति जतायी और सभी उच्च न्यायालयों से एक महीने के भीतर उन मामलों से संबंधित रिपोर्ट मांगी, जिनमें 31 जनवरी, 2025 को या उससे पहले निर्णय सुरक्षित रखे गए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा कि यह अदालत उच्च न्यायालयों के लिए कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करेगी।

पीठ ने उच्च न्यायालय द्वारा इस तरह से निर्णय न सुनाए जाने को ' बहुत परेशान करने वाला मुद्दा' बताया।

पीठ ने कहा देखते हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत परेशान करने वाला मुद्दा है, लेकिन हमें परिस्थितियों का पता नहीं है - ऐसा क्यों हुआ - लेकिन हम निश्चित रूप से कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करना चाहेंगे। इसे इस तरह से होने नहीं दिया जा सकता।

झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की याचिका पर एक रिपोर्ट दायर की गई थी, जिसमें शिकायत की थी कि उच्च न्यायालय ने 2022 में अपना आदेश सुरक्षित रखने के बावजूद उनकी आपराधिक अपीलों पर अपना फैसला नहीं सुनाया है।

पीठ ने कहा झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट को देखने के बाद, हमें ऐसा लगता है कि हमें सभी उच्च न्यायालयों से ऐसी रिपोर्ट मिलनी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने सभी उच्च न्यायालयों से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगते हुए कहा कि सूचना में आपराधिक अपीलों और दीवानी मामलों का अलग-अलग विवरण होना चाहिए, साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह खंडपीठ का मामला है या एकल न्यायाधीश का।

पीठ ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष कुल 67 मामले लंबित हैं, जिनमें आदेश सुरक्षित रखा गया है, लेकिन आज तक निर्णय नहीं सुनाया गया है।

शीर्ष अदालत ने पाया कि कुछ आपराधिक अपीलों सहित 56 मामले हैं, जिनमें उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 4 जनवरी, 2022 से लेकर 16 दिसंबर 2024 तक तक अलग-अलग तारीखों पर मामलों की सुनवाई की है लेकिन इन मामलों में अंतिम फैसले का इंतजार है।

पीठ ने अपने आदेश में दर्ज किया एक अन्य न्यायाधीश के समक्ष 11 एकल न्यायाधीश मामले भी हैं, जहां 25 जुलाई, 2024 से 27 सितंबर, 2024 तक अलग-अलग तारीखों पर आदेश सुरक्षित रखे गए हैं।

पीठ ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को उन 75 आपराधिक अपीलों की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनमें उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाए गए हैं।

चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की ओर से पेश अधिवक्ता फौजिया शकील ने बताया कि इसी तरह के 10 दोषी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं और उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय नहीं सुनाया गया है।

पीठ ने चार दोषियों की याचिकाओं को 12 मई के लिए सूचीबद्ध करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर आपराधिक अपीलों के भविष्य के बारे में विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वे रांची जेल में बंद 10 कैदियों को कानूनी उपाय प्रदान करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि याचिकाकर्ताओं जैसे दोषियों को भी उपायहीन न छोड़ा जाए। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई में करेगी।

वैदिक ज्ञान आधुनिक पारिस्थितिक चुनौतियों के समाधान की कुंजी: धनखड़

सिरसी, 05 मई (एजेंसियां)।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता और वैदिक संस्कृति ने लंबे समय से टिकाऊ जीवन शैली का समर्थन किया है। यह ज्ञान आधुनिक पारिस्थितिक चुनौतियों का समाधान करने की कुंजी है।

राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका पर एक विशेष कार्यक्रम के दौरान वानिकी महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह भूमि आध्यात्मिकता और स्थिरता का संगम है। स्थिरता केवल अर्थव्यवस्था के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है - यह स्वस्थ जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमारी वैदिक संस्कृति ने हजारों वर्षों से स्थिरता का उपदेश दिया है।

प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खिलाफ चेतावनी देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा स्थायी विकास का कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने उपभोग-संचालित प्रथाओं से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

गहन पारिस्थितिक चेतना का आह्वान करते हुए श्री धनखड़ ने घोषणा की हम धरती माता के उपभोक्ता नहीं, बल्कि ट्रस्टी हैं। हम इसे भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए बाध्य हैं।

जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर जोर देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह संकट खतरनाक रूप से चट्टान की तरह लटक रहा है और मानवता के पास धरती माता के अलावा रहने के लिए कोई दूसरा ग्रह नहीं है।

वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संतुलन के लिए अपरिहार्य हैं।

उन्होंने कहा यदि किसी देश के वन अच्छी स्थिति में हैं, तो उसके लोग अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे।

उन्होंने कहा कि कृषि देश की जीवन रेखा है, लेकिन वन जलवायु को नियंत्रित करते हैं, आपदाओं को रोकते हैं और गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की आजीविका का समर्थन करते हैं।

पर्यावरण क्षरण के सभी रूपों को प्रभावित करने की चेतावनी देते हुए श्री धनखड़ ने कहा आज हम एक महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना कर रहे हैं: पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करना, और सामने आ रहे गंभीर संकट को दूर करने के तरीके खोजना।

उन्होंने अंतःविषय शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा हमें सीखने के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, पर्यावरण और वन शिक्षा अब अलग-अलग नहीं रह सकती।

छात्रों से जिज्ञासा और नवाचार अपनाने का आग्रह करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा आज आप जिस विषय का अध्ययन कर रहे हैं, उसमें उपचार और उत्पादन की कुंजी छिपी है। आप वास्तव में शोध के लिए एक प्रभावी केंद्र बन सकते हैं, खासकर जब बात वन उपज की हो।

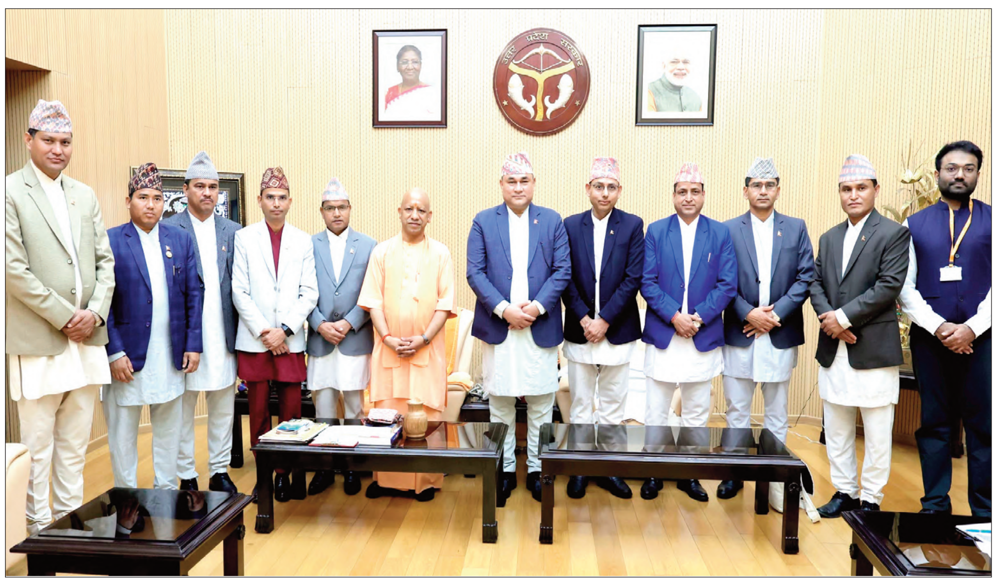

नेपाल के पश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

नागालैंड के शैक्षणिक अनुभव से संवरेगी यूपी की शिक्षा

एससीईआरटी प्रतिनिधिमंडल ने किया नागालैंड का दौरा

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की कोशिशें नए मुकाम की ओर बढ़ रही हैं। राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), लखनऊ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नागालैंड का पाँच दिवसीय शैक्षणिक दौरा (26-30 अप्रैल 2025) किया, जहां उन्होंने वहां के प्रभावी शैक्षणिक मॉडल, सामुदायिक भागीदारी और नवा-चारों को नजदीक से देखा और अनुभव किया। यह दौरा प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट्स) को भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रेरणा साबित हो सकता है।

दौरे का नेतृत्व कर रहे एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डायट्स के प्राचार्य, एससीईआरटी के अधिकारी और मंत्र फॉर चेंज के प्रतिनिधियों ने न केवल शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया, बल्कि गाँवों और स्कूलों में जाकर ग्रासरूट स्तर की वास्तविकताएं समझीं। कुल मिलाकर, यह दौरा कोई जादुई समाधान नहीं, बल्कि एक प्रेरक कदम है, जिससे उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार की मौजूदा यात्रा को नई ऊर्जा और दृष्टि मिल रही है।

महत्वपूर्ण यह है कि यह दौरा उत्तर प्रदेश में जारी शिक्षा सुधार प्रक्रियाओं के लिए एक नया दृष्टिकोण और प्रेरणा लेकर आया है।

एससीईआरटी लखनऊ इन अनुभवों का विश्लेषण कर अब विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, रिसर्च यूनिट सुदृढ़ीकरण, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने वाली पहल और डिजिटल मॉनिटरिंग डैशबोर्ड की योजना बना रहा है। यह सब कुछ जल्द लागू नहीं होगा, बल्कि एक सुनियोजित कार्ययोजना के तहत धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल को नागालैंड की सामुदायिक भागीदारी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन मॉडल, रिसर्च और मूल्यांकन व्यवस्था से जुड़े कई अहम दस्तावेज और अनुभव मिले। खोनोमा हेरिटेज विलेज (भारत का सबसे हरा गांव), जखमा और चीचेमा जैसे स्कूलों में जाकर उन्होंने देखा कि वहां शिक्षा केवल संस्थागत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का साझा प्रयास है। नागालैंड दौरे का नेतृत्व करने वाले एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने कहा, हमें डायट्स में ईमानदारी, पारदर्शिता और समुदाय सहभागिता को मजबूत करना होगा। नागालैंड से मिले अनुभव हमें यह दिखाते हैं कि कैसे छोटे-छोटे नवाचार बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। हम इन अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यूपी में जारी सुधार प्रयासों को और अधिक मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं।

नागालैंड दौरे से यूपी को कई स्तरों पर लाभ होने की उम्मीद है। पहला, रिसर्च-बेस्ड इनोवेशन की दिशा में, जहाँ प्रदेश के डायट्स स्थानीय संदर्भों के अनुसार नव-ाचार विकसित कर सकेंगे। दूसरा, नेतृत्व और शिक्षक प्रशिक्षण में, जिसके लिए विशेष ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाए जाएंगे। तीसरा, सामुदायिक सशक्तिकरण के संदर्भ में, जिससे गांव-स्कूल सहयोग को नीति का हिस्सा बनाया जाएगा और चौथा, फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमैरेसी लक्ष्य की दिशा में, जहाँ शुरुआती कक्षाओं में पढ़ने-लिखने और गणना की क्षमताओं को मजबूत किया जाएगा।

बहुउपयोगी मक्के की खेती को प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार

मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप चंद रोज पहले कृषि विभाग की ओर से लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय खरीफ गोष्ठी में प्रदेश के कृषि मंत्री ने किसानों से जिन फसलों का उत्पादन बढ़ाने की अपील की उसमें मक्का भी था। बाकी दो फसलें हैं अरहर (दलहनी) और सरसों (तिलहन)। सरकार के प्रोत्साहन के नतीजे भी शानदार रहे। मसलन योगी के शासन के आठ वर्षों में दलहन और तिलहन का उत्पादन दोगुना हो चुका है। बहुउपयोगी मक्के की खेती भी किसानों को खूब रास आ रही है। फिलहाल 2021-2022 में मक्के का उत्पादन 14.67 लाख मीट्रिक टन था। तय अवधि में इसे बढ़ाकर 27.30 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। इसके लिए रकबा बढ़ाने के साथ प्रति हेक्टेयर प्रति क्विंटल उत्पादन बढ़ाने पर भी बराबर का जोर है।

बात चाहे पोषक तत्वों की हो या उपयोगिता की। बेहतर उपज की करें या सहफसली खेती या औद्योगिक प्रयोग की। हर मौसम और हर तरह की भूमि में पैदा होने वाले मक्के का जवाब नहीं। बस जिस खेत में मक्का बोना है उसमें जल निकासी का बेहतर प्रबंधन जरूरी है। मालूम हो कि मक्के का प्रयोग इथेनॉल उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयों, पशुओं एवं पोल्ट्री लिए पोषाहार, दवा, पेपर और एल्कोहल इंडस्ट्री में होता है। इसके अलावा भुट्टा, आटा, बेबीकार्न और पापकार्न के रूप में ये खाया जाता है। किसी न किसी रूप में ये हर सूप का अनिवार्य हिस्सा होता है। ये सभी क्षेत्र संभावनाओं वाले हैं। बहुपयोगी होने की वजह से समय के साथ मक्के की मांग भी बढ़ेगी। इस बढ़ी मांग का अधिकतम लाभ प्रदेश के किसानों को हो इसके लिए सरकार मक्के को खेती के प्रति किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। उनको खेती के उन्नत तौर तरीकों की जानकारी दे रही है। किसानों को अपनी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार पहले ही इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में ला चुकी है।

मक्के में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व भी पाए जाते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल मिलते हैं। इन्हीं खूबियों के नाते इसे अनाजों की रानी कहा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो उन्नत खेती के जरिये मक्के की प्रति हेक्टेयर उपज 100 क्विंटल तक भी संभव है। प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले तमिलनाडु की औसत उपज 59.39 क्विंटल है। देश के उपज का औसत 26 क्विंटल एवं उत्तर प्रदेश के उपज का औसत 2021-22 में 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। ऐसे में यहां मक्के की उपज बढ़ने की भरपूर संभावना है।

कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) प्रभारी डॉ. एसके तोमर के अनुसार खरीफ के फसल की बोआई के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त होता है। अगर सिंचाई की सुविधा हो तो मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में भी इसकी बोआई की जा सकती है।

1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन पर भव्य कार्यक्रम

संस्कृत संवर्धन के प्रयासों को मिला राष्ट्रीय सम्मान

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को विशेष सम्मान मिला

लखनऊ/नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और पुनरुत्थान के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को ऐतिहासिक सफलता मिली है। योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धता और सक्रिय पहल के फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को राष्ट्रीय मंच पर विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर में संस्कृतभारती, दिल्ली एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 1008 सामूहिक संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्कृत के प्रचार, संरक्षण एवं व्यवहारिक विस्तार को लेकर बीते वर्षों में जो योजनाएं क्रियान्वित कीं, जैसे संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति, संवादात्मक प्रशिक्षण शिविर, पाठ्यक्रमों का आधुनिकीकरण तथा संस्कृत के लिए विशेष बजट प्रावधान, उन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार न केवल संस्थान के लिए, बल्कि योगी सरकार की भाषा नीति के लिए एक राष्ट्रीय स्वीकृति भी है।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर से समन्वयिका राधा शर्मा ने यह सम्मान ग्रहण करते हुए इसे योगी सरकार के मार्गदर्शन, समर्पण और संस्कृतभाषा के प्रति निष्ठा का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे प्रदेश की शिक्षा और संस्कृति नीति की विजय है।

संस्थान के अनेक प्रशिक्षकों ने इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें प्रमुख नाम हैं अंजु मिश्रा, आस्था शुक्ला, दीपिका मिश्रा, डॉ. दिवाकर मिश्र, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, गरुण मिश्र, गीता वशिष्ठ, कीर्ति अत्रि, खुशी शर्मा, नीतू सक्सेना, प्रियंका शुक्ला, शिवप्रताप मिश्र, रजनीश तिवारी, रुद्रनारायण पांडेय आदि।

इस भव्य आयोजन में देशभर से आए संस्कृत प्रेमियों, विद्वानों, छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने इस सम्मान को उत्तर प्रदेश के लिए संस्कृत पुनर्जागरण का स्वर्ण क्षण कहा और भविष्य में और अधिक समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा मुख्य वक्ता संस्कृतभारती के संगठन मंत्री जयप्रकाश उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. वागीश बी.जी, प्रान्ताध्यक्ष, संस्कृतभारती, दिल्ली ने की।

किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान का मामला

समय पर भुगतान न करने वाली मिलों पर सख्ती होगी : योगी

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चीनी मिलों को गन्ना खरीद के लिए आवंटित कमांड एरिया का निर्धारण उनके द्वारा किसानों को किये जा रहे गन्ना मूल्य भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर किया जाए। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसानों को समयबद्ध भुगतान मिले। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जो मिलें भुगतान में देरी या हीलाहवाली करें, उनके विरुद्ध सख्ती होगी।

यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सोमवार को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादकता, आधारभूत संरचना, रोजगार और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर गन्ना पैदावार के लिए किसानों को उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), चीनी मिलों और गन्ना समितियों को मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अपने सरकारी आवास में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए

मिल प्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों और केवीके के अधिकारियों को खेतों का दौरा कर फसल का अवलोकन करना चाहिए और किसानों से सतत संवाद बनाए रखना चाहिए। साथ ही, किसान गोष्ठियों में मंत्रीगण की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने गन्ना समितियों को और सशक्त करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान 142 कार्यदिवसों को बढ़ाकर 155 दिन करने की जरूरत बताई, साथ ही, कोऑपरेटिव व फेडरेशन की चीनी मिलों की गहन समीक्षा के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इन मिलों की उत्पादन क्षमता के साथ-साथ वहां कार्यरत कार्मिकों की योग्यता का भी आकलन किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिलवार अद्यतन गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। जानकारी दी गई कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 2,85,994 करोड़ का भुगतान हुआ है, जो 1995-2017 के 2,13,520 करोड़ की तुलना में 72,474 करोड़ अधिक है। वर्ष 2024-25 में निर्धारित 34,466.22 करोड़ में से 83.8 प्रतिशत यानी 28,873.55 करोड़ का भुगतान 2 मई तक संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री ने भुगतान चक्र को और सुचारू बनाने के निर्देश दिए ताकि सभी किसानों को शीघ्र और पूर्ण भुगतान मिल सके।

गन्ने के क्षेत्रीय विस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि 2016-17 में गन्ना क्षेत्रफल 20.54 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इसी अवधि में उत्पादकता भी 72.38 टन/हेक्टेयर से बढ़कर 84.10 टन/हेक्टेयर तक पहुंची है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उत्पादन और उत्पादकता में दो गुना वृद्धि की पूरी संभावना है, यदि सुनियोजित प्रयास किए जाएं। उन्होंने गन्ना किसानों के हित में पारदर्शिता, समयबद्धता और तकनीक आधारित नवाचार को सरकार की प्राथमिकता बताया और सभी संबंधित पक्षों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य में 45 जिलों में संचालित 122 चीनी मिलें, 236 खांडसारी इकाइयां, 8,707 कोल्हू इकाइयां, 65 कोजेन इकाइयां और 44 डिस्टिलरी इकाइयां सक्रिय हैं, जिनकी कुल क्रशिंग क्षमता 7,856 केएलपीडी है। इन इकाइयों से प्रत्यक्ष रूप से 9.81 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

एथेनॉल उत्पादन के संदर्भ में बताया गया कि 2023-24 में राज्य की 102 सक्रिय डिस्टिलरियों से 150.39 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ है। साथ ही, निजी निवेश से 6,771.87 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त 105.65 करोड़ लीटर उत्पादन क्षमता स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और ईंधन मिश्रण में एथेनॉल अनुपात बढ़ाने की योजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

कुपोषण पर योगी सरकार का प्रहार, सवा दो करोड़ लोगों का जीवन बचाया

छह साल तक के एक करोड़ 82 लाख कुपोषित बच्चे हुए स्वस्थ

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कुपोषण के विरुद्ध निर्णायक अभियान चलाते हुए सवा दो करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए प्रदेश के सभी 75 जिलों में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) की 897 परियोजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा गया है। जिसके तहत छह साल तक के एक करोड़ 82 लाख कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया गया। प्रदेश में कुपोषण की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करोड़ों बच्चों, महिलाओं और किशोरियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के शत-प्रतिशत अनुपालन के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, जिससे आमजन का स्वास्थ्य और पोषण स्तर बेहतर हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य एवं पोषण योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचे। आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी, पोषण ट्रैकिंग, बच्चों की समय-समय पर जांच और आवश्यक पोषक आहार की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। राज्य में छह वर्ष तक की उम्र के लगभग 1.82 करोड़ बच्चों की स्थिति में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। इनमें से 1.33 लाख अति-कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल की गई है। चिकित्सकों, पोषण विशेषज्ञों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सामूहिक भूमिका से बच्चों के स्वास्थ्य की काया-पलट हो रही है।

योगी सरकार गर्भवती और धात्री महिलाओं को विशेष पोषण सहायता और चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रही है।

13.5 लाख गर्भवती और 10.70 लाख धात्री महिलाओं को आईसीडीएस योजना के तहत नियमित पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह प्रयास शिशु मृत्यु दर में गिरावट लाने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में व्यापक स्तर पर कुपोषण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया है। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में प्रचार-प्रसार कर लोगों को कुपोषण के दुष्प्रभाव और पोषण के महत्व की जानकारी दी जा रही है। साथ ही उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है।

संपादकीय

वक्त की आवाज़

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ‘ हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।’ बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने-बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई सांप्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू-मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगे तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे। यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चिय ही गंगा-जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफ से आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल-परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दृढ़ता से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं। निर्विवाद रूप से हमारी विवेकशील प्रतिक्रिया और एक अखंड भारत की सोच ही आतंकवाद पर करारी चोट कर सकती है। वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें।

> पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ‘ हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।’ बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

योगेंद्र योगी

> पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विध्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विध्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू

जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापंसद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया।

दृष्टि कोण

मीडिया की आज़ादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय-समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ-साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है। मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार ‘जनपक्षधरता’ और इसका प्रधान उद्देश्य ‘जनता में जागृति’ लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक-टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है। दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्रायः पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है। दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके। इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते। अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को ‘विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस’ मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश-दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। गौरतलब है कि ‘विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस’ मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यतः पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है।

कुछ अलग

तीर्थ भारतवर्ष की आत्मा हैं

तीर्थ भारतवर्ष की आत्मा हैं। प्रयागराज महाकुंभ के बाद चार धाम यात्रा शुरू हो चुकी है। भारतवर्ष के आत्म तत्व, जीवन तत्व, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तत्व एवं समग्रता में यदि भारत को जानना है तो तीर्थ एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। भारतभूमि समग्रता में देवभूमि है। यहां के कण कण में दिव्यता और भव्यता विद्यमान है। साक्षात प्रजापिता ब्रह्मा ने इस सृष्टि की रचना की है। हिमालय भगवान शिव का वास है तो क्षीरसागर में स्वयं भगवान विष्णु विराजते हैं। यही कारण है कि भारत की मूल चेतना आध्यात्मिक है। यहां न केवल मनुष्य अपितु जड़-चेतन सभी में परमात्मा का वास मानकर सभी के कल्याण की कामना की गई है। यही कारण है कि वैदिक चिंतन वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष करता है तो सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना भी करता है। इसी प्रकार के मंत्र और उद्घोष यहां जन मन में संस्कार और विचार का निर्माण करते हैं। यहां समष्टि कल्याण के लिए कहीं देव नदियां हैं, कहीं पर्वत हैं तो कहीं ऋषि, मुनि, संत और साधक निरंतर साधनारत रहते हैं। इस साधना के अथवा तप के बल से वह स्थान तीर्थ बनता चला जाता है। भारत में तीर्थ यात्रा की परंपरा अनादि है। समाज जीवन के लोग समय-समय पर ऐसे तप स्थलों अथवा तीर्थों पर जाकर साधनारत संतों के दर्शन करते हैं और उनके उपदेशों से ऊर्जा और सन्मार्ग का संदेश प्राप्त कर पुनः सांसारिक जीवन में जाकर अपने कार्य व्यापारों को पूरा करते हैं। विभिन्न तिथियां एवं पर्व उत्सवों पर स्वच्छ और निर्मल नदियों में स्नान सामान्य नहीं है अपितु उसमें संत और देव कृपा की दिव्यता विद्यमान रहती है। तीर्थों की यह परंपरा स्वयं को पावन करने की परंपरा है। सर्वविदित है कि भारतीय ज्ञान, अध्यात्म एवं पूजा पद्धतियों पर अनेक बार हमले होते रहे हैं। विभिन्न मंदिरों के विध्वंश के बाद भी सनातन और अध्यात्म में जन आस्था बनी रही। परिणामस्वरूप वे स्थान पुनः अधिकाधिक दिव्यता और भव्यता के साथ पुनर्स्थापित हो रहे हैं। श्रीअयोध्या जी में बना भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर इस बात का प्रमाण है। आदि शंकराचार्य ने प्रश्नोत्तर रतनमालिका नामक रचना में लिखा है- किं तीर्थमपि च मुख्यम् ? अर्थात तीर्थ में मुख्य क्या है? अथवा तीर्थ यात्रा का महत्व क्या है? इसका उत्तर देते हुए वे लिखते हैं- चित्तमलं यन्निवर्तयति। अर्थात तीर्थ वह है जो मन की अशुद्धता को दूर करता है। यहां ध्यान रहे तीर्थ यात्रा केवल भौतिक यात्रा नहीं है अपितु यह मन की शुद्धि और वासनाओं से मुक्ति प्राप्त करना है। इतिहास प्रसिद्ध है कि केरल के कालड़ी में जन्मे आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत दर्शन और सनातन धर्म की रक्षा के लिए हजारों वर्ष पूर्व उत्तर में ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ, दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ, पश्चिम में शारदा पीठ तो पूर्व में गोवर्धन पीठ की स्थापना की। उन्होंने देश के विभिन्न स्थानों पर अपनी यात्राओं के माध्यम से जन जागरण के साथ-साथ मठ और पीठों की स्थापना की। उन्होंने वहां साधना की जिससे वे स्थान आध्यात्मिक केंद्र अथवा तीर्थ बन गए। आज भी इन तीर्थों पर प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ध्यान रहे तीर्थ वहीं है जहां ऋषि, मुनि एवं संत समाज साधनारत हैं। तीर्थों को तीर्थत्व संतों की साधना से ही मिलता है। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने अनेक स्थानों पर तीर्थराज प्रयाग के महत्व का उद्घाटन किया है-

सकल कामप्रद तीरथराऊ।
बेद बिदित जग प्रगट प्रभाऊ।।

वनवास के समय अयोध्या से निकलने के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी तीर्थराज प्रयाग सहित कई नदियों पर स्नान करते हैं और दिव्यता का अनुभव करते हैं। हाल ही में मां गंगा आरती के समय परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने अपने उद्बोधन में कहा है कि- भारत की आत्मा तीर्थों में बसती है और तीर्थ वह हैं जो हमें पवित्र कर देते हैं।

देश दुनिया से

क्या उच्चतम न्यायालय का देश के राष्ट्रपति को आदेश देना उचित है?

यह सही है कि कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं संसद (विधायिका) तीनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में सुप्रीम हैं पर भारत गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति को आदेश देकर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अधिकार क्षेत्रों को लांघने का काम किया है। बसंत वुमार अभी हाल ही में अपने एक निर्णय में इस अध्यादेशों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को समय सीमा के अंदर करने और संविधान के अनुच्छेद 142 के इस्तेमाल करने पर विवाद गहरा गया है। भारत के एक सांसद निशिकांत दुबे ने अपने बयान से इस विवाद को और अधीक गहरा दिया है उन्होंने कहा कि यदि कानून बनाना सर्वोच्च न्यायालय का काम है तो संसद को बंद कर दिया जाना चाहिए। दर असल देश के उपराष्ट्रपति जो जाने माने वकीलों भी रहे है श्री जगदीप धनकड़ ने सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारों पर सवाल उठाए, जिसके बाद भाजपा के दो सांसदों निशि कांत दुबे और दिनेश शर्मा की तीखे प्रतिायि आईं। इसके बाद इन बयाने पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट कपिल सिब्बल, पूर्व प्रेसिडेंट दुष्यन्त दवे और पूर्व जस्टिस जे चेलमेश्वर की प्रतिव्रिया से इस मामले में तल्खी और बढ़ गईं है आखिर इस विवाद की शुरुआत वैसे हुई। सर्वोच्च अधिकारी ने 8 अप्रैल 2025 को एक ऐहितासिक पैसले से राज्य पाल के राज्य विधान मण्डल द्वारा पारित विधायकों पर कार्यवाही करने के लिए समय सीमा निर्धारित कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के लिए भी उन विधेयकों पर समय सीमा निर्धारित कर दी जिन्हें राजयपाल ने राष्ट्रपति कि स्वीवृति के लिए निर्धारित किया हो। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन पर सुनवाईं के दौरान सरकार से सीधे सवाल किए। इसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट को लेकर अप राष्ट्रपति और अन्य नेताओं ने भी विवादित टिप्पणी की जिससे इस मामले में विवाद काफी गहरा हो गया। राज्य सभा इंटर्नस को संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति ने न्याय पालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समय सीमा तय किए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा की सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उनका कहना था की संविधान के तहत के कोर्ट के पास एक मात्र अधिकार है कि अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करने का। सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और ससद के प्रति जवाब देह होती हैं और सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति के कोई आदेश नहीं दे सकता। हमारे देश में संसदीय लोकतन्त्र है और यह राजनीतिक विचारक मोंटस्क्यू के शक्ति पृथककरण के सिद्धांत पर काम करता है और संसदीय लोकतन्त्र में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों का अपना अपना रोल होता है तीनों एक दूसरे के कार्य क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करते, हा न्याय पालिका कार्य पालिका के कार्यो की समीक्षा कर सकती हैं अगर कोई कानून संविधान के दायरे में नहीं है और किसी के मौलिक अधिकारों का हनन करना है तो न्यायपालिका उसे निरस्त कर देता है। केशवानंद भारतीय केस में सुप्रीम कोर्ट की 13 जजों की बेंच ने एक ऐतिहासिक पैसला दिया था कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती हैं लेकिन वह संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर से छेड़ छाड़ नहीं कर सकते। प्रश्न यह है कि सर्वोच्च न्यायालय संसद द्वारा बनाए गए नियमों की समीक्षा तो कर सकता तो है पर क्या वह देश के संवैधानिक हेड यानि राष्ट्रपति को अपनी शक्ति के उपयोगी के लिए समय सीमा का निर्देश दे सकते हैं। राष्ट्रपति को अपनी शक्तियों की गाइड लाइंस संविधान के अंदर ही निहित है उसे किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा निर्देश नहीं दिया जा सकता। संसद द्वारा पारित विधेयक जब राष्ट्रपति की मंजूरी ले लेता है तो वह कानून बन जाता है परंतु यह भी प्राविधान है कि यदि राष्ट्रपति चाहे तो संसद द्वारा पारित विधेयक को संसद को पुर्नविचार के लिए वापस भेज सकता है पर यदि यह बिल संसद में पुर्नविचार के पात फिर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज दिया जाता है तो तो महामहिम को इस बिल पर हस्ताक्षर ही करने होते है। कहने का मतलब यह है कि राष्ट्रपति देश का संवैधानिक प्रमुख होता है और उसके द्वारा उपयोग की जाने वाली शक्तियों के उपयोग भी संविधान के अंदर ही होता है और अन्य संस्था द्वारा निर्देश दिए जायेंगे तो देश में संसदीय लोकतन्त्र का ढांचा ही बिगड़ जाएगा। जहां तक सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति के लिए संसद द्वारा पारित विधेयक को अपनी मंजूरी देने की समय सीमा का निर्देश देने का प्रश्न है तो सर्वोच्च न्यायालय को अपने आधीन न्यायालयों का केसों का निपटाने का निर्देश दे। देश की अदालतों में करोड़ो केस दशकों से लम्बित पड़े है और यदि कोई व्यक्ति ट्रायल कोर्ट द्वारा किसी आपराधिक मामले में दोषी करार दिया जाता है तो उसकी अपील का निस्तारण हाईं कोर्ट द्वारा बीस साल तक नहीं हो पाया और अपील कर्ता कनविक्ट का ठप्पा लगाए इस दुनिया से बिदा हो जाता है देश के अधिकांश अपील आम अपील कर्ता के लिए बेमानी होती है क्योंकि वह महंगे वकील की फीस दे नहीं सकता जो मेंशन करके उसको अपील लगवा सके। यदि संसद कानून बनाकर इन अपीलों का निस्तारण करने की समय सीमा तय कर दे तो क्या न्याय पालिका इसे अपने अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं मानेगी। जब संसद ने न्यायपालिका में जज की नियुत्ति में पारदर्शिता लाने के लिए एन जे ए सी बनाने के लिए कानून बनाया तो सुप्रीम कोर्ट ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप माना और इसे स्टे कर दिया, इसलिए देश में संसदीय लोक तंत्र सुचारू रूप से चले यह सुनिाति करने के लिए कार्यपालिका विधायिका और न्यायपालिका को अपने अपने अधिकार क्षेत्र में रहकर चलना होगा।

> बसंत वुमार अभी हाल ही में अपने एक निर्णय में इस अध्यादेशों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को समय सीमा के अंदर करने और संविधान के अनुच्छेद 142 के इस्तेमाल करने पर विवाद गहरा गया है। भारत के एक सांसद निशिकांत दुबे ने अपने बयान से इस विवाद को और अधीक गहरा दिया है

आप का नजरिया

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं।

अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हो सकते हैं स्टीफन मिलर

वाशिंगटन,05 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्टीफन मिलर हो सकते हैं। वह इस समय वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मिलर का आधिकारिक नामांकन छह माह के भीतर घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं है। न ही अपने मौजूदा कार्यकाल में फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को हटाएंगे।

-राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा, अगला चुनाव लड़ने से भी इनकार, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को न हटाने का वादा

राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को मीट द प्रेस में और भी कई बातों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, मुझे यह नहीं पता कि संविधान का पालन करना चाहिए या नहीं। कानून का पालन करने के लिए मुझे अपने वकीलों पर निर्भर रहना होगा। हालांकि इस दौरान ट्रंप ने कहा कि उनके पास शानदार वकील हैं। वह स्पष्ट रूप से सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है उसका पालन करेंगे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति के रूप में तीसरा कार्यकाल नहीं चाहेंगे।उन्होंने कहा कि वह 2026 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को नहीं हटाएंगे। ट्रंप ने रविवार शाम एयर फोर्स वन में पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन अच्छे न्यायाधीशों को नियुक्त करने के प्रयास कर रहाहै। देश को ऐसे न्यायाधीशों की आवश्यकता है जो हर एक अवैध अप्रवासी के लिए परीक्षण की मांग न करे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को अगला राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाने पर विचार कर रहे हैं। स्टीफन मिलर इस समय अहम पद पर हैं। ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज को पद से हटाने और उन्हें संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित करने के अपने फैसले का भी बचाव किया।

वाल्ट्ज के नए नामांकन के बारे में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह एक उच्च पद है। ट्रंप ने कहा कि अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के लिए स्टीफन मिलर का आधिकारिक नामांकन छह महीने के भीतर आएगा।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल पुलिस की वेबसाइट हैक, 20 लाख नागरिकों का डेटा चोरी

काठमांडू। नेपाल पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट हैक हो गई है। साइबर अपराधियों ने 20 लाख से अधिक नागरिकों का डेटा चोरी कर लिया है। नागरिकों की संवेदनशील डेटा चोरी होने से सरकार की चिंता बढ़ गई है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, केएजेडयू नाम के हैकर समूह ने उनकी आधिकारिक वेबसाइट को हैक कर लिया है। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि सर्वर में मौजूद 20 लाख नागरिकों का डेटा चुरा लिया गया है। हैकरों यह डेटा डार्क वेब में रखा है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता डीआईजी दिनेश आचार्य ने बताया कि डार्क वेब में रखे गए नेपाल के संवेदनशील डेटा की कीमत हैकरों ने सात हजार अमेरिकी डॉलर रखी है। डार्क वेब पोस्ट में हैकर समूह ने लिखा है कि नेपाल पुलिस के केन्द्रीय डेटा पोर्टल को निशाना बनाया गया है। इस डेटा में एफआईआर, ट्रैकिंग, नागरिकता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट डिटेल्स, पर्सनल आइडेंटीफिकेशन इनफॉर्मेशन, आफिसर डिटेल्स आदि मौजूद है। यह भी दावा किया गया है कि ये सभी डेटा 2025 का है।

इस्लामाबाद पुलिस ने वकील से की मारपीट, शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली

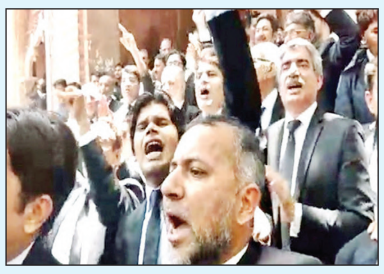

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद की कानूनी बिरादरी ने मुल्क की पुलिस के खिलाफ विरोध रैली के आयोजन की घोषणा की है। वकीलों की मांग है कि वरिष्ठ अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ की गई मारपीट की घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान के समाचार द नेशन की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद बार काउंसिल (आईबीसी), इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (आईएचसीबीए) और इस्लामाबाद बार एसोसिएशन (आईबीएस) सबसे पहले आईएचसी भवन में एक आम सभा की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली आयोजित की जाएगी। यह जानकारी इस्लामाबाद बार काउंसिल के उपाध्यक्ष नसीर अहमद कियानी ने दी। उन्होंने कहा कि आईबीसी के सदस्यों ने इस्लामाबाद जिला न्यायालयों में हुई दुर्भाग्यपूर्ण और गैरकानूनी घटना की कड़ी निंदा की। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने मांग की है कि इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक दोषी अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करें और उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष तुरंत पेश करें। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने कहा है कि संगठन अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है।

कनाडा को 51वां राज्य बनाने सैनिक कार्रवाई जरूरी नहीं: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आशंका से इनकार किया है कि कनाडा को 51वां राज्य

बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता होगी। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि व्हाइट हाउस के लिए तीसरे कार्यकाल की दौड़ में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। साथ ही ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस या उनके अन्य किसी करीबी नेता के 2028 की राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज किया। राष्ट्रपति पद संभालने के 100 दिन पूरे होने के बाद एनबीसी को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को उनके देश निर्वासित किए जाने से जुड़े सवालों पर कहा कि वह संविधान के अनुसार ही काम कर रहे हैं। हाल ही में प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव के दौरान अमेरिकी मतदाताओं से किए गए वादों से पीछे नहीं हट रहे हैं। आलोचकों का दावा है कि ट्रंप अमेरिका में संवैधानिक प्रक्रिया को कमजोर कर रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय रूप से वे अल साल्वाडोर के किल्मर अब्रेगो गार्सिया के मामले का हवाला देते हैं, जो मैरीलैंड में रह रहा था। उसे गलती से अल साल्वाडोर भेज दिया गया और बिना किसी संचार के जेल में डाल दिया गया। ट्रंप का कहना है कि अब्रेगो गार्सिया एक हिंसक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा है। ट्रंप ने कहा, व्हाइट हाउस के लिए तीसरे कार्यकाल की दौड़ में उनके शामिल होने की संभावना नहीं हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया है कि प्रशासन को अब्रेगो गार्सिया को अमेरिका वापस लाने के लिए कदम उठाने चाहिए। ट्रंप ने कहा कि वह 'पृथ्वी के कुछ सबसे बुरे, सबसे खतरनाक लोगों' को निर्वासित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अदालतें उनके रास्ते में आ रही हैं।

रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान, राजनीतिक संकट के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

बुखारेस्ट,05 मई (एजेंसियां)।

रोमानिया में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान संपन्न हुआ, जो देश के हाल के दशकों के सबसे बड़े राजनीतिक संकट के बाद कराया गया। यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश रोमानिया में यह चुनाव उस समय दोबारा कराया गया जब पिछले वर्ष हुए चुनाव को अदालत ने चुनावी गड़बड़ियों और रूस की कथित दखलंदाजी के चलते अमान्य घोषित कर दिया था। हालांकि, रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे मतदान समाप्त होने के साथ ही मतगणना का कार्य शुरू हो गया। प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक लगभग 95.7 लाख मतदाताओं, यानी कुल योग्य मतदाताओं के 53.2 प्रतिशत, ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विदेशों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर भी लगभग 9.73 लाख मत डाले गए।

इस पुनर्निर्वाचन में कुल 11 उम्मीदवारों ने भाग लिया और अब 18 मई को होने वाले संभावित दूसरे दौर की तैयारी शुरू हो गई है।

जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कट्टर राष्ट्रवादी और दूर-दराज़ विचारधारा वाले उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन का दूसरे दौर में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि उनका मुकाबला या तो बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन या सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार क्रिन एंटोनेसकु से हो सकता है।

चुनाव के दौरान सिमियन ने पूर्व उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु के साथ राजधानी बुखारेस्ट के एक मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर कहा, हमारा मिशन स्पष्ट है- संवैधानिक व्यवस्था की वापसी और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना। मेरा एकमात्र लक्ष्य है कि रोमानियाई जनता के लिए पहला स्थान सुनिश्चित किया जाए।

वहीं, चुनाव से बाहर किए गए कैलिन जॉर्जेस्कु ने इस पुनः चुनाव को एक संगठित धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि यह उन लोगों द्वारा रचा गया है जो धोखे को राज्य की नीति बना चुके हैं। बावजूद इसके उन्होंने लोकतंत्र की ताकत और मत की शक्ति को स्वीकार करने की बात भी कही।

ट्रम्प की टैरिफ नीति की बदौलत ऑस्ट्रेलिया में भी बनी वामपंथी सरकार

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में हुए आम चुनाव में पीएम एंथनी अल्बनीज ने जीत हासिल की है। उनकी लेबर पार्टी को 150 में से 86 सीटों पर जीत हासिल हुई है। चुनाव से पहले हुए सर्वे में लेबर पार्टी को 48 फीसदी लोगों का ही समर्थन मिला था, जबकि विपक्षी लिबरल और नेशनल पार्टी के गठबंधन को 52 फीसदी लोगों ने पसंद किया था, लेकिन दो महीने बाद ही स्थिति बदल गई। फेवरेट माने जा रहे विपक्षी गठबंधन के नेता पीटर डटन भी चुनाव हार गए। वह देश में पहले ऐसे विपक्षी नेता बने जो अपनी ही सीट हार गए हैं। इसे ऑस्ट्रेलिया के इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक हार माना जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया की तरह कनाडा में भी दक्षिणपंथी पार्टी की हार हुई है। 28 अप्रैल को हुए चुनाव में लिबरल पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत तक लिबरल पार्टी की स्थिति बेहद खराब थी, लेकिन ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद स्थिति बदल गई। ऑस्ट्रेलिया-कनाडा में दक्षिणपंथी पार्टियों की हार को ट्रम्प के टैरिफ से जोड़कर देखा जा रहा है।

लेडी गागा के रियो कॉन्सर्ट में विस्फोट की साजिश नाकाम, दो आरोपित गिरफ्तार

रियो डी जेनेरियो,05 मई (एजेंसियां)।

ब्राजील की पुलिस ने पॉप स्टार लेडी गागा के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ऐतिहासिक मुफ्त कॉन्सर्ट में विस्फोट करने की साजिश रचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कॉन्सर्ट शनिवार को कोपाकबाना बीच पर आयोजित किया गया था, जिसमें अनुमानित 25 लाख से अधिक प्रशंसक शामिल हुए थे।

ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, संदिग्धों को कॉन्सर्ट से कुछ घंटे पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ, जिससे कुछ लोगों ने खतरे की गंभीरता पर सवाल उठाए। आमतौर पर इस प्रकार के बड़े आयोजनों में सुरक्षा चिंताओं के चलते कार्यक्रम रद्द कर दिए जाते हैं, जैसा कि पिछले वर्ष विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट के साथ हुआ था।

पुलिस ने तत्काल साजिश की जानकारी सार्वजनिक नहीं की ताकि घबराहट और अफवाहों से बचा जा सके। रविवार को लेडी गागा की टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें इस साजिश की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से ही मिली। बयान में कहा गया, शो से पहले और इसके दौरान सुरक्षा को लेकर कोई जानकारी या पुलिस की ओर से कोई सतर्कता नहीं दी गई थी। लेकिन टीम ने आयोजन की योजना और निष्पादन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया था। राज्य पुलिस और ब्राजील के न्याय मंत्रालय ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का संबंध एक ऐसे समूह से है जो एलजीबीटीक्यू+ समुदाय और अन्य वर्गों के खिलाफ घृणा फैलाने वाला भाषण प्रसारित करता है। यह समूह सोशल मीडिया पर पहचान बनाने के लिए इस हमले को सामूहिक चुनौती के रूप में अंजाम देना चाहता था।

पत्थर फेंकते हुए फिलिस्तीन प्रदर्शन कारी

वेस्ट बैंक में इजरायली सेनाओं से संघर्ष के दौरान पत्थर फेंकते हुए फिलिस्तीन प्रदर्शन कारी।

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के 12 सैन्य अफसर ट्रेनिंग के लिए नेपाल पहुंचे, रक्षा विशेषज्ञ आश्चर्यचकित

काठमांडू,05 मई (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच पाकिस्तान की सेना के 12 अधिकारी 12 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए काठमांडू पहुंचे हैं।

नेपाली सेना ने एक बयान में कहा कि यह अधिकारी पाकिस्तान सेना के नेशनल सिक्योरिटी एंड वार कॉलेज के हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के मातहत रहे यह अधिकारी एयर कोमोडोर साद मंसूर अंसारी के नेतृत्व में नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद नेपाल ने आतंकवाद के मसले पर भारत को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मगर इस घटनाक्रम से उसकी घोषणा पर सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय नागरिक पहलगाम हमले से खफा हैं। नेपाल में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहा है। लोग पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के फैसले से आश्चर्यचकित हैं।

नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल विनोज बस्नेत ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के तनाव के बीच नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं है।

यूके में आतंकी साजिश की योजना बनाते हुए चार ईरानी नागरिक गिरफ्तार

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के काउंटर-टेररिज्म कमांड ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया

लंदन,05 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें चार ईरानी नागरिक हैं। इन पर आतंकवादी कृत्य की तैयारी का आरोप है, और ये एक खास जगह को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। ये खबर न सिर्फ ब्रिटेन, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चौंकाने वाली है। इस खबर के बाद से यूके में इमीग्रेशन को लेकर सवाल उठने लगे हैं।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के काउंटर-टेररिज्म कमांड ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए लोग 29 से 46 साल की उम्र के हैं। चार ईरानी नागरिकों को स्विंडन, वेस्ट लंदन, स्टॉकपोर्ट और रोचडेल में पकड़ा गया, जबकि पांचवें शख्स की राष्ट्रीयता और उम्र अभी साफ नहीं हुई है। उसे मैनचेस्टर में पुलिस और आपराधिक साक्ष्य अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया. पुलिस ने ग्रेटर मैनचेस्टर, लंदन और स्विंडन में कई ठिकानों पर तलाशी शुरू कर दी है, और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस, विल्टशायर पुलिस और देशभर के काउंटर-टेररिज्म ऑफिसर्स इस ऑपरेशन में जुटे हैं। पुलिस का कहना है कि ये साजिश एक 'खास जगह' को निशाना बनाने की थी, लेकिन ऑपरेशनल कारणों से उस जगह का नाम नहीं बताया गया। मेट पुलिस ने उस साइट के मालिकों या प्रबंधकों को सूचित कर दिया है और उन्हें सुरक्षा बढ़ाने से जुड़ी सहायता दी जा रही है।

पुर्तगाल सरकार का ऐलान, अप्रवासियों को निकालेंगे बाहर, 20 दिन की देंगे मोहलत

लिस्बन। पुर्तगाल में चोरी-छुपे रह रहे 18 हजार से ज्यादा विदेशी लोगों को सरकार ने देश से बाहर निकालने का फैसला लिया है। पुर्तगाल में 18 मई को मिड टर्म के चुनाव होना हैं। इसमें आप्रवासन बड़ा मुद्दा है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अंतोनियो लेइतो अमारो ने कहा कि कार्यवाहक सरकार जल्द ही इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करेगी। शुरुआत में करीब 4,500 विदेशियों को स्वेच्छा से देश छोड़कर जाने का को कहा जाएगा। पुर्तगाल छोड़ने के लिए उन्हें 20 दिन की मोहलत दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोंटेनेग्रो ने मार्च में जल्द चुनाव कराए जाने की घोषणा की थी। दरअसल, उनकी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार संसद में विश्वास मत हार गई थी।

इंग्लैंड दौरे में बुमराह को उपकप्तान नहीं बनाना चाहती बीसीसीआई

मुम्बई, 05 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे पर उपकप्तान के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी की तलाश की जा रही है जो सभी पांच मैच खेल सके।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान नहीं बनाया जाएगा क्योंकि उनकी फिटनेस को लेकर समस्या बनी रहती है।

शुभमन और ऋषभ में से किसी एक को मिल सकती है जिम्मेदारी

बीसीसीआई किसी ऐसे व्यक्ति को उपकप्तान बनाना चहती है जो सभी सभी मैच खेल सके। इसको देखते हुए उप्तानी की रेस में बल्लेबाज शुभमन गिल और ऋषभ पंत सबसे आगे हैं। शुभमन ने चैंपियंस ट्रॉफी में उपकप्तान की भूमिका निभाई थी।

वहीं ऋषभ ने साल 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी की थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरु होगी। ये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है। इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ समय में की जाने की उम्मीद है।

बुमराह को इंग्लैंड दौरे के दौरान उप्तान बनाने बीसीसीआई इसलिए तैयार नहीं हैं क्योंकि बुमराह का चोट का पुराना रिकार्ड रहा है।

बुमराह को 2024-25 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पांचवें टेस्ट के दौरान पीठ में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें तीन महीने तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह बाहर रहे थे।

आईपीएल में भी वह फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहे हैं। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम की कप्तानी करते हुए जीत दिलायी थी।

अब उनके चोट के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए ही बोर्ड उन्हें उप-कप्तान बनाने तैयार नहीं है। सिडनी टेस्ट से पहले भी बुमराह साल 2022 में सर्जरी के कारण ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप सहित लगभग 11 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा हम एक ऐसा खिलाड़ी चाहते हैं जो सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध हो और उसे उपकप्तान की भूमिका दी जानी चाहिए। बुमराह सभी पांच मैच नहीं खेलेंगे, इसलिए हम अलग-अलग खेलों के लिए अलग-अलग उपकप्तान नहीं बना सकते।

न्यूज़ ब्रीफ

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

मियामी। ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरेन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं।
दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरेन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली। पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे। वेरस्टैपेन की पोल से जीत न होने की परंपरा बरकरार रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान पर रहे। मैकलॉरेन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे। रेस की शुरुआत में ही नॉरिस और वेरस्टैपेन की भिड़ंत रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

बायर्न म्यूनिख ने जीता रिकॉर्ड 34वां बुंडेसलीगा खिताब, लेवरकुसेन की ड्रॉ से तय हुई जीत

बर्लिन। जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने रविवार को बिना कोई मैच खेले ही अपना 34वां बुंडेसलीगा खिताब जीत लिया। यह उनकी लगातार 12वीं और कुल मिलाकर रिकॉर्ड 34वीं बार जर्मन लीग खिताब पर कब्जा है। खिताब की यह स्थिति तब बनी जब उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बायर लेवरकुसेन फ्राइबर्ग के खिलाफ 2-2 की बराबरी पर रुक गई। शनिवार को बायर्न म्यूनिख ने आरबी लाइपजिग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला था, जिससे लेवरकुसेन को खिताबी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीत दर्ज करनी जरूरी थी। लेकिन रविवार को फ्राइबर्ग ने शानदार खेल दिखाते हुए उन्हें रोक दिया। फ्राइबर्ग ने पहले ही हाफ में बना ली बढ़त इबर्ग ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की। 44वें मिनट में मैक्सिमिलियन एग्गेस्टीन के डिफ्लेक्टेड शॉट से टीम ने पहला गोल किया। दूसरे हाफ के चौथे मिनट में लेवरकुसेन के डिफेंडर पिएरो हिंकापी ने आत्मघाती गोल कर फ्राइबर्ग को 2-0 की बढ़त दिला दी। देर से आया लेवरकुसेन का जवाब, लेकिन नहीं बचा सका खिताब लेवरकुसेन ने मैच के अंतिम मिनटों में वापसी की कोशिश की। 82वें मिनट में फ्लोरियन विट्ज ने शानदार गोल किया और फिर स्टॉपेज टाइम में जोनाथन ताह ने बराबरी दिलाई। लेकिन तीसरा गोल नहीं कर पाने के कारण वे जीत से चूक गए।

आईपीएल से सामने आये इन युवा गेंदबाजों को मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में इस बार विघ्नेश पुथुर सहित पांच ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। अब इन गेंदबाजों को भारतीय टीम में जगह मिलने की संभावनएं हैं। अश्वनी कुमार (मुंबई इंडियंस) मुंबई इंडियंस की ओर से 23 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। अश्वनी के पास अच्छी गति, मूवमेंट और कुछ विविधताएं हैं, हालांकि वे अब भी निरंतरता की तलाश में हैं। इस तेज गेंदबाज ने 3 मैचों में अब तक 6 विकेट लिए हैं, उनका औसत 17.50 है। बांए हाथ के गेंदबाज होने का उन्हें लाभ मिल सकता है। यश दयाल (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) साल 2023 में यश दयाल ने एक ऐसे गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं जो विकेट हासिल कर सकता है। आरसीबी के लिए खेले गए 11 मैचों में उन्होंने 34.60 के औसत से 10 विकेट लिए हैं। यश पहले ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव भी है। दिग्वेश राठी (लखनऊ सुपर जायंट्स) लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल रहे दिग्वेश सिंह राठीने 10 आईपीएल मैच में 10 विकेट लिए हैं इस दौरान उनका औसत सबसे अच्छा रहा है।

बारिश ने बिगाड़ा हैदराबाद का खेल, प्लेऑफ की दौड़ से हुई बाहर, दिल्ली की उम्मीदें बरकरार

हैदराबाद, 05 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद सनराइजर्स हैदराबाद का भी सफर आईपीएल 2025 में समाप्त हो गया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हैदराबाद जीत हासिल करती दिख रही थी लेकिन बारिश की वजह से मुकाबला बेनतीजा रहा। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिले। हैदराबाद के 11 मैचों में 7 पॉइंट हैं। अब टीम अपने बाकी मैच जीतकर भी 13 पॉइंट तक ही पहुंच तक पाएगी। दिल्ली कैपिटल्स ने 133 रन बनाए थे। हैदराबाद की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई।

कप्तान पैट कमिंस की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 133 रन के स्कोर पर रोक दिया। कमिंस (19 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने दिल्ली ने 29 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 41, 36 गेंद, चार चौके) और आशुतोष शर्मा (41 रन, 26 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) की उपयोगी पारियों और दोनों के बीच सातवें विकेट की 66 रन की साझेदारी की सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।जयदेव उनादकट ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 13 रन देकर एक विकेट चटकाया। ईशान मलिंगा (28 रन पर एक विकेट) और हर्षल पटेल (36 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट हासिल किया।

कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और फिर टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए 15 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों करुण नायर (00) और फाफ डु प्लेसी (03) तथा अभिषेक पोरेल (08) को पवेलियन भेज दिया।कमिंस ने मैच की पहली ही गेंद पर नायर को विकेटकीपर इशान किशन के हाथों कैच कराया। सनराइजर्स के कप्तान के अगले ओवर में डु प्लेसी भी इशान को कैच दे बैठे। अच्छी फॉर्म में चल रहे पोरेल ने कमिंस पर चौका जड़ा लेकिन फिर उन्हीं की गेंद पर इशान के हाथों लपके गए। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल (06) ने कमिंस पर चौके से खाता खोला लेकिन हर्षल पटेल की गेंद को मिड ऑफ पर सनराइजर्स के कप्तान के हाथों में खेल गए।

दिल्ली की टीम पावर प्ले में चार विकेट पर 26 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज लोकेश राहुल भी सिर्फ 10 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जिससे टीम का स्कोर पांच विकेट पर 29 रन हो गया। विपराज निगम ने 10वें ओवर में जीशान अंसारी पर मैच का पहला छक्का जड़ा और फिर इसी ओवर में चौका भी मारा।

दिल्ली के रनों का अर्धशतक 11वें ओवर में पूरा हुआ। विपराज हालांकि इसके बाद स्टब्स के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए। स्टब्स ने अंसारी की गेंद पर शॉट खेला और एक रन पूरा करने के बाद दूसरे रन के लिए दौड़ पड़े।

विपराज हालांकि रन के इच्छुक नहीं थे और दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए जिसके बाद विपराज ने अपने विकेट का बलिदान दिया और गेंदबाजी छोर पर रन आउट हो गए। उन्होंने 18 रन बनाए।आशुतोष ने आते ही अंसारी पर दो छक्के लगाए और फिर हर्षल पर लगातार दो चौकों के साथ 17वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। स्टब्स ने 18वें ओवर में ईशान मलिंगा पर दो चौके मारे। आशुतोष ने अगले ओवर में हर्षल पर छक्का जड़ा लेकिन अंतिम ओवर में मलिंगा का शिकार बने।

मेड्रिड ओपन 2025: कैस्पर रूड ने जैक ड्रेपर को हराकर जीता पहला मास्टर्स खिताब

मैड्रिड, 05 मई (एजेंसियां)।

नॉर्वे के टेनिस स्टार कैस्पर रूड ने रविवार देर रात को मेड्रिड ओपन 2025 का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। 14वीं वरीयता प्राप्त रूड ने खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से मात दी। यह रूड का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। 26 वर्षीय रूड ने इस खिताब को अपने 18वें क्लेकोर्ट फाइनल में हासिल किया।

नार्वे के कैस्पर रूड ने मेड्रिड ओपन 2025 में अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता

फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से हराया

रूड ने चोट के बावजूद दिखाया दम, पहले ही मेडवेडेव, फ्रिट्ज और सेरुंडोलो को हराया

चोट के बावजूद दिखाया जज्बा, दिग्गजों को दी मात

रूड ने सेमीफाइनल में पसली में चोट लगने के बावजूद दमदार प्रदर्शन किया और ड्रेपर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने टेलर फ्रिट्ज, दानिल मेदवेदेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था।

ड्रेपर से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी

पहले सेट में रूड 3-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दो बार ड्रेपर की सर्विस तोड़कर सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि ड्रेपर ने दूसरा सेट 3-6 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में रूड ने 3-2 की बढ़त बनाते हुए अंत में 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रेपर बने वर्ल्ड नंबर 5, रूड को दी बधाई

हालांकि जैक ड्रेपर को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अब जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग यानी विश्व नंबर 5 पर पहुंच जाएंगे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, कैस्पर, तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। तुमने मुश्किल पलों में मुझसे ज्यादा हिम्मत दिखाई। यह खिताब तुम्हारे मेहनत का फल है।

नेल्सन गोल्फ टूर्नामेंट में विजेता

टेक्सास में सीजे कप नेल्सन गोल्फ टूर्नामेंट में विजेता ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए अमेरिका के स्कोटी शिफलर।

प्रीमियर लीग 2024-25: चेल्सी ने गत चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराया

लंदन, 05 मई (एजेंसियां)।

प्रीमियर लीग 2024-25 के एक अहम मुकाबले में चेल्सी ने रविवार को चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वालिफिकेशन की अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। चेल्सी के लिए एनजो फर्नांडीज, कोल पाल्मर और एक आत्मघाती गोल स्कोरिंग में शामिल रहे।

शुरुआत से ही हावी रही चेल्सी

मैच की शुरुआत से ही चेल्सी ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। कोल पाल्मर के पास पर नेटो ने गेंद एनजो फर्नांडीज को दी, जिन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

क्वांसाह का आत्मघाती गोल और पाल्मर की वापसी

दूसरा गोल भी पाल्मर की चालाकी से आया, जब उनकी एक क्रॉस को क्लीयर करने की कोशिश में लिवरपूल डिफेंडर जारेल क्वांसाह ने अपने ही गोल में बॉल डाल दी। मैच के अंतिम पलों में पाल्मर ने पेनल्टी के जरिए अपना पहला गोल जनवरी के बाद किया। यह पेनल्टी क्वांसाह द्वारा मोइसेस कैइसेडो को गिराने के बाद मिली।

वैन डाइक ने की कोशिश, लेकिन देर हो चुकी थी

84वें मिनट में वर्जिल वैन डाइक ने कॉर्नर पर गोल कर लिवरपूल को एकमात्र संजीवनी दी, लेकिन टीम इस बढ़त को पाट नहीं सकी।

चेल्सी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर

एंजो मारेस्का की कोचिंग में चेल्सी अब 63 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर मौजूद न्यूकैसल से केवल गोलों के आधार पर पीछे है। दोनों टीमें तीसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं, जबकि तीन मुकाबले शेष हैं।

एक छोटे गांव से लेकर सीनियर नेशनल कैंप तक के सफर पर प्रताप लाकड़ा ने कहा- कभी हार नहीं मानी

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक छोटे से गांव से निकले 24 वर्षीय डिफेंडर प्रताप लाकड़ा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। कोरोना महामारी के दौरान जब ज़्यादातर खिलाड़ी अपनी दिशा खो बैठे, लाकड़ा ने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि अपनी मेहनत से भारत की सीनियर हॉकी टीम के नेशनल कैंप तक जगह बना ली।

प्रताप लाकड़ा की ज़िंदगी में एक समय ऐसा आया जब सब कुछ हाथ से फिसलता महसूस हो रहा था। वर्ष 2020 में जब कोविड-19 की वजह से देशभर में लॉकडाउन हुआ, तो उन्हें जूनियर कैंप से बाहर कर दिया गया। फिटनेस गिर गई और मौके भी कम होने लगे। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वे रेलवे की टीम के मैदान पर अकेले ट्रेनिंग करते रहे।

लाकड़ा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, उस दौर में कुछ भी तय नहीं था, लेकिन मैं रोज़ मैदान पर जाता था। प्रताप की हॉकी यात्रा गांव के मैदान से शुरू हुई थी, जहां वे नंगे पांव हॉकी खेला करते थे। उनके पिता गांव में हॉकी खेल चुके थे और उनकी बहन प्रीति ओडिशा की नेशनल प्लेयर रही हैं।

उन्होंने कहा, हम किसान हैं, लेकिन हमारे खून में हॉकी है।आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। एक बार उनके पास खेलने के लिए सही जूते भी नहीं थे, तब हॉकी गंगपुर ओडिशा

के एक अधिकारी ने उनकी मदद की। वर्ष 2011 में लाकड़ा पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल, राउरकेला में शामिल हुए और जल्दी ही जूनियर टीम का हिस्सा बन गए। उन्होंने वर्ष 2017 और 2019 में सुल्तान ऑफ जोहोर कप और स्पेन में 8 नेशन्स टूर्नामेंट खेले। लेकिन महामारी ने करियर पर ब्रेक लगा दिया। इसके बाद वे रेलवे के टूर्नामेंट्स में खेले और 2018 में साउथ सेंट्रल रेलवे में नौकरी मिली, जिससे उन्हें स्थिरता और खेल में वापसी का प्लेटफॉर्म मिला।

2025 में वापसी और नेशनल कैंप में एंट्री-

2024 में उन्होंने ओडिशा की ओर से सीनियर नेशनल खेला और फिर 2025 में मध्य प्रदेश की ओर से। इस बार उनका प्रदर्शन इतना शानदार था कि वे टीम को सिल्वर मेडल दिलाने में मददगार बने और नेशनल कैंप के लिए चुने गए। लाकड़ा ने बताया, फाइनल मुकाबला बेहद कठिन था। पंजाब जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलकर बहुत कुछ सीखने को मिला। लाकड़ा की प्रेरणा भारतीय डिफेंडर बीरेन्द्र लाकड़ा और ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह हैं। उन्होंने कहा, बीरेन्द्र सर का डिफेंस में नियंत्रण और रूपिंदर सर की तकनीक-दोनों से बहुत सीखा। वर्ष 2024-25 में वेदांता कलिंगा लांसर की ओर से हॉकी इंडिया लीग में भी शामिल हुए। हालांकि ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच रहकर उन्हें खेल की बारीकियां समझने का मौका मिला। फिलहाल वे सीनियर नेशनल कैंप का हिस्सा हैं और उनका सपना है, भारतीय टीम की जर्सी पहनकर देश को ओलंपिक गोल्ड दिलाना। बहन प्रीति हमेशा उन्हें याद दिलाती हैं — कैंप में नाम आना बस शुरुआत है, असली मेहनत अब शुरू होती है।

आईएमएफ के बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किए गए परमेश्वरन अय्यर

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) परमेश्वरन अय्यर को नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड में अस्थायी रूप से भारत के नामित निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सरकार ने आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक के रूप में केवी सुब्रमण्यन की सेवाओं को उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होने से छह महीने पहले समाप्त कर दिया था। सरकार का यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की नौ मई को बैठक होनी है जिसमें जलवायु कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर के नए ऋण के साथ मौजूदा सात अरब डॉलर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि भारत कूटनीतिक और विभिन्न वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को घेरने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि भारत ने अय्यर को नामित नहीं किया होता, बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी के नियमों के तहत श्रीलंका के वैकल्पिक कार्यकारी निदेशक हरिश्चंद्र पहाथ कुम्बुरे गेदारा ईडी के कर्तव्यों का निर्वहन करते। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 अप्रैल, 2025 से सुब्रमण्यन की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। हालांकि, सुब्रमण्यन को हटाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है।

नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले सौंपी जिम्मेदारी

न्यूज ब्रीफ

सैमसंग ने सीईएसटीएटी में 50 करोड़ डॉलर जुर्माने को चुनौती दी!

नई दिल्ली। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग इंडिया ने उस पर लगाए गए 50 करोड़ डॉलर से अधिक के जुर्माने को चुनौती देते हुए सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) का दरवाजा खटखटाया है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने इसी साल सैमसंग पर नेटवर्किंग गियर सहित दूरसंचार उपकरणों के आयात को कथित रूप से गलत तरीके से वर्गीकृत करने के लिए 50 करोड़ डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया था। सूत्रों ने बताया कि सैमसंग इंडिया ने उक्त आदेश को अपीलीय न्यायाधिकरण सीईएसटीएटी की मुंबई पीठ के समक्ष चुनौती दी है। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। बताया गया कि यह याचिका लॉ फर्म लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन के माध्यम से अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष पेश की गई है। याचिका अभी तक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है।

ओबेरॉय रियल्टी ने गोरेगांव में 970 करोड़ लक्जरी अपार्टमेंट बेचे

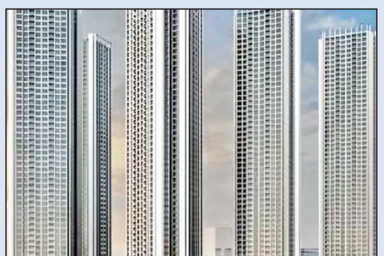

मुंबई । ओबेरॉय रियल्टी ने मुंबई के गोरेगांव में अपनी एकीकृत टाउनशिप परियोजना में 970 करोड़ रुपये के लक्जरी अपार्टमेंट बेचे हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसने 30 अप्रैल को गोरेगांव में अपनी टाउनशिप परियोजना ओबेरॉय गार्डन सिटी में 'एलिसियन टॉवर डी' की पेशकश की है। कंपनी ने कहा कि उसने 2.1 लाख वर्ग फुट (रेरा कार्पेट क्षेत्र) और 3.25 लाख वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र के लिए लगभग 970 करोड़ रुपये का कुल बुकिंग मूल्य दर्ज किया है।' इन अपार्टमेंट का आकार 2,009 से 3,430 वर्ग फुट तक है।अपार्टमेंट का आकार 2,009 से 3,430 वर्गफुट तक है ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन ने कहा कि कंपनी को इस परियोजना के लिए ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह सफलता न केवल ओबेरॉय रियल्टी ब्रांड की स्थायी ताकत को दर्शाती है, बल्कि लक्जरी जीवन को फिर से परिभाषित करने वाले एकीकृत शहरी विकास के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी मान्यता प्रदान करती है।

जिओमार्ट ने क्यों बंद कर दी अपनी क्विक डिलीवरी सर्विस एक्सप्रेस कर्मचारियों का क्या

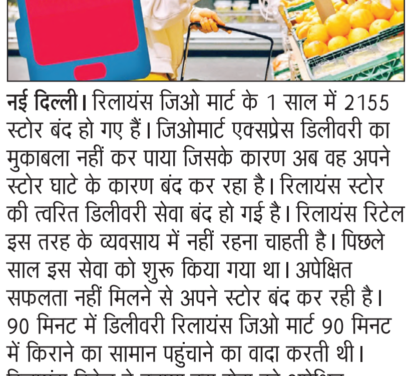

नई दिल्ली। रिलायंस जिओ मार्ट के 1 साल में 2155 स्टोर बंद हो गए हैं। जिओमार्ट एक्सप्रेस डिलीवरी का मुकाबला नहीं कर पाया जिसके कारण अब वह अपने स्टोर घाटे के कारण बंद कर रहा है। रिलायंस स्टोर की त्वरित डिलीवरी सेवा बंद हो गई है। रिलायंस रिटेल इस तरह के व्यवसाय में नहीं रहना चाहती है। पिछले साल इस सेवा को शुरू किया गया था। अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से अपने स्टोर बंद कर रही है। 90 मिनट में डिलीवरी रिलायंस जिओ मार्ट 90 मिनट में किराने का सामान पहुंचाने का वादा करती थी। रिलायंस रिटेल ने बताया इस सेवा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पाई। रिटेल बाजार में स्विगी, ज़ोमैटो, ज़ेप्टो और बिगबास्केट जैसी कंपनियां पहले से ही त्वरित डिलीवरी सेवा प्रदान कर रही हैं। रिलायंस रिटेल के लिए इन कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो गया था। इस सेवा के लिए जिओमार्ट एक्सप्रेस की लागत अधिक थी। खर्च ज्यादा था,इससे कंपनी को नुकसान हो रहा था। जिओ मार्ट अभी भी किराना, फैशन, और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उत्पादों की डिलीवरी करता है। रिटेल स्टोर्स में खर्च ज्यादा हो रहा है। कमाई कम हो रही है। जिसके कारण 2155 स्टोर अभी तक रिलायंस ने बंद कर दिए हैं।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.47 प्रतिशत उछल कर 5,686.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 266.99 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,977.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 292.15 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,025.28 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 99.55 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,596.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 176.61 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,770.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 589.67 अंक यानी 2.55 प्रतिशत उछल कर 23,086.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से तीन के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। निक्केई इंडेक्स, हैंग सेंग इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स, सेट कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं हो रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 201.50 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,605 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत उछल कर 6,848.67 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,849.11अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 175.82 अंक यानी 0.85 प्रतिशत टूट कर 20,622.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ट्रंप ने फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बनाई, ट्रंप ने कहा, विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक और बड़ा निर्णय लिया, जो हो सकता है कि फिल्म उद्योग में तहलका मचा दे। ट्रंप ने कहा किया कि वह विदेशों में बनी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जिससे फिल्म इंडस्ट्री को अमेरिका में वापस लाने को लेकर जीवन में पहली बार इतनी मुश्किलें आ सकती हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस निर्णय को साझा करते हुए कहा है कि विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए। हालांकि इसके परिणाम और इसका तात्पर्य क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं है। हॉलीवुड में इस निर्णय का प्रभाव हो सकता है, जैसे कि विदेश में शूट हुई फिल्मों पर क्या होगा, और इसके फैसले के परिणामस्वरूप विदेशी निर्माताओं के साथ संबंध कैसे बिगड़ेंगे। यह ट्रंप के चीन पर आक्रामक टैरिफ के सिलसिले में एक और कदम है, जिसे चीन ने अमेरिकी फिल्मों की मात्रा कम करके जवाब दिया था। क्या इस क्रम में फिल्म इंडस्ट्री में एक नया युग आ रहा है, या यह केवल आकस्मिक घटना है, यह देखने योग्य है। चिंतन करने के लिए फिल्मों के लिए यह संकेत भविष्य की दिशा में कहानियों को एक नया पटल भी सुझाएगा। हालांकि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री दुनिया की सबसे प्रभावशाली फिल्म इंडस्ट्री मानी जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में विदेशी फिल्मों की लोकप्रियता में भी तेजी आई है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवॉर्ड भी मिले हैं। उदाहरण के तौर पर, साउथ कोरियन थ्रिलर फिल्म 'पैरासाइट' ने 2020 में चार ऑस्कर अवॉर्ड जीते थे, जिनमें सबसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट पिक्चर' का अवॉर्ड भी शामिल था।

वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल में बढ़कर 22.87 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री इस साल अप्रैल में मामूली 2.95 प्रतिशत बढ़कर 22,87,952 इकाई हो गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने यह जानकारी दी है। फाडा ने कहा कि चैत्र नवरात्रि, अक्षय तृतीया, बंगाली नव वर्ष, बैसाखी और विशु के आसपास ग्राहकों द्वारा खरीदारी पूरी करने से अप्रैल का अंत सकारात्मक रुख के साथ हुआ।

अप्रैल, 2024 में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 22,22,463 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। समीक्षाधीन अवधि में दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और ट्रैक्टर बिक्री में क्रमश: 2.25 प्रतिशत, 24.5 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री एक प्रतिशत घट गई।

अप्रैल में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 16,86,774 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 16,49,591 इकाई रही थी। इस तरह दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। समीक्षाधीन महीने में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 3,49,939 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2024 में यह आंकड़ा 3,44,594 इकाई रहा था। इस तरह यात्री वाहनों की बिक्री 1.55 प्रतिशत बढ़ी।

पिछले महीने वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 1.05 प्रतिशत घटकर 90,558 इकाई रह गई, जबकि अप्रैल, 2024 में यह 91,516 इकाई रही थी। दूसरी ओर, ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री 7.56 प्रतिशत बढ़कर 60,915 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 56,635 इकाई थी।

फाडा ने कहा कि अप्रैल में तिपहिया खंड में जोरदार तेजी देखने को मिली। माह के दौरान तिपहिया की खुदरा बिक्री 24.51 प्रतिशत बढ़कर 99,766 इकाई हो गई। अप्रैल, 2024 में 80,127 तिपहिया बिके थे।

वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अर्से बाद महबूबा ने...

रक्तदान किया और लोगों की जान बचाई। सभी को ओ-वरग्राउंड वर्कर या आतंकवादी माना जाता है। उन्हें बुलाया जा रहा है, बंद किया जा रहा है और शाम को छोड़ दिया जा रहा है। पहलगाम में सैकड़ों लोग अभी भी बंद हैं। यही हाल दूसरी जगहों पर भी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह सही नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि जब कश्मीरी खुले दिल के हैं, तो देश के लोगों को भी उन पर भरोसा करना चाहिए। पुलिस या सेना द्वारा की जाने वाली यह पकड़-धकड़ बंद होनी चाहिए।महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैं आज पहलगाम आई क्योंकि मैं लोगों की बात सुनना चाहती थी। मैंने सुना कि लोगों में डर है। मैं इसे दूर करना चाहती थी। मैं यहां आए पर्यटकों को सलाम करती हूं। मैं उन्हें यह बताने आई हूं कि कश्मीर आपका इंतजार कर रहा है, खासकर उन यात्रियों का जो यहां (अमरनाथ यात्रा के लिए) आएंगे। पहलगाम में यात्रियों पर कभी हमला नहीं हुआ। यह पहली बार है कि पर्यटकों पर हमला हुआ है। पहलगाम के लोगों ने हमेशा यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया है। जब एक बार आंधी आई थी, तब न सिर्फ पहलगाम बल्कि पूरे कश्मीर के लोगों ने उन्हें अपने घरों में रखा था। यात्री हमारे मेहमान हैं, वे पहले भी यहां आ चुके हैं, उन्हें अब भी यहां आना चाहिए।

आतंकवाद के...

यह पाया गया कि यह हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ। सरकार ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कड़ी कार्रवाइयां कीं। सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। इसके अलावा भी मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाईं।उधर, भारत सरकार ने बगलिहार और सलाल डैम के पूरी तरह बंद कर बाद पाकिस्तान पर वाटर स्ट्राइक कर दी है। चेनाब नदी के वाटर लेवल में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बगलिहार और सलाल बांधों से पाकिस्तान को जाने वाला चेनाब नदी का पानी रोक दिए जाने से सीमा पर रहने वाले भारतीयों में खुशी का माहौल है। चेनाब नदी का नजारा देख कर स्थानीय लोग हैरान भी हैं और प्रसन्न भी है। नागरिकों ने कहा, पहली बार ऐसा नजारा देखा है, पहले चेनाब का बहाव बहुत तेज होता था। अखनूर निवासी रामसुर शर्मा ने कहा, मैं 75 साल का हूं, लेकिन यह पहली बार है जब मैंने देखा है कि चेनाब नदी का पानी रोका जा सकता है। मैं पीएम मोदी को उनके इस फैसले के लिए धन्यवाद देता हूं। स्थानीय निवासी कल्याण सिंह ने कहा, मैं आज चेनाब के किनारे आया था। मैंने यहां पर देखा यहां पर जो पानी है कम से कम 25 से 30 फुट बहता था और आज इसमें महज डेढ़ से दो फुट पानी ही बचा हुआ है। ये सब हमारे मोदी जी के कारण है। उग्रवादियों ने हमारे जो 28 लोगों की जान ली है उसके संदर्भ में जो मोदी जी ने सिंधु जल समझौते को रद्द किया है। उससे हमें बहुत ज्यादा खुशी है। पाकिस्तान आने वाले समय में बूंद-बूंद को तरसेगा। हम यह चाहते हैं कि एक बूंद पानी भी पाकिस्तान को नहीं दिया जाना चाहिए। यह पानी किसी और जगह पर इस्तेमाल किया जाए। हमारा पूरा अखनूर का इलाका, हम भारतीय सेना के साथ हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी का जो भी फैसला है वो बहुत ही अच्छा है।चेनाब नदी पर बने बगलिहार डैम और सलाल डैम से पानी रोक दिए जाने के बाद अब झेलम नदी पर बनाए गए किशनगंगा बांध से पानी रोकने की योजना बनाई जा रही है। रामबन में प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रविवार को सुबह-सुबह बगलिहार डैम से पानी रोक दिया गया था। बांध के सभी गेट बंद कर दिए गए। कुछ दिन पहले ऊपरी इलाकों में भारी बारिश हुई थी और रियासी की ओर पानी के प्रवाह की अनुमति देने के लिए गेट खोले गए थे और सलाल डैम से पानी का प्रवाह फिर से रोक दिया गया था। रियासी और अखनूर के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इससे पाकिस्तान में कुछ नुकसान हुआ। लेकिन आज सुबह बगलिहार डैम के गेट बंद कर दिए गए और पानी का बहाव पूरी तरह बंद हो गया। रामबन और डाउनस्ट्रीम में चेनाब नदी का तल पूरी तरह सूख गया है। रियासी में सलाल डैम से पानी का बहाव भी कम हो गया है और अखनूर और जौरियन में भी पानी का स्तर काफी कम हो गया है। इससे पाकिस्तान में पानी का संकट और बढ़ गया है। बगलिहार बांध में पर्याप्त जलभराव बनने में करीब तीन दिन लगते हैं। पुल डोडा से आगे, बटोटे-किश्तवाड़ रोड पर डोडा जिले के प्रेम नगर कस्बे के पास एक बड़ी झील बन जाती है।रियासी में सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में एनएचपीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डोडा और किश्तवाड़ के ऊपरी इलाकों में बारिश हुई है और बगलिहार में जलाशय ऊपर तक भर गया है। बाढ़ के साथ गाद बनती है और फ्लशिंग की प्रक्रिया जरूरी हो जाती है। इस कारण पहले गेट खोले जाते हैं ताकि गाद और कीचड़ बाहर निकल जाए और फिर बंद कर दिए जाते हैं। इसके बाद डाउनस्ट्रीम में नदी सूख जाती है और जलाशय को फिर से भरने में कुछ समय लगता है। एनएचपीसी अधिकारी ने जल प्रतिबंध से संबंधित मुद्दे को कमतर आंकते हुए कहा कि बमुश्किल दो दिन पहले ही अखनूर और जौरिया क्षेत्रों में चेनाब नदी में भारी बाढ़ आई थी। बांध भर जाने के बाद सलाल बांध के गेट खोल दिए गए थे। गाद को बाहर निकाल दिया गया है और यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने सिंधु जल संधि के उल्लंघन पर टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि वे भारत सरकार के निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन इस समय चेनाब के पानी को पूरी तरह से रोकना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है।भारतीय अधिकारी अखनूर से एक और बड़ी नहर बनाने पर विचार कर रहे हैं, ताकि जम्मू जिले के शेष क्षेत्रों को रामगढ़ और सांबा और कथूस जिलों के कुछ हिस्सों में सिंचाई की जा सके। अखनूर, जौरियां और खौर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में पड़ने वाली पुरानी प्रताप नहर को एडवांस करने और पानी को अंतिम छोर तक ले जाने की व्यवहार्यता की भी जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इतना ही नहीं अधिकारी परगवाल सेक्टर के लगभग 35 गांवों और घरोटा और कोट भलवाल के कंडी बेल्ट को भी चेनाब नदी के पानी का लाभ देने की योजना बना रहे हैं।बगलिहार डैम, जो रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रो पावर प्लांट के रूप में बनाया गया था, अब पानी के प्रवाह को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले इस डैम से बिना रुकावट पानी बहता था और बिजली पैदा की जाती थी, लेकिन अब भारत ने इसे हथियार बना लिया है। चेनाब नदी का पानी पाकिस्तान के पंजाब में खेतों की सिंचाई के लिए जीवन रेखा है। इस कदम से वहां की कृषि और अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान होगा। इतना ही नहीं, भारत अब झेलम नदी पर बने किशनगंगा डैम के जरिए भी पानी रोकने की तैयारी कर रहा है। इन डैमों से भारत पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, यानी बिना चेतावनी के पानी कम या ज्यादा कर सकता है, जो पाकिस्तान के लिए तबाही ला सकता है।उल्लेखनीय है कि सिंधु जल संधि के तहत छह नदियों का बंटवारा हुआ था। पूर्वी नदियां (सतलुज, ब्यास, रवि) भारत को और पश्चिमी नदियां (सिंधु, चेनाब, झेलम) पाकिस्तान को मिली थीं। लेकिन भारत में लंबे समय से इस संधि पर सवाल उठते रहे हैं। कई लोग मानते हैं कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसमें जरूरत से ज्यादा उदारता दिखाई। 1965, 1971 और 1999 की जंगों में भी भारत ने यह संधि नहीं तोड़ी, लेकिन इस बार पाकिस्तान की आतंकी हरकतों का जवाब देने के लिए भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। पहलगाम हमले के बाद संधि को निलंबित कर चेनाब का पानी रोकना भारत का कूटनीतिक और रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक है। पाकिस्तान, जो अपनी 80 प्रतिशत कृषि के लिए सिंधु नदी सिस्टम पर निर्भर है, अब जंग की धमकी दे रहा है। लेकिन भारत का यह वाटर अटैक तो बस शुरुआत है, आगे और सबक सिखाए जाएंगे, ऐसे संकेत मिल रहे हैं।पाकिस्तान के खिलाफ आर्थिक शिकंजा कसते हुए भारत सरकार ने आयात पर रोक लगा दी है और बड़ी संख्या में वहां से आने वाले सेंधा नमक के ऑर्डर भी रद्द कर दिए हैं। नए ऑर्डर भी लेना बंद कर दिया गया है। चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के मंत्री अशोक लालवानी ने बताया कि पाकिस्तान से सेंधा (लाहौरी) नमक, छुहारे, काली किशमिश और सब्जा के बीज पाकिस्तान से आयात होते थे। अंजीर, मुनक्का अफगानिस्तान से पाकिस्तान के जरिए पहुंचते थे। लेकिन इन सब पर पूरी तरह रोक लग गई है। सेंधा नमक की हर महीने 250 से 300 टन, 550-600 टन छुहारे, 15 टन में पिस्ता-काली किशमिश और सब्जा के बीज का व्यापार होता है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से थोक विक्रेताओं ने फिलहाल सेंधा नमक के बड़े ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। नए ऑर्डर नहीं लिए जा रहे हैं। आगरा किराना कलर एंड केमिकल कमेटी के सदस्य पवनदीप कपूर ने बताया कि जिले में मेवे के करीब 30 थोक व्यापारी हैं। हमारे यहां मुनक्का, पिस्ता, अंजीर अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते आते हैं। आगरा में 25-30 टन अंजीर, 40-50 टन मुनक्का का व्यापार है। अब दूसरे देशों के रास्ते से इनका आयात होगा। यातायात का खर्च बढ़ने से असर इनकी कीमतों पर पड़ेगा। वैसे, देशहित में पूरा व्यापारी वर्ग भारत सरकार के निर्णय के साथ खड़ा है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से सूती कपड़ों की कीमतों पर असर पड़ सकता है। वहां से कपास का आयात होता है। सूती कपड़ों की मांग तेजी से बढ़ी है। इससे शर्ट, धोती, अंडरगारमेंट, महिलाओं के परिधान बनाए जा रहे हैं। बांग्लादेश से भी रिश्ते बेहतर नहीं हैं। ऐसे में सूती कपड़ों की कीमत बढ़ सकती है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से हमारे देश में चंद पर ही असर पड़ेगा, लेकिन पाकिस्तान को भारी नुकसान होगा।

श्रीनगर और जम्मू ...

पहलगाम हमले की जांच में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी सहयोगियों निसार और मुश्ताक से पूछताछ की, जो पहले एक सेना की गाड़ी पर हुए हमले से भी जुड़े थे। दक्षिण कश्मीर के जंगलों में अभी भी आतंकी छिपे हो सकते हैं। खुफिया जानकारी के मुताबिक, पहलगाम हमले के दौरान कुछ आतंकी दूर से कवर फायर देने के लिए तैनात थे, ताकि सुरक्षाबलों को जवाबी कार्रवाई से रोका जा सके। इसका मतलब है कि पहलगाम में हमले के दौरान हमला करने वाले आतंकियों के अलावा बैकअप में भी आतंकियों का ग्रुप मौजूद था। इन आतंकियों के पास खाने-पीने का सामान और अन्य जरूरी चीजें हैं, जिससे वे जंगलों में लंबे समय तक टिक सकते हैं। इस खतरे को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित हमले को रोका जा सके।

चीफ जस्टिस ने...

अब 15 मई को नए मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी।

सीबीआई के नए...

को नाम का सिफारिश देती है। उसी के आधार पर केंद्र सरकार सीबीआई के अगले डायरेक्टर की नियुक्ति करती है।

सीबीआई के वर्तमान निदेशक प्रवीण सूद हैं। उन्होंने 25 मई, 2023 को प्रमुख जांच एजेंसी के निदेशक का पदभार संभाला। उन्हें 2024 में रिटायर होना था, लेकिन उन्हें सीबीआई के निदेशक के रूप में दो साल का कार्यकाल दिया गया था। इससे पहले, वे कर्नाटक के डीजीपी थे और मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। प्रवीण सूद 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के आईपीएस अफसर हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा आईआईटी-दिल्ली से पूरी की है।

मई में 6 बड़े ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

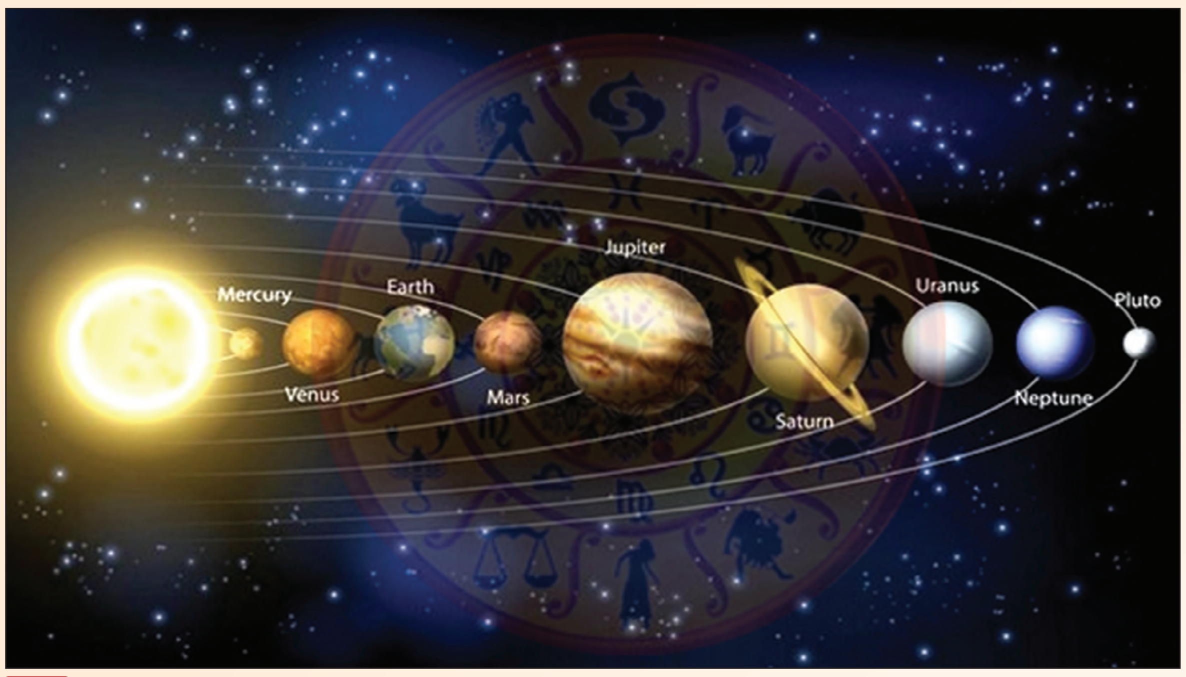

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2025 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब अगस्त का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है। इसी कड़ी में मई माह में 5 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। वैदिक ज्योति शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिसके कारण हर एक माह में कोई न कोई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं जिसे ज्योतिष में ग्रहों का गोचर कहते हैं। । पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि मई 2025 का महीना खगोलीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण और दिलचस्प रहने वाला है। इस महीने में कुल 6 ग्रह अपनी राशियों में परिवर्तन करने जा रहे हैं, जो ज्योतिष शास्त्र में एक बड़ी घटना मानी जाती है। मई माह में 6 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। बुध सूर्य शुक्र गुरु राहु केतु राशि परिवर्तन करेंगे लेकिन बुध दो बार राशि परिवर्तन करेगा। जब ग्रह अपनी राशियों में प्रवेश करते हैं, तो उनका असर हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि करियर, पारिवारिक जीवन, स्वास्थ्य, और वित्तीय मामलों पर पड़ता है।

मई 2025 में होने वाले इन गोचर परिवर्तनों का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग होगा और यह समय विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव, अवसर और चुनौतियां लेकर आ सकता है। कुछ ग्रहों का गोचर शिक्षा, विवाह, धार्मिक कार्यों, और आध्यात्मिकता से संबंधित विषयों पर प्रभाव डाल सकता है, वहीं कुछ का असर संचार, व्यापार और व्यक्तिगत संबंधों पर हो सकता है। इस महीने के ग्रहों के गोचर का प्रभाव जानना आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है ताकि आप अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से बना सकें और इस समय का अधिकतम लाभ उठा सकें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 6 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि में बुध का गोचर

बुध ग्रह 7 मई 2025 को प्रातः 4:13 बजे मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध का यह गोचर आपकी सोच और संवाद शैली को प्रभावित करेगा। मेष राशि में बुध का प्रवेश शिक्षा, संवाद, और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी लेकर आएगा। यदि आप व्यापार या नौकरी के लिए कुछ नया सोच रहे हैं, तो यह समय लाभकारी हो सकता है। मानसिक चंचलता में वृद्धि हो सकती है, लेकिन यदि आप अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगे, तो आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मिथुन राशि में गुरु का गोचर

गुरु ग्रह 14 मई 2025 को रात्रि 11:20 बजे मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। यह गोचर शिक्षा, विवाह, और धार्मिक कार्यों पर प्रभाव डालने वाला होगा। बृहस्पति का यह गोचर आपके जीवन में एक नई दिशा ला सकता है, विशेषकर उन व्यक्तियों के लिए जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं या धार्मिक कार्यों में रुचि रखते हैं। विवाह और भाग्य के मामलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है।

वृषभ राशि में सूर्य का गोचर

15 मई 2025 को सूर्य रात्रि 12:20 बजे वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस गोचर का असर आपके आत्मविश्वास, ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता पर पड़ेगा। वृषभ राशि में सूर्य के गोचर के दौरान आपको अपने करियर और जीवन में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। यह समय आपके आत्म-संप्रभुता को स्थापित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त रहेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

राहु और केतु का गोचर

18 मई 2025 को राहु और केतु दोनों ग्रह अपनी राशियां बदलेंगे। राहु प्रातः 4:30 बजे कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे, और केतु भी ठीक उसी समय सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इन दोनों ग्रहों के गोचर का प्रभाव आध्यात्मिकता, भ्रम और अनिश्चितता पर पड़ेगा। कुंभ राशि में राहु के गोचर से मानसिक स्पष्टता में वृद्धि हो सकती है, जबकि सिंह राशि में केतु का प्रवेश व्यक्तिगत रिश्तों में कुछ बदलाव ला सकता है।

वृषभ राशि में बुध का गोचर

23 मई 2025 को बुध एक बार फिर अपनी राशि बदलेंगे। बुध दोपहर 1:05 बजे वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। यह बुध का दूसरी बार गोचर होगा, और यह समय संवाद और सोच के तरीके में बदलाव ला सकता है। वृषभ राशि में बुध का प्रवेश वित्तीय मामलों में सावधानी बरतने की सलाह देता है। आप अपने बजट और खर्चों को नियंत्रित कर सकते हैं और फिजूलखर्ची से बच सकते हैं।

मेष राशि में शुक्र का गोचर

31 मई 2025 को शुक्र प्रातः 11:42 बजे मेष राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र का यह गोचर प्रेम, कला, सौंदर्य और विलासिता से जुड़े क्षेत्रों में बदलाव लाएगा। मेष राशि में शुक्र का गोचर आपके व्यक्तिगत संबंधों और रचनात्मक कार्यों को प्रभावित करेगा। यह समय प्रेम और रोमांस के मामलों में उत्साह और नई संभावनाओं का समय हो सकता है।

12 राशियों पर फायदा या नुकसान

शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन
अशुभ प्रभाव - वृष, सिंह, तुला और कुंभ
मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

कल बुध करेंगे मेष राशि में गोचर

वैदिक ज्योतिष के अनुसार सभी ग्रह समय-समय पर अपनी राशि बदलते रहते हैं। वैदिक ज्योतिष में ग्रहों की युति विशेष महत्व रखती है, और जब सूर्य और बुध एक ही राशि में एक साथ आते हैं, तो यह बुधादित्य योग का निर्माण करता है। यह योग बुद्धि, वाणी, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाता है। 7 मई 2025 को बुध मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे, जहाँ पहले से ही सूर्य विराजमान होंगे। यह युति मेष राशि में बुधादित्य योग का निर्माण करेगी, जो विशेष रूप से कुछ राशियों के लिए अत्यंत शुभ फलदायी सिद्ध होगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि बुध को वाणी, व्यापार और बुद्धि के कारक माना जाता है। बुध 7 मई 2025 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध के राशि परिवर्तन होने से इनकम, निवेश और लेन-देन पर असर पड़ता है। जिससे कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है तो कुछ लोगों को नुकसान भी होता है। इस ग्रह के कारण शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं। साथ ही शरीर में नसें, तंत्रिका तंत्र, गले और स्किन से जुड़ी बीमारी भी बुध की वजह से होती है। इस ग्रह के कारण तर्क शक्ति पर असर पड़ता है। साथ ही पत्रकारिता, शिक्षा, लेखन और वकालात से जुड़े लोगों के कामकाज में भी बड़े बदलाव होते हैं।

बुध है नपुंसक ग्रह

बुध पुरुष ग्रह होने के बावजूद नपुंसक ग्रह कहलाता है। अर्थात यह जिस ग्रह के साथ बैठ जाए उसकी तरह व्यवहार करने लगता है। वक्री बुध यदि किसी खराब ग्रह के साथ बैठ गया और उसके खराब फल में वृद्धि हो जाती है।

बुध का वैदिक मंत्र

ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।
अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत।।
बुध का तांत्रिक मंत्र
ॐ बुं बुधाय नमः
बुध का बीज मंत्र
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

क्या होगा असर

राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। कीमती धातुओं के दाम कम होंगे। बाजार में खरीदारी बढ़ सकती है। खाने-पीनी की चीजें महंगी हो सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। लेन-देन और निवेश में कई लोगों को फायदा मिल सकता है। कई नौकरीपेशा लोग जॉब बदलने का मन बना सकते हैं। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते। पहाड़ी क्षेत्रों से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। भारतीय स्टॉक मार्केट पर चर्चा ज्यादा। धार्मिक स्थल तीर्थ स्थल पवित्र स्थल पर कोई न कोई घटना घटित होगी। राजनीति से जुड़े नेताओं से दुखद समाचार, वाहन से जुड़ी घटना और हमला होने की संभावना।

बुध गोचर का पांच राशियों पर होगा शुभ प्रभाव

7 मई को सुबह 4 बजकर 13 मिनट पर बुध मेष राशि में प्रवेश करेगा। मेष में बुध ग्रह 23 मई को दोपहर 1 बजकर 5 मिनट तक रहेगा। बुध के राशि परिवर्तन से 5 राशि के जातकों की लॉटरी लग सकती है।

कर्क: बुध गोचर का शुभ फल कर्क राशि के लोगों को मिल सकता है। इन लोगों को बिजनेस से लाभ मिलने के संकेत हैं। नौकरी करने वाले लोगों की सैलरी बढ़ सकती है, अन्य स्रोतो से भी आपके इनकम में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। इस समय में आपका भाग्य प्रबल होगा, जिसकी वजह से बिगड़े हुए काम भी बनेंगे। जो काम करेंगे, उसमें सफलता की प्राप्ति होगी। किस्मत का साथ मिलने से करियर में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। आपको नई जॉब मिल सकती है। आपके पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

कन्या: बुध का राशि परिवर्तन कन्या राशि के लोगों के लिए शुभकारी होगा। इस समय में आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा। माता लक्ष्मी की कृपा से धन की कमी दूर होगी। यदि आप किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो उससे छुटकारा मिल सकता है। इस समय में आपकी सेहत ठीक रहेगी। फिजूलखर्च पर नियंत्रण रखने में सफल होंगे, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। बिजनेस करने वाले जातक पहले से अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

तुला: बुध का शुभ प्रभाव होने से बिजनेस करने वाले जातकों को लाभ होगा। आपके बिजनेस आइडिया सफल हो सकते हैं और आपके काम का विस्तार भी हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। यह समय निवेश के लिए भी ठीक रहेगा। हालांकि बड़े निवेश से पहले अच्छी तरह से सोच विचार करना जरूरी है। इस राशि के जातक आय के नए स्रोत पा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

धनु: बुध के राशि परिवर्तन की वजह से धनु राशि के लोगों को करियर में आगे बढ़ने के नए मार्ग प्राप्त होंगे। हो सकता है कि इस समय में आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का प्रस्ताव मिल जाए या फिर आपका बिजनेस आइडिया सफल हो जाए। बिजनेस करने वालों को नया पार्टनर मिल सकता है, जिससे आपका काम बढ़ सकता है

कुंभ: बुध देव की कृपा से कुंभ राशिवालों के पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। जॉब में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। आपका ट्रांसफर हो सकता है। इससे आपको फायदा होने की उम्मीद है। जो लोग उच्च शिक्षा पाना चाहते हैं, उनके लिए समय अनुकूल है। बड़े संस्थानों में पढ़ाई के लिए आवेदन कर सकते हैं। आमदनी की दृष्टि से भी यह समय अच्छा रहेगा।

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि रहेगा शुभ

मेष राशि में बुध के आ जाने से मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन राशियों के लोगों को जॉब और बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के भी योग बन रहे हैं। लेन-देन और निवेश में फायदा हो सकता है। इसके अलावा इन राशियों के लोग बड़े कामकाज की योजनाएं बनाएंगे। इन लोगों की तर्क शक्ति भी बढ़ेगी।

मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि रहेगा सामान्य

बुध के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि वाले लोगों के लिए समय सामान्य रहेगा। इन 4 राशि वाले लोगों के सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज को लेकर नए और बड़े लोगों से मुलाकात हो सकती है। रोजमर्रा के कामों में मेहनत भी ज्यादा करनी पड़ेगी। दौड़-भाग बनी रहेगी। साथ ही लेन-देन और निवेश सोच-समझकर करना होगा। सेहत के मामलों में इन राशि वालों को संभलकर रहना होगा।

वृष, और मकर राशि रहेगा अशुभ

बुध के मेष राशि में आ जाने से वृष और मकर राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन 3 राशियों के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। सेविंग खत्म होने और निवेश में नुकसान होने की आशंका है। लेन-देन में भी सावधानी रखनी होगी। किस्मत का साथ नहीं मिल पाएगा। नसों से संबंधी रोग हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में बदलाव और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

शुक्र मेष राशि में करेंगे परिवर्तन, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

शुक्र देव को सुखों का कारक माना जाता है। वर्तमान समय में शुक्र देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शुक्र देव 30 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव राशि मेष राशि गोचर करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से तुला और कुंभ राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है और जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। साथ ही शुक्र देव की कृपा बनी रहेगी।

कब करेंगे शुक्र राशि परिवर्तन?

ज्योतिष गणना के अनुसार, 31 मई को शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन शुक्र मीन राशि से निकल कर मेष राशि में गोचर करेंगे। शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन का असर राशि के जातकों पर पड़ेगा।

तुला :शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन का असर तुला राशि के जातकों पर पड़ेगा। इस राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। कारोबार में लाभ के योग बनेंगे। सभी कामों के सफलता मिलेगी, जिससे मन खुशियों से भर जाएगा। जातक पर शुक्र देव की कृपा बनी रहेगी।

जॉब से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ: इसके अलावा शुक्र का राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस राशि के जातकों को धन की प्राप्ति होगी। आर्थिक तंगी की समस्या से छुटकारा मिलेगा। साथ ही नए काम की शुरुआत के लिए कोई योजना बना सकते हैं। किसी काम का ऑफर मिल सकता है। जॉब में प्रमोशन के योग बनेंगे।

अगर आप शुक्र देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो रोजाना पूजा के दौरान शुक्र देव के इन मंत्रों का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुक्र देव की पूजा करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

ऊँ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:
ऊँ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:
ऊँ वस्त्रं मे देहि शुक्राय स्वाहा
ऊँ शुं शुक्राय नम:

साल 2025 कब-कब करेंगे शुक्र राशि परिवर्तन

31 मई को शुक्र देव मेष राशि में परिवर्तन करेंगे।

28 जून को शुक्र देव वृषभ राशि में परिवर्तन करेंगे।

24 जुलाई को शुक्र देव मिथुन राशि में परिवर्तन करेंगे।

19 अगस्त को शुक्र देव कर्क राशि में परिवर्तन करेंगे।

13 सितंबर को शुक्र देव सिंह राशि में परिवर्तन करेंगे।

08 अक्टूबर को शुक्र देव कन्या राशि में परिवर्तन करेंगे।

01 नवंबर को शुक्र देव तुला राशि में परिवर्तन करेंगे।

20 दिसंबर को धनु देव तुला राशि में परिवर्तन करेंगे।

11 को मनाई जाएगी नरसिंह जयंती

नरसिंह जयंती बेहद शुभ मानी जाती है। यह दिन भगवान विष्णु के उग्र स्वरूप भगवान नरसिंह को समर्पित है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय और भक्तों की रक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस साल नरसिंह जयंती दिन रविवार, 11 मई को मनाई जाएगी, जो हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को पड़ती है।

पंचांग गणना के आधार पर वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 10 मई को शाम 05 बजकर 29 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 11 मई को रात 09 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल यह पर्व 11 मई को ही मनाया जाएगा।

नरसिंह जयंती पूजा विधि

सुबह उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।
पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से पवित्र करें।
एक वेदी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।
भगवान नरसिंह की प्रतिमा स्थापित करें।
अगर नरसिंह जी की प्रतिमा न हो तो भगवान विष्णु की तस्वीर भी स्थापित कर सकते हैं।
पूजा शुरू करने से पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
भगवान नरसिंह की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराएं।
चंदन, कुमकुम, हल्दी और गुलाल आदि चीजें अर्पित करें।
उन्हें पीले या लाल रंग के वस्त्र पहनाएं और पीले फूलों की माला चढ़ाएं।
भगवान नरसिंह को फल, मिठाई, विशेष रूप से गुड़ और चना अर्पित करें।
पूजा में तुलसी दल जरूर शामिल करें।
घी का दीपक जलाएं।
भगवान नरसिंह के मंत्रों का जाप करें।
अंत में भगवान नरसिंह की आरती करें।
पूजा के दौरान हुई गलतियों के लिए माफी मांगे।
अपनी क्षमतानुसार गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

पूजा मंत्र

ॐ क्रोध नरसिंहाय नृम नम:
ध्याये न्नृसिंहं तरुणार्कनेत्रं सिताम्बुजातं ज्वलिताग्रिवक्त्रम्।
अनादिमध्यान्तमजं पुराणं परात्परेशं जगतां निधानम्।।
ॐ उग्रवीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्। नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्युमृत्युं नमाम्यहम्।।

धर्मेंद्र से मिलने उनके घर पहुंचीं जया प्रदा तो झूमे ही मैन

ही मैन धर्मेंद्र का उस वक्त खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब जया प्रदा उनसे मिलने उनके घर पहुंचीं। धर्मेंद्र खुशी से झूम उठे और उन्होंने जया प्रदा संग कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। जया ने पीले रंग का शरारा और कुर्ता पहना था। वहीं धर्मेंद्र ने ऑफ व्हाइट शर्ट और नीले रंग की पैंट पहनी थी। धर्मेंद्र ने जैसे ही जया प्रदा संग तस्वीरें शेयर कीं, ये तुरंत ही वायरल हो गईं और फैंस ने प्यार बरसाना शुरू कर दिया।ही मैन धर्मेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जया प्रदा संग तस्वीरें शेयर कर लिखा, जया प्रदा, मेरी प्यारी को-स्टार, अपने प्यारे परिवार और दोस्तों के साथ आज मुझसे मिलने आईं। मैं उन सभी को देखकर बहुत खुश हूं।

जया प्रदा के साथ धर्मेंद्र की फिल्में और जोड़ी

धर्मेंद्र के पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार बरसाया। वो लंबे समय बाद धर्मेंद्र और जया प्रदा का साथ देख खुश हो गए और उनकी जोड़ी की तारीफ की। जया प्रदा और धर्मेंद्र ने साथ में कई फिल्में कीं, जिनमें न्यायदादा, मर्दों वाली बात, गंगा तेरे देश में, शहजादे, धरम और कानून, पापी देवता, फरिश्ते और मैदान-ए-जंग जैसे कई नाम शामिल हैं।

जया ने धर्मेंद्र को बताया था सबसे बड़ा फ्लर्ट

वहीं, जब जया एक बार कपिल शर्मा के शो में आई थीं, तो उन्होंने बताया था कि सेट पर धर्मेंद्र सबसे ज्यादा फ्लर्ट करते थे। वहीं, इंडियन आइडल में जया प्रदा ने बचाया था कि रोमांटिक सीन के दौरान धर्मेंद्र की हालत खराब हो जाती थी। होस्ट जय भानुशाली ने तब जया प्रदा को धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा और ऋषि कपूर की तस्वीर दिखाकर पूछा था कि इनमें से रोमांटिक सीन में किसके सबसे ज्यादा पसीने छूटते थे।

जया प्रदा बोली थीं- धरम जी के पसीने छूट जाते थे

तो जया प्रदा ने बताया था, धरम जी के पसीने छूट जाते थे। हीरो से ज्यादा मुझे फ्रेंड नजर आते हैं। लेकिन जो रिहर्सल में करते हैं, वो टेक में नहीं होता, क्योंकि टेक में कुछ और करते हैं।

नागा चैतन्य के घर गूंजेगी की किलकारी?

शोभिता हैं प्रेग्नेंट!

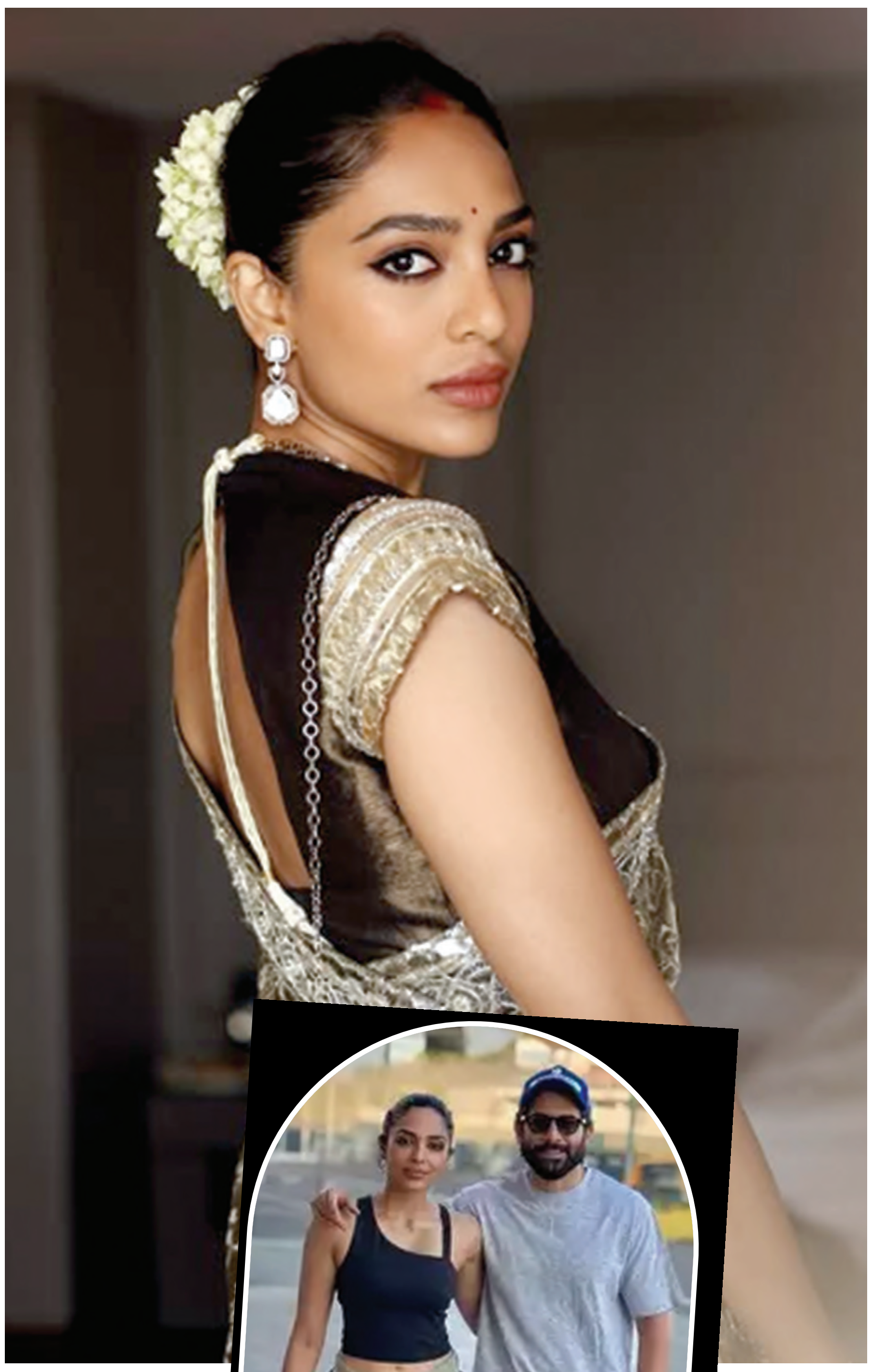

शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य ने 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में शादी की थी। इस वेडिंग सेरेमनी में उनकी फैमिली और करीबी दोस्त ही शामि... हुए थे। शादी के 6 महीने... बाद अफवाह उड़ रही... शोभिता मां बनने वाली... ही में मुंबई में वेव्स 202... थीं। इस दौरान उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी और अपने पेट को छिपाया हुआ था। इसी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वो मां बनने वाली हैं।

हालांकि,शोभिता या नागा चैतन्य की तरफ से अभी तक इस पर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन परिवार के एक अंदरुनी सूत्र ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स को दिए एक बयान में अटकलों को खारिज कर दिया है। सूत्र ने कहा, उन्होंने मेटरनिटी नहीं, एंटी-फिट पहना था। हैरानी है कि ...एक बदलाव कैसे ...ई कहानी को जन्म दे सकता है।

सामंथा से हुई थी पहली शादी

... नागा चैतन्य की ...हली शादी सामंथा ...प्रभु से हुई थी। दोनों ...5 में डेट करना शुरू ...र 2007 में इन्होंने ...लेकिन इनके रिश्ते में खटास आ गई और 2021 में इनका तलाक हो गया।

2024 में शोभिता से की दूसरी शादी

इसके बाद नागा चैतन्य की मुलाकात शोभिता से हुई। दोनों ने डेटिंग के दो साल बाद 2024 में शादी कर ली। हालांकि, सामंथा के फैंस अक्सर शोभिता को ट्रोल करते हैं और उनके पोस्ट पर कॉमेंट्स करते हैं। सामंथा के फैंस लिखते हैं कि वो बेस्ट हैं।

मेट गाला 2025 से पहले गर्भवती कियारा का बैग थामे दिखे सिद्धार्थ मल्होत्रा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और उनकी प्रेग्नेंट वाइफ कियारा आडवाणी मेट गाला 2025 में डेब्यू से पहले न्यूयॉर्क के उनके होटल के बाहर नजर आए। यकीनन ये साल सिद्धार्थ और कियारा के लिए काफी स्पेशल होने जा रहा है। प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी मेट गाला 2025 में अपना जलवा बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। न्यूयॉर्क सिटी में उनके साथ शामिल होने कोई और नहीं बल्कि उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा हैं। बॉलीवुड में फैन्स के चहेते इस पावर कपल को हाल ही में न्यूयॉर्क की सड़कों पर टहलते हुए देखा गया।

सिद्धार्थ ने बीवी का सफेद हैंडबैग थाम रखा था

कियारा इस वक्त अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं, जो एक जैकेट में नजर आईं। इंटरनेट पर इस वक्त चर्चा इस बात को लेकर तेज हो रही है कि सिद्धार्थ ने बीवी का सफेद हैंडबैग थाम रखा था। ऐसा लग रहा था कि वे एक रोमांटिक आउटिंग से वापस आ रहे थे।

सिद्धार्थ का ये अंदाज फैन्स को काफी कूल लगा है

एनवाईएस में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की खूबसूरत पलों की ये एक अनदेखी तस्वीर रेडिट पर सामने आई, जिसमें दोनों एक डेट नाइट के बाद कैमरे में कैप्चर हुए । हालांकि, ये तस्वीर जरा धुंधली है, लेकिन सिद्धार्थ का ये अंदाज फैन्स को काफी कूल लगा है। लोगों ने उनके इस जेश्चर की तारीफ की है क्योंकि अगर तस्वीर को गौर से देखें तो सिद्धार्थ ने जो पर्स उठा रखा है वो बहुत भारी नहीं दिख रहा। ऐसे में लोग इस बात की तारीफ कर रहे हैं कि वो वाइफ का कितना खय़ाल रख रहे हैं।

वहीं दो हफ्ते पहले कियारा-सिद्धार्थ को एक अस्पताल के बाहर देखा गया था, जहां कियारा पहली बार अपना बेबी बंप और प्रेग्नेंसी ग्लो में दिखी थीं। अब अपने इस नए एहसास के साथ इस खुशी को और बढ़ाने के लिए कियारा मेट गाला में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि मेट गाला 2025 का आयोजन 5 मई 2025 से शुरू हो गया है। हर साल फैशन की दुनिया का ये शानदार इवेंट इस बार ये मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट, न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित किया गया है।

जब एआर रहमान के कॉन्सर्ट में अचानक पहुंचे धनुष स्टेज पर जुगलबंदी देख खुशी से झूमे फैंस

साउथ स्टार धनुष ने हाल ही में अपने शूटिंग शेड्यूल से कुछ समय निकालकर मुंबई में म्यूजिक के उस्ताद एआर रहमान के साथ उनके कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया।

एआर रहमान के वंडरमेंट टूर के मुंबई फेज के दौरान स्टेज पर आकर एक्टर ने अपने फैंस को हैरान कर दिया। दोनों ने फिल्म रायन के गाने अदंगाथा असुरन का एक पावरफुल लाइव परफॉर्म। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। धनुष को स्टेज पर कैजुअल कपड़ों में देखा गया। वो जैसे ही स्टेज पर आए, फैंस उनका नाम जोर-जोर से चिल्लाने लगे। एक्टर ने उनका अभिवादन किया और फिर गाना गाया। अदंगाथा असुरन गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है और बोल धनुष ने लिखे हैं।

सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन ने रायन फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इसमें सेल्वा राघवन, सरवनन, एसजे सूर्या, संदीप किशन, दुश-ारा विजयन, प्रकाश राज, कालिदास जयराम और अपर्णा बालमुरली जैसे कलाकारों की टोली है। फिल्म चार भाई-बहनों की कहानी है, जो अपने गांव से भागकर शहर में शरण लेते हैं।

धनुष की अपकमिंग मूवीज

धनुष के पास कई अपकमिंग मूवीज है। इनमें तेरे इश्क में, शेखर कम्मुला की कुबेरा है। इडली कढ़ाई भी है, जिसका निर्देशन धनुष ने ही किया है। ये फिल्म 1 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। ये पहले अजीत कुमार की गुड बैड अगली के साथ रिलीज हो रही थी, लेकिन क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने इसे रीशेड्यूल किया।

कपूर लेडीज संग दिखे कपिल शर्मा और पत्नी गिन्नी

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा टीवी, ओटीटी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में तहलका मचा रहे हैं। वह अपने मस्ती भरे अंदाज से लोगों के दिलों में खास जगह बना रहे हैं। कपिल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। उनका हर एक पोस्ट शेयर करते ही इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। इस बीच उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया है, जिसमें दिग्गज अदाकारा नीतू सिंह, उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर और बाकी अन्य लोग भी नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए फोटो में कपिल शर्मा अपनी पत्नी गिन्नी चतरथ, नीतू सिंह और उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर, एक्ट्रेस सादिया खातीब और फैशन डिजाइनर कोमल साहनी के साथ नजर आ रहे हैं। सभी मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर पोज दे रहे हैं।इस फोटो को शेयर करते हुए कपिल ने कैप्शन में लिखा- सफर के मीलों, अनगिनत कहानियों, और पर्दे के पीछे ढेर सारा प्यार से भरा अनुभव। कपिल को कॉमेडी का बादशाह कहा जाता है, आज वह घर-घर में लोकप्रिय हैं। अपनी बातों से वह लोगों के चेहरे पर हंसी ला देते हैं। उन्होंने हंसदे हंसादे रवो टीवी शो से कॉमेडी की दुनिया में डेब्यू किया था। वह द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज- के विनर भी रहे। इस शो को जीतने के बाद उनकी किस्मत पलट गई और इसके बाद वे कॉमेडी सर्कस में नजर आए। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस के9 भी खोला। कपिल ने कलर्स चैनल के साथ मिलकर कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शुरू किया, जो काफी हिट रहा।उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। 2016 में वह डायरेक्टर अब्बास-मस्तान की फिल्म किस किस को प्यार करूं में लीड रोल में नजर आए। इसके बाद उन्होंने फिरंगी और ज्विगाटो में काम किया और पंजाबी फिल्म सन ऑफ मंजीत सिंह प्रोड्यूस की।

20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर

साल 2007 की सुपरहिट फिल्म 'तारे ज़मीन पर' का स्पिरिचुअल सीक्वल कहे जा रहे आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर का एलान होते ही लोगों में एक्साइटमेंट बना हुआ था। और अब इंतज़ार खत्म हुआ है। फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है और इसका पहला ऑफिशियल पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है और साथ ही रिलीज़ डेट का भी ऐलान हुआ है। ये फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

अब जब फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, तो फैन्स की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। पोस्टर में आमिर खान के साथ 10 नए चेहरे भी नज़र आ रहे हैं, जो इस बात का इशारा कर रहे हैं कि एक और खुबसूरत, ताज़गी भरी और दिल छू लेने वाली कहानी आने वाली है। सितारे ज़मीन पर के ज़रिए आमिर खान प्रोडक्शंस 10 डेब्यू एक्टर्स को लॉन्च कर रहा है जिसमें अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। फिल्म की पहली झलक काफी आकर्षक है और अब दर्शकों को इससे जुड़ी और भी चीज़ें देखने की बेसब्री है।

सितारे ज़मीन पर के जरिए आमिर खान लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं और इस बार उनके साथ नजर आएंगी जेनेलिया देशमुख। पोस्टर देखकर साफ लगता है कि आमिर कुछ बेहद खास लेकर आ रहे हैं। फैन्स इस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना ने किया है, जो इससे पहले शुभ मंगल सावधान जैसी बैरियर तोड़ने वाली हिट फिल्म बना चुके हैं। उन्होंने स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की बायोपिक ऑन ए क्वेस्ट को भी प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था, वही अध्यात्मिक गुरु जिन्होंने चिन्मय मिशन की शुरुआत की थी। आर.एस. प्रसन्ना ऐसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं जो सोचने पर मजबूर करें और दिल को भी छू जाएं।

सितारे ज़मीन पर आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही है, जिसमें आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने लिखे हैं अमिताभ भट्टाचार्य ने, और इसका म्यूज़िक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। स्क्रीनप्ले लिखा है दिव्य निधि शर्मा ने, और फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित प्रोड्यूस कर रहे

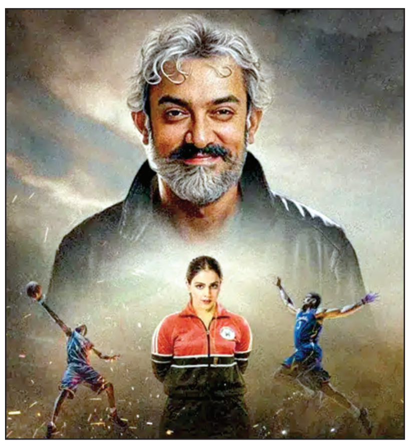

हैं। आर.एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 जून को रिलीज होगी।

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राजस्थान सरकार : भजनलाल

वडोदरा/जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें।

भजनलाल शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया था। इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

आमजन की समस्याएं सुन मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की प्रत्येक समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी को उसकी समस्या के निस्तारण के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में नियमित रूप से अवगत कराया जाए। जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा आमजन को राहत मिले।मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही, युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

डिजिटल अरेस्ट मामला

सीबीआई की मुंबई में दबिश, दो और जालसाज गिरफ्तार

जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान में हुए सनसनीखेज डिजिटल अरेस्ट मामले की परतें सीबीआई की गहन जांच में खुलती जा रही हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस मामले में अपनी कार्रवाई तेज करते हुए मुंबई में कई ठिकानों पर छापेमारी की और साइबर अपराध गिरोह के दो और सदस्यों को धर दबोचा है। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही, इस अंतर्राज्यीय साइबर ठगी मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। यह मामला तब सामने आया था जब राजस्थान सरकार ने सीबीआई से संपर्क साधा था।

जांच में पता चला कि शातिर साइबर अपराधियों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के फर्जी अधिकारी बनकर एक पीड़ित को डिजिटल रूप से अरेस्ट कर लिया था और अक्टूबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच उससे डरा-धमकाकर 7.67 करोड़ रुपए की भारी रकम ठग ली थी। सीबीआई ने इस जटिल मामले की तह तक पहुंचने के लिए ऑपरेशन चक्र-त चलाया। अप्रैल 2025 में इस ऑपरेशन के तहत राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था, जिसमें चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इन संयुक्त कार्रवाइयों में सिम कार्ड और फर्जी बैंक खातों की अवैध आपूर्ति करने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ था, जिनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था।

ऑपरेशन चक्र-त के तहत ही, पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में मिले अहम सुरागों के आधार पर सीबीआई की टीमों ने मुंबई में साइबर अपराध सिंडिकेट के सदस्यों से जुड़े कुछ और महत्वपूर्ण ठिकानों पर दबिश दी। इस कार्रवाई में दो और महत्वपूर्ण ऑपरेटिव सीबीआई के हत्थे चढ़े। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से आपत्तिजनक दस्तावेज और साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं। सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए राजस्थान के झुंझुनू जिले की सक्षम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 8 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि वह इस साइबर अपराध सिंडिकेट के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और गहन, निष्पक्ष जांच जारी रखेगी। एजेंसी का लक्ष्य इस संगठित अपराध में शामिल अन्य सदस्यों और पीड़ितों की पहचान करना है।

राजस्थान पुलिस भी सीबीआई के साथ समन्वय बनाकर इस मामले में हर संभव सहयोग कर रही है। सीबीआई ने राजस्थान के आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस तरह के साइबर अपराधों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या सीबीआई को दें।

अजमेर अग्निकांड : विधानसभा अध्यक्ष ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, शहर के होटलों का होगा सर्वे

अजमेर, 05 मई (एजेंसियां)।
डिग्गी बाजार में हाल ही में हुए अग्निकांड के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। शनिवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और नगर निगम व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। उन्होंने शहर के सभी होटलों का सर्वे कराने और फायर एनओसी (नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) नहीं होने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए।

देवनानी ने बताया कि तीन दिन पहले डिग्गी बाजार इलाके में हुए दर्दनाक अग्निकांड में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। इनमें से दो की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इस हादसे में एक महिला फायर कर्मी भी धुएं के कारण बेहोश हो गई थी। उन्होंने बताया कि घटना की गहराई से जांच के लिए एक विशेष जांच कमेटी गठित की गई है, जो तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी होटलों का रिकॉर्ड खंगाला जाए। उन्होंने कहा कि यह अजमेर में तीसरी बड़ी अग्निकांड की घटना है, जो लापरवाही की ओर इशारा करती है। अब हर होटल का फायर लाइसेंस, निर्माण संबंधी दस्तावेज और सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी।इसके लिए एक विशेष परफॉर्मा तैयार किया गया है, जिसमें प्रत्येक होटल संचालक को फायर एनओसी, स्टाफ की संख्या, इमरजेंसी एक्जिट, अग्निशमन यंत्रों की स्थिति जैसी जानकारियां भरनी होंगी।देवनानी ने स्पष्ट किया कि जिन होटलों में नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उन्हें नोटिस जारी कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माण, बिना अनुमति के संशोधन अथवा बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे होटलों के खिलाफ निगम और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से कार्रवाई करेगा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि सर्वे कार्य में कोई कोताही न बरती जाए और एक निश्चित समय-सीमा में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।देवनानी ने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि उन्हें किसी होटल, रेस्टोरेंट या व्यावसायिक प्रतिष्ठान में सुरक्षा मानकों की कमी दिखे तो वे नगर निगम या अग्निशमन विभाग को तत्काल सूचना दें।

पंजाब सरकार द्वारा जानबूझकर पैदा किया जा रहा जल संकट, केंद्र सरकार करें हस्तक्षेप : हुड्डा

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)।
पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में प्राकृतिक नहीं बल्कि पंजाब सरकार द्वारा जल संकट पैदा किया जा रहा है। उनका यह कदम पूरी तरह संघीय ढांचे के विपरीत, असंवैधानिक, अनैतिक और अमानवीय है। किसी भी प्रदेश सरकार के पास, दूसरे प्रदेश के पानी को रोकने का अधिकार नहीं है। हरियाणा कोई अतिरिक्त मात्रा नहीं बल्कि सिर्फ अपने हक का पानी मांग रहा है, जो लगातार कई साल से उसे मिलता आ रहा है। लेकिन पंजाब सरकार अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए बेवजह हरियाणा के साथ तनाव पैदा कर रही है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जल बंटवारे के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने पूर्ण समर्थन का ऐलान किया है। प्रदेश सरकार अगर हरियाणा के हक में कोई भी उचित कदम उठाएगी तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। साथ ही कांग्रेस ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग करी है। कांग्रेस चाहती है कि जनता को जल संकट से बचाने के लिए पंजाब सरकार पर दबाव बनाया जाना चाहिए। इसके लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की प्रधानमंत्री से मुलाकात करवानी चाहिए। केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करके हरियाणा को उसके हक का पानी दिलाना चाहिए।

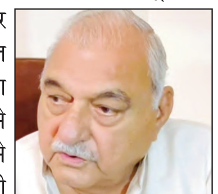

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बॉर्ड यानी बीबीएमबी के तमाम बड़े पदों पर पंजाब के अधिकारी बैठे हैं और हरियाणा सरकार की पैरवी करने वाला कोई नहीं है। इसी का नतीजा अब प्रदेश भुगत रहा है। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश को अपने हिस्सा का पूरा पानी मिलता था। क्योंकि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में कांग्रेस हरियाणा की पूरी भागीदारी सुनिश्चित करती थी।

हरियाणा को जल्द मिलेगा पानी, बीबीएमबी के पास है पर्याप्त स्टॉक : बडोली

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)।
हरियाणा में पानी संकट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने आज प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि हरियाणा को जल्द ही पानी मिलेगा। उनका दावा है कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के पास पहले से ही पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है।

बडोली ने कहा, बीबीएमबी के पास ऑलरेडी पानी मौजूद है, और हरियाणा को उसका हक जरूर मिलेगा। हमने अगला कदम उठाने के लिए आज के घटनाक्रम का इंतजार किया है। आज पंजाब सरकार ने इस मुद्दे पर एक स्पेशल सेशन बुलाया है, जबकि हरियाणा में भी कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। माना जा रहा है कि यह बैठकें पानी के बंटवारे पर आगे की रणनीति तय करने के लिहाज से अहम साबित होंगी। प्रदेश अध्यक्ष बडोली ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, धरम सिंह छोकर पर ईडी की जांच चल रही है, और कांग्रेस के कई नेताओं की छवि दागदार है।

पूर्व कांग्रेस विधायक ईडी की गिरफ्त में, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)।
कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप में दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दीन दयाल आवास योजना से जुड़े वित्तीय घोटाले के सिलसिले में हुई है, जिसमें छौक्कर और उनकी कंपनी पर करीब 1500 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

ईडी ने छौक्कर को दिल्ली के पांच सितारा होटल शांग्रीला से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद ईडी उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है, जहां उनसे पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की जा सकती है। इस कार्रवाई ने हरियाणा की राजनीति में भूचाल ला दिया है, क्योंकि छौक्कर को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बेहद करीबी माना जाता है।

आरोप के मुताबिक, छौक्कर की कंपनी साई आइना फॉर्म्स ने गुरुग्राम में लोगों को घर देने का वादा कर उनसे भारी-भरकम राशि वसूली। हालांकि, न तो लोगों को घर दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 1500 लोगों के साथ धोखाधड़ी की, जिसमें बड़े पैमाने पर धन का दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल है। यह

घोटाला दीन दयाल आवास योजना के तहत गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए घर उपलब्ध कराने की योजना से जुड़ा है, जिसका गलत इस्तेमाल कर लोगों की गाढ़ी कमाई को हड़पने का आरोप है।इस मामले में केवल धर्म सिंह छौक्कर ही नहीं, बल्कि उनके बेटे सिकंदर छौक्कर भी जांच के दायरे में हैं। सिकंदर पर 400 करोड़ रुपये के एक अन्य घोटाले में शामिल होने का भी आरोप है, जिसके लिए ईडी ने अलग से केस दर्ज किया है। पिता-पुत्र की जोड़ी पर सैकड़ों लोगों को ठगने और उनकी मेहनत की कमाई को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप है।धर्म सिंह छौक्कर का राजनीतिक करियर भी काफी चर्चित रहा है। वे हरियाणा के समालखा विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा- कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए- बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह
योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार-मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते-नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता-पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता-पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 मई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 08:41 तक
नक्षत्र : मघा सायं 03:52 तक
योग : ध्रुव रात्रि 12:29 तक
करण : कौलव प्रातः 08:41 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री दुर्गा नवमी , गण्डमूल सायं 03:52 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

पहलगाम हमले पर राज्यपाल बिफरे

अब बहुत हो गया, पाकिस्तान पर उठाने होंगे सख्त कदम

नवादा (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को हिसुआ स्थित टीएस कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'इंडियन पॉलिटी: ए क्रिटिकल अप्रेजल' में शिरकत की। उन्होंने लोकतंत्र को मानव सभ्यता की सर्वोत्तम शासन प्रणाली करार देते हुए कहा कि यह सबको जोड़ता है और सभी का सम्मान करता है। राज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अब बहुत हो गया, इसे और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सरकार को ठोस और असरदार कदम उठाने की आवश्यकता है। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की स्थिति बदतर हो चुकी है। वहां की सेना के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है। वहां चुने हुए प्रधानमंत्री तक सुरक्षित नहीं हैं।

ऐसी अराजकता में हमें उनके राजनीतिक और संस्थागत संकट का शिकार नहीं बनना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि उन जवानों के परिजनों के वीडियो देखिए, जिनकी शादी हाल ही में हुई थी। किस तरह वे बिलख रहे हैं। मैं कानपुर में शहीद शुभम के घर गया था। वहां का मंजर शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अब सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस निर्णय लेने का समय है। उन्होंने इस मुद्दे पर विपक्ष के सहयोग की भी सराहना की।

अपने 22 मिनट के संबोधन में राज्यपाल ने भारतीय लोकतंत्र, संस्कृति और संविधान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान भारतीय परंपराओं और मान्यताओं का केंद्र है, जो सभी का सम्मान करना सिखाता है। शासक का कर्तव्य डॉक्टर के समान होना चाहिए, जो बिना भेदभाव के सभी का इलाज करता है। उन्होंने गेरुआ रंग को त्याग और सेवा का प्रतीक बताया और भगवान राम एवं पांडवों के जीवन से उदाहरण देते हुए धर्म को समाज को जोड़ने वाला तत्व बताया। कुंती के श्लोक 'धर्मेते ध्यानमब बुद्धिः' का उल्लेख करते हुए धर्म की सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने उद्घोषिका दीपशिखा के मंच संचालन की सराहना की। स्थानीय विधायक नीतू सिंह की सक्रियता की खुलकर तारीफ की। विधायक ने राज्यपाल को आमंत्रण देने के लिए आभार जताया, वहीं एमएलसी अशोक यादव ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा।

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति ने राज्यपाल के वक्तव्य को समाज के लिए मार्गदर्शक बताया और कहा कि ऐसे स्पष्ट विचार देश को सकारात्मक दिशा देने वाले हैं। यह पहला अवसर था जब किसी राज्यपाल ने हिसुआ की धरती पर कदम रखा। दो दिवसीय सेमिनार में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षाविदों, छात्रों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में बोले विधायक जितेंद्र राय

महागठबंधन के साथ मिलकर भाजपा-जदयू को उखाड़ फेंकेंगे

गोपालगंज (एजेंसियां)। राजद के एक-एक कार्यकर्ता इस बार महागठबंधन के साथ मिलकर बिहार की गद्दी से भाजपा-जदयू को उखाड़ फेंकने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। यह बात पूर्व मंत्री एवं विधायक जितेन्द्र कुमार राय ने सोमवार को गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के दिघवा दुबौली में आयोजित सामाजिक न्याय परिचर्चा के दौरान कही।

पूर्व मंत्री ने कहा कि आज बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार, लूटपाट, चोरी, छिनतई और बलात्कार जैसे अपराध चरम पर हैं।

सरकारी दफ्तरों में बिना घूस दिए कोई काम नहीं होता। थाना, प्रखंड, अंचल कार्यालय हर जगह संस्थागत भ्रष्टाचार व्याप्त है। पीड़ितों की सुनवाई तक नहीं हो रही है। दाखिल-खारिज, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आवास योजना सभी कामों में रिश्वतखोरी आम हो गई है।

बैकुंठपुर के राजद विधायक प्रेमशंकर यादव ने कहा कि नीतीश सरकार से बिहार की जनता पूरी तरह ऊब चुकी है। अपराधियों की समानांतर सरकार पूरे राज्य में चल रही है और प्रशासन उसके सामने नतमस्तक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करने और जनता को जागरूक करने का आह्वान किया।

राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने तेजस्वी यादव के 17 माह के कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि इतने कम समय में उन्होंने जो ऐतिहासिक कार्य किए, उनकी सराहना देश-विदेश में हुई। उन्होंने बताया कि राजद की सरकार बनने पर 'माई बहिन मान योजना' के तहत हर बहन को 2500 प्रतिमाह दिया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से बढ़ाकर 1500 की जाएगी और प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव संजय ठाकुर ने संगठनात्मक पहलुओं पर, शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुमार राय ने चुनावी अभियान के मुख्य बिंदुओं पर, महिला राजद की प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता भारती ने चुनावी प्रबंधन पर, और युवा राजद नेता अमरेन्द्र कुमार ने सोशल मीडिया व डिजिटल प्रचार-प्रसार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के बैकुंठपुर प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद जोहेब अली ने की, जबकि मंच संचालन नागेंद्र ठाकुर ने किया।

शहर की सड़कों पर फुटकर दुकानदारों का कब्जा, ट्रैफिक पुलिस ने गोलंबर को घेरा

बड़े वाहनों के चालक परेशान

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया शहर के हृदय स्थल माने जाने वाले राजेन्द्र चौक के गोलंबर को ट्रैफिक पुलिस ने एक ओर से पूरी तरह से बंद कर दिया है। इससे रोजाना गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। चालकों को अब सकरी गलियों से यू-टर्न लेकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है, जिससे जाम की समस्या और बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ने की असली वजह राजेन्द्र चौक पर सड़क किनारे पसरी फुटकर दुकानों का अतिक्रमण है। बावजूद इसके, न तो नगर परिषद प्रशासन और न ही ट्रैफिक पुलिस इन दुकानों को हटाने की दिशा में कोई कार्रवाई कर रही है। उल्टे, ट्रैफिक पुलिस ने गोलंबर को बंद कर राहगीरों और वाहन चालकों की मुसीबत बढ़ा दी है।

राजेन्द्र चौक से होकर शहर के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों की ओर जाने वाले मार्गों पर प्रतिदिन करीब 3 से 4 हजार वाहन गुजरते हैं। एमजी रोड की ओर से जो वाहन रेलवे लाइन पार करना चाहते हैं, उन्हें अब एनएसी रोड चौराहा तक जाकर यू-टर्न लेना पड़ रहा है। छोटे वाहन चालक तो किसी तरह निकल जा रहे हैं, लेकिन बड़े वाहनों को टर्निंग की जगह न मिलने से खासी दिक्कत हो रही है।

सुबह से देर शाम तक राजेन्द्र चौक पर जाम की स्थिति बनी रहती है। फुटकर विक्रेता सड़क पर ही फल और सब्जियों की दुकानें लगाकर अतिक्रमण कर रहे हैं।

इसके बावजूद प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब समस्या की जड़ फुटकर दुकानों का अतिक्रमण है, तो ट्रैफिक पुलिस गोलंबर को बंद कर के रास्ता क्यों जटिल बना रही है?

बदमाशों ने महिला से लूट लिए 2 लाख 40 हजार रुपये बच्ची के गर्दन पर चाकू सटाकर दिया घटना को अंजाम

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय रेलवे परिक्षेत्र में अवैध अतिक्रमणकारियों द्वारा शहरवासी को दिनदहाड़े निशाना बनाया जा रहा है। ताजा मामला लोहियानगर थाना क्षेत्र का है, जहां लोहियानगर रेलवे गुमटी से पूर्व झोपड़पट्टी में रह रहे बदमाशों ने एक परिवार से 2 लाख 40 हजार लूट लिये। इस दौरान बदमाशों ने लूट से पहले बच्ची के गले पर चाकू रखकर घटना को अंजाम दिया। हालांकि घटना के 24 घण्टे के भीतर बेगूसराय पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी कर मामला का उद्भेदन कर दिया। इस मामले ने शहर और रेलवे स्टेशन आने जाने वाले रेलयात्रियों की सुरक्षा पर गम्भीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।

3 मई को दिन के उजाले में लोहिया नगर में तीन नकाबपोश बदमाशों ने महिला से 2 लाख 40 हजार रुपए लूट लिए। वह बैंक से 4 लाख 40 हजार निकालकर अपने पति और बच्ची के साथ झोपड़पट्टी के रास्ते घर जा रही थी।

तभी बदमाशों ने महिला की बच्ची की गर्दन पर चाकू रख जान से मारने की धमकी दी। लोहियानगर निवासी रिद्धि कुमारी अपने पति और बच्ची के साथ एसबीआई शाखा से 4 लाख 40 हजार रुपए निकालकर घर लौट रही थी। लोहिया नगर गुमटी से रेलवे लाइन की ओर बढ़ते समय तीन बदमाशों ने घेर लिया। पर्स में रखे 2 लाख 40 हजार लूट लिए। रिद्धि के पति के जेब में रखे 2 लाख रुपए बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही लोहिया नगर थाना पुलिस हरकत में आई। 4 मई को पुलिस ने झोपड़पट्टी में छापेमारी की। जिसमें दो बदमाशों की गिरफ्तारी और साढ़े 9 हजार नगद एवं घटना में प्रत्युक्त चाकू बरामद किया गया।

दरअसल बेगूसराय रेलवे परिक्षेत्र में काफी सालों से अवैध अतिक्रमणकारी लोग बसे हुए हैं। यहां पर लगातार जिला पुलिस और रेल पुलिस की छापेमारी भी होती है।

कार्रवाई भी होती है, पर हालात जस के तस बने रहते हैं। हाल ही में बेगूसराय आरपीएफ पोस्ट के नवपदस्थापित इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह ने यहां अप्रैल महीने में जागरूकता अभियान चलाया था। उन्होंने उस दौरान झोपड़पट्टी में रह रहे नागरिकों से अपील किया था कि अपराध न करें और इसे बढ़ावा ना दें। करीब 15 दिनों के बाद एक बार फिर घटी घटना ने झोपड़पट्टी को लेकर शहर में गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं।

कुछ महीने पहले रेलवे परिक्षेत्र में जमे लोहियानगर झोपड़पट्टी के अवैध अतिक्रमणकारियों को खाली करवाने के लिए रेलवे विभाग के अधिकारी दल बल के साथ पहुंचे थे। इस दौरान स्थानीय बसे हुए लोगों द्वारा विरोध का उन्हें सामना करना पड़ा था। जिसके बाद तत्काल अतिक्रमण खाली करवाने की कार्रवाई को रोक दिया गया था। जो आज तक रुका हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की हुई मौत

गहनों के विवाद में सास-जेठानी पर हत्या का आरोप

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी विकास प्रजापति की 23 वर्षीय पत्नी शशिकला कुमारी के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतका के पिता संतोष कुमार प्रजापति ने बताया कि वर्ष 2021 में उन्होंने अपनी बेटी शशिकला की शादी विकास प्रजापति से की थी। शादी के एक वर्ष बाद से ही सास और जेठानी के साथ गहनों को लेकर विवाद होने लगा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमवार को इसी विवाद के चलते सास और जेठानी ने शशिकला की गला दबाकर हत्या कर दी।

चेनारी थाने के चौकीदार बबन पासवान ने बताया कि महिला की मौत को लेकर परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के पति पिंटू कुमार उर्फ विकास प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तेज की जाएगी।

बिहार का एक और सेना का जवान जम्मू कश्मीर में शहीद

गहरी खाई में गिरने से हुई मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय का एक और सेना का जवान जम्मू और कश्मीर में शहीद हो गया। शहीद सैनिक का पार्थिव शरीर मंगलवार को बेगूसराय पहुंचेगा। शहीद सुजीत कुमार पठानकोट में जॉइंट कमिश्नर ऑफिसर के पद पर तैनात थे।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सैन्य ट्रक 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें तीन सैनिक शहीद हो गए हैं। मृतकों में से एक की पहचान बरौनी प्रखंड के अमरपुर गांव निवासी झपस राय के पुत्र सुजीत कुमार के रूप में हुई है। उनके परिवार में पत्नी सिंधु देवी और एक बेटा व दो बेटियां हैं। उनकी एक बेटी संध्या कुमारी पटना में सेना में भर्ती होने के लिए एनडीए की तैयारी कर रही है। सुजीत कुमार के परिवार में तीन बहनें और चार भाई हैं।

सुजीत 2001 में आर्मी में सिपाही के पद पर ज्वाइन किये थे। सुजीत के शहीद होने की सूचना आज दोपहर में परिजनों को सेना के अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि सैन्य ट्रक 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें तीन सैनिक शहीद हो गए हैं। उन शहीदों में सुजीत कुमार भी शामिल थे। घटना की जानकारी घर वालों को मिलते ही घर में मातमी सन्नाटा पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। गांव में जैसे ही सुजीत के शहादत की खबर मिली, गांव में भी मातमी सन्नाटा पसर गया। लोग शहीद के घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधा रहे।

सात सालों बाद भी नहीं मिला गंडक नदी के नये पुल से आवागमन

निर्माण के 2 माह बाद ही हो गया था क्षतिग्रस्त

मुंगेर (एजेंसियां)। गंडक नदी पर बना नया पुल भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। करीब 15.5 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल वर्ष 2019 में तैयार हुआ था, लेकिन सिर्फ दो माह के अंदर ही इसके पाया संख्या 3 और 4 के बीच धंसाव आ गया, जिससे पुल को परिचालन से बाहर कर दिया गया। अब 7 वर्ष बीतने के बाद भी यह पुल जनता को सुविधा नहीं दे सका है।

पुल के बंद होने के कारण अब भी वाहन चालकों को पुराने पुल से ही आवाजाही करनी पड़ रही है। यह पुल अब जर्जर हो चुका है, जिस पर ट्रैफिक का दबाव अधिक रहने से रोजाना घंटों जाम लगता है। स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल निर्माण का ठेका पुंज लॉयड कंपनी को दिया गया था। गुणवत्ता में लापरवाही के चलते पुल चालू होने के कुछ ही दिनों में धंस गया। मरम्मत कार्य जारी है, लेकिन पुल के मध्य हिस्से में अब भी क्षतिग्रस्त स्थान साफ दिखाई दे रहे हैं। एनएचएआई ने पुल को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया था, लेकिन कई महीनों की मरम्मत के बावजूद अब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी है।

एनएच 31 पर बना यह नया पुल अब सितंबर 2025 से चालू किए जाने की संभावना है। फिलहाल मरम्मत का काम कछुआ गति से जारी है। इस बारे में जानकारी लेने के लिए एनएचएआई बेगूसराय रेंज के कार्यपालक अभियंता से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। पुल के निर्माण में हुई अनियमितताओं को लेकर लोगों में आक्रोश है। सवाल यह है कि जब करोड़ों की लागत से बना नया पुल कुछ ही समय में ध्वस्त हो सकता है, तो मरम्मत के बाद कितनी गारंटी है कि यह फिर से सुरक्षित रहेगा?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com